नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

आईपीएल 2027 : हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े



www.naisochlive.com | पटना, गुरुवार, 12 नवंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 256, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

परिसीमन बिल : कांग्रेस को क्यों दिख रही साजिश?

एजेंसी, नई दिल्ली

88 दिनों से संसद की नहीं हुई बैठक



देश की संसद में बीते 88 दिनों से कोई बैठक नहीं हुई है, लेकिन मानसून सत्र अब तक औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है। संसद के इतिहास में यह असामान्य देरी अब राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनी है। कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि वह परिसीमन विधेयकों को फिर संसद में लाने और उन्हें पारित कराने की रणनीति बना रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर इन विधेयकों के समर्थन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मोदी सरकार की कथित बुलडोजर कार्यशैली को लेकर भी विपक्ष को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। संसद की आखिरी बैठक 9 को हुई थी। इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया, लेकिन सत्रावसान की औपचारिक घोषणा नहीं हुई। इस तरह संसद 88 दिनों तक तकनीकी रूप से चालू रही और 2008 में बने 87 दिनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सत्र समाप्त नहीं होने के कारण सरकार के पास कम समय के नोटिस पर संसद की बैठक फिर बुलाने का विकल्प मौजूद है। कांग्रेस इसी स्थिति को परिसीमन विधेयकों से जोड़कर देख रही है। दरअसल, केंद्र सरकार परिसीमन प्रक्रिया के जरिए 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना चाहती है। मौजूदा कानून के तहत महिला आरक्षण का क्रियान्वयन निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से जुड़ा हुआ है। प्रस्तावित योजना में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, कांग्रेस सहित विपक्षी दल प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों का इस्तेमाल करने से राज्यों के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व का संतुलन बिगड़ सकता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों को लोकसभा में अपनी हिस्सेदारी कम होने का खतरा है। गौरतलब है कि 17 अप्रैल को केंद्र सरकार का 131वां संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका था। इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े थे। विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी 352 वोट नहीं मिल पाए। संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन के लिए उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई समर्थन जरूरी है।

अब नए वेरियंट वाले कोरोना को लेकर भारत सतर्क

एजेंसी, नई दिल्ली



ठंड के मौसम की शुरुआत के साथ ही कोरोना वायरस के एक नए और चिंताजनक वेरिएंट पीजे.2.1 ने दुनिया भर के देशों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। दुनिया के कई देश इस नए वेरियंट को लेकर काफी चिंतित है। भारत ने भी ऐतिहात के तौर पर कई कदम उठाए गए है। बताया जा रहा है कि भारत इस नए कोरोना पर नजर रखे हुए है। जैसे ही खतरे की संभावना रहेगी भारत तत्तकाल कदम उठाएगा। इस बीच, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नया वेरिएंट भारत पहुंच चुका है, लेकिन फिलहाल देश में इसकी मौजूदगी की पुष्टि करने वाले कोई भी ठोस सबूत सामने नहीं आए हैं। भारत में इनास्कोच (जीनोमिक्स कंसोर्टियम) जैसी संस्थाएं जीनोम सीक्वेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस के अलग-अलग स्ट्रेन में होने वाले बदलावों पर लगातार पैनी नजर रखे हुए हैं ताकि नए वेरिएंट के प्रसार का समय रहते पता लगाया जा सके।

इस नए स्ट्रेन की पहचान सबसे पहले मई 2026 में कनाडा के ओंटारियो प्रांत में हुई थी और अब यह उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया तथा ओशिनिया के कई हिस्सों में फैल चुका है। कनाडा के अलावा सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजरायल, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में इसके स्थानीय स्तर पर फैलने के संकेत मिले हैं। शुरुआती रिसर्च के अनुसार, इस नए वेरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में कई आनुवंशिक बदलाव देखे गए हैं, जिससे इसकी मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने की क्षमता बढ़ सकती है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पिछले स्ट्रेन के मुकाबले ज्यादा खतरनाक है या नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, इस नए वेरिएंट के लक्षण भी आम सर्दी-जुकाम और इन्फ्लूएंजा (फ्लू) जैसे ही हैं, जिसमें बुखार, ठंड लगना, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। राहत की बात यह है कि शोधकर्ताओं ने संकेत दिया है कि पीजे.2.1 में इम्युनिटी को बहुत ज्यादा चकमा देने की क्षमता नहीं है और जिन लोगों ने कोविड-वैक्सीन लगवाई है, उनके शरीर की एंटीबॉडीज इस नए वेरिएंट को बेअसर करने में पूरी तरह सक्षम पाई गई हैं, जो टीकाकरण के महत्व को रेखांकित करता है।

केदारनाथ सहित सभी धामों के कपाट शीतकाल के लिए बंद

एजेंसी, देहरादून

डोली निकली शीतकालीन गंतव्यों की ओर



भैयादूज के पावन अवसर पर विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट बुधवार सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसी के साथ उत्तराखंड की इस वर्ष की चार धाम यात्रा भी संपन्न हो गई, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र धामों के दर्शन कर पुण्य कमाया। मंगलवार को गंगोत्री के कपाट बंद हुए थे, वहीं बुधवार को यमुनोत्री के कपाट भी विधि-विधान के साथ बंद कर दिए गए। केदारनाथ के कपाट बंद होने की प्रक्रिया मंगलवार को ही शुरू हो गई थी, जब बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह डोली को उत्सव के लिए सभा मंडप में रखा गया। बुधवार सुबह शुभ मुहूर्त में समाधि पूजा के बाद गर्भ गृह के कपाट बंद कर दिए गए, जिसके बाद मंदिर के मुख्य द्वार को भी सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर बंद कर दिया गया। शीतकाल के अगले छह माह तक बाबा केदार के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में होंगे। मंदिर के मुख्य पुजारी टी गंगाधर लिंग ने सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। कपाट बंद होने के बाद, सेना के बैंडों की मधुर धुन और भक्तों के जयकारों के बीच बाबा केदार की उत्सव डोली ऊखीमठ के लिए प्रस्थान कर गई, जो बुधवार रात्रि विश्राम के लिए रामपुर पहुंचेगी। वहीं, गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अन्नकूट पर्व के अवसर पर दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए थे। इसके बाद मां गंगा की उत्सव डोली अपने शीतकालीन पड़ाव मुखीमठ (मुखबा) के लिए रवाना हुई, जो बुधवार सुबह वहां पहुंची। अब अगले छह माह तक श्रद्धालु मुखबा में ही मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे। गंगोत्री के कपाट बंद होने की तैयारियां सुबह 9 बजे से ही शुरू हो गई थीं, जिसमें मां गंगा के मुकुट को उतारना और भोग मूर्ति के दर्शन करना शामिल था। देव डोलियों की मौजूदगी में शुभ लग्न पर कपाट बंद किए गए। डोली में सवार होकर गंगा की भोगमूर्ति मंदिर परिसर से बाहर निकली, जिसे आर्मी की टू कुमाऊं रेजिमेंट की बैंड की धुन और ढोल दमाऊ की थाप के साथ 12 बजकर 15 मिनट पर मुखबा के लिए विदा किया गया। यमुनोत्री धाम के कपाट भी बुधवार 11 नवंबर को भैया दूज के पावन पर्व पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। यमुनोत्री मंदिर समिति के अनुसार, सुबह 10 बजकर 28 मिनट पर मां यमुना के कपाट बंद हुए, जिसके बाद मां यमुना की डोली अपने शीतकालीन प्रवास खरसाली के लिए रवाना हुई। इन कपाटों के बंद होने के साथ ही, उत्तराखंड में इस वर्ष की चार धाम यात्रा का औपचारिक समापन हो गया है, और अब अगले यात्रा सीजन में ही श्रद्धालु इन पवित्र धामों के दर्शन कर पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल में गुंडाराज समाप्तः मिथुन चक्रवर्ती का दावा



एजेंसी, कोलकाता : अनुभवी अभिनेता और राजनेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में गुंडाराज यानी भीड़ का शासन हमेशा के लिए समाप्त हुआ है। दिवाली समारोह के दौरान मीडिया से बात कर उन्होंने राज्य में विपक्ष द्वारा भीड़ के शासन के बढ़ने के दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया। अभिनेता और राजनेता चक्रवर्ती ने कहा कि विपक्ष के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे भीड़ के शासन का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, हम लोगों ने 15 साल तक क्या सहा है? मैं इसके बारे में क्या कह सकता हूं? वे कह रहे हैं कि गुंडे राज कर रहे हैं। क्या आपने कभी ऐसी आजादी देखी है? आप सवाल क्यों उठा रहे हैं? यह होना ही है। यह दिखाता है कि वह मौजूदा स्थिति को पहले से बेहतर मानते हैं। राजनेता चक्रवर्ती ने विपक्ष पर हमला कर कहा कि उनके लिए अब कुछ नहीं बचा है, और कालीघाट तृणमूल जैसी चीजें खत्म हो गई हैं। उन्होंने कहा, सब खत्म हो गया है, महोदय। हालांकि, उनका यह बयान राज्य में बढ़ती भीड़ हिंसा के दावों के बीच आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जैसे ग्रामीण इलाकों में भीड़ द्वारा धमकाने, चर्चों में तोड़फोड़ और अंतिम संस्कार के अधिकारों से वंचित करने जैसे उत्पीड़न के कई मुद्दे उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि जिस 15 साल के भीड़तंत्र के दौर की वह आलोचना कर रहे हैं, तभी लगभग तीन साल तक वे स्वयं टीएमसी के सदस्य रहे थे। 7 फरवरी, 2014 को उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी की ओर से राज्यसभा सांसद के लिए नामांकित किया था, और उन्होंने 26 दिसंबर, 2016 को पद से इस्तीफा दिया।

जनजातीय समाज को वोटबैंक नहीं, देश की गौरवशाली विरासत के रूप में पहचान दिलाई मोदी सरकार ने : गजेंद्र पटेल



एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशभर में बुधवार से १८ नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस के तहत कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। भाजपा के इस विशेष आयोजन में बारे में भाजपा के महामंत्री गजेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में 11 नवंबर से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय समाज के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों, उनके उत्थान और विकास के साथ ही उनके जीवन में आए सुखद परिवर्तन की यात्रा से लोगों को अवगत कराया जाएगा। भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में गजेंद्र पटेल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी जिले के उलिहातु गांव में हुआ था। उनका जीवन, संघर्ष और बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 में 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए शोध, आंकड़ों और नीतियों में बेहतर तालमेल जरूरीः पीके मिश्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने जलवायु परिवर्तन, कृषि की मजबूती, खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक शोध, विस्तृत आंकड़ों और साक्ष्य आधारित नीतियां बनाने के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को अब केवल पर्यावरण से जुड़ी समस्या के रूप में नहीं देखा जा सकता क्योंकि इसका सीधा असर कृषि उत्पादकता, जल उपलब्धता, खाद्य कीमतों, जनस्वास्थ्य और लोगों की आजीविका पर पड़ता है। डॉ. मिश्रा ने बुधवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), कोझिकोड में पर्यावरण एवं विकास (ईएफडी) नेटवर्क की 20वीं वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा का आकलन केवल पर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन के आधार पर नहीं होना चाहिए बल्कि लोगों को सस्ती, विविधतापूर्ण और पौष्टिक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जलवायु संबंधी व्यवधानों से दालों, फलों, सब्जियों, दूध और अन्य पोषक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता तथा कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। ऐसे में कृषि में विविधीकरण और जलवायु के अनुकूल खाद्य प्रणालियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की पहल पर वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने का उल्लेख करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि इससे मोटे अनाज के पोषण संबंधी महत्व और पर्यावरणीय अनुकूलता को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली।

असम में रेल हादसा, कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी, गुवाहाटी



असम के गुवाहाटी के बाहरी इलाके में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। डिगारू रेलवे स्टेशन के पास कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की खबर है। हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने अब तक किसी की मौत की पुष्टि नहीं की है। घायलों की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना बुधवार सुबह करीब 6:54 बजे हुई। मिजोरम के सैरांग से कोलकाता जा रही एक्सप्रेस ट्रेन डिगारू स्टेशन के पास पटरी से उतर गई। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। रेलवे की ओर से तत्काल राहत, बचाव और ट्रैक बहाली का काम शुरू कर दिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे सुबह 6:54 बजे डिगारू रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। हादसे के बाद रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा गया है। घायल यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीमें जुटी हुई हैं। फिलहाल घायलों की संख्या और चोटों की गंभीरता का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, दूसरी ट्रेन को रास्ता देने के लिए ट्रेन को रोकने के दौरान यह दुर्घटना हुई। बताया जा रहा है कि इस दौरान लोको पायलट ट्रेन की रफ्तार नियंत्रित नहीं कर सका और ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतर गए। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था की जा रही है। महाप्रबंधक सहित रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल के लिए रवाना हुए हैं।

कोलकाता हवाई अड्डे पर हाईजैक की धमकी निकली अफवाह, जांच के बाद मुंबई उड़ान के लिए हरि झंडी

एजेंसी, कोलकाता । कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह एअर इंडिया के एक विमान में हाईजैक (विमान अपहरण) की धमकी मिलने से मचे हड़कंप के बाद अब स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की गई जांच में विमान के अंदर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जांच पूरी होने के बाद विमान में यात्रियों की दोबारा बोर्डिंग शुरू कर दी गई है। बुधवार शाम कोलकाता हवाई अड्डे के कॉरपोरेट संचार विभाग ने बयान जारी कर बताया कि सुरक्षाबलों और संबंधित एजेंसियों ने अपनी जांच पूरी कर ली है और विमान को सुरक्षित घोषित कर दिया गया है। क्लीयरेंस मिलने के बाद एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2772 में दोबारा बोर्डिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस विमान के शाम 5 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरने की संभावना है। इससे पहले बुधवार सुबह 10 बजकर 33 मिनट पर एअर इंडिया की इसी फ्लाइट के शौचालय में केबिन क्रू को हाईजैक की धमकी वाला एक नोट मिला था।

राहुल गांधी 17-18 नवंबर को अमेरिका में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे



एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आगामी अमेरिका दौरे को लेकर देश में राजनीतिक गहमागहमी बढ़ गई है। राहुल गांधी 17 और 18 नवंबर को अमेरिका में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, जिस पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन ने जानकारी दी है कि राहुल गांधी कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फायरसाइड चैट के लिए आ रहे हैं। इस दौरान वे वैश्विक छात्र आंदोलन और वैश्विक राजनीति पर इसके असर के बारे में बात करेंगे। इसके बाद वे शिकागो आएंगे, जहां वे अंतरराष्ट्रीय मामलों और भू-राजनीति पर जाने-माने प्रोफेसर के साथ एक फायरसाइड चैट करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के नेतृत्व के साथ नाश्ते पर एक बैठक भी होगी। ये उनके दौरे के अहम बिंदु हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी कोई न कोई मुद्दा ले आती है और मनगढ़ंत बातें बना लेती हैं, जैसे जॉर्ज सोरोस का मामला। उन्होंने कहा कि कुछ भी कहा नहीं जा सकता, वे कुछ भी कह सकते हैं, जबकि उनके कार्यक्रम में केवल कोलंबिया यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में फायरसाइड चैट ही शामिल हैं।

महंगाई का झटकाः मदर डेयरी ने बढ़ाए दूध के दाम, 12 नवंबर से नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली



महंगाई के बीच दूध उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। मदर डेयरी ने बढ़ती लागत और किसानों से दूध की खरीद कीमतों में इजाफे के चलते दूध के दाम 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ा दिए हैं। नई कीमतें गुरुवार, 12 नवंबर से लागू होंगी। कंपनी ने खुले दूध और पैकेट वाले दूध की विभिन्न श्रेणियों के दाम में संशोधन किया है। नई दरों के मुताबिक, एनसीआर में टोंड दूध (थोक वितरण) की कीमत 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। वहीं, फुल क्रीम दूध (पाउच) अब 72 रुपये के बजाय 76 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। टोंड दूध (पाउच) की कीमत 60 रुपये से बढ़ाकर 62 रुपये और डबल टोंड दूध की कीमत 54 रुपये से बढ़ाकर 56 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। गाय के दूध का दाम भी 62 रुपये से बढ़ाकर 65 रुपये प्रति लीटर होगा। सूत्रों के मुताबिक, किसानों से दूध खरीदने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कंपनी को अपनी लागत का कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। मदर डेयरी दूध की बिक्री से होने वाली आय का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को देती है। कंपनी के प्रवक्ता ने कीमतों में बढ़ोतरी पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है, जबकि देशभर में इसकी दैनिक बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है। कंपनी ने इससे पहले 14 मई 2026 को दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। वित्त वर्ष में बेहतर मांग के चलते कंपनी का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 20,300 करोड़ रुपये पहुंच गया था। वर्ष 1974 में स्थापित मदर डेयरी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है।

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद भी पटाखों का शोर जारी, एक्यूआई 1000 के पार

एजेंसी, नई दिल्ली



दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद भी पटाखे चलाने का शोर जारी है, जिससे एक्यूआई कई इलाकों में 1000 से ऊपर पहुंच गया है। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में पटाखे जलाने की तय समय-सीमा अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है और अब पटाखे पूरी तरह बैन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में केवल 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे के बीच सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी थी, जिसे धार्मिक प्रथा बताया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और किसी भी साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर तब भी पूर्ण प्रतिबंध था। अब हवा जहरीली होती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ देर रात तक और सुबह-सुबह भी पटाखों के फूटने की आवाजें आ रही हैं। इससे उन लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है, जिन्हें सुबह जल्दी काम पर जाना होता है। बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों के लिए यह शोर और भी मुश्किल पैदा कर सकता है। सामान्य नियम के मुताबिक, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि त्योहार के नाम पर इन नियमों की अनदेखी नहीं की जा सकती है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने की आशंका, मछुआरों को 12 नवंबर तक तट पर लौटने का निर्देश

एजेंसी, चेन्नई । दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 13 नवंबर को कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके अगले 24 घंटे में उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और मजबूत होकर गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदलने का अनुमान है। इसके चक्रवात में तब्दील होने की आशंका को देखते हुए तमिलनाडु के मत्स्य पालन एवं मछुआरा कल्याण विभाग ने मछुआरों को 12 नवंबर की रात तक समुद्र से लौटकर तट पर पहुंचने का निर्देश दिया है। चेन्नई क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के आधार पर विभाग ने मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की है। इसमें समुद्र में मछली पकड़ने जाने से बचने और गहरे समुद्र में मौजूद नौकाओं को निर्धारित समय तक वापस लौटने की सलाह दी गई है। सभी मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अपने संबंधित मछली पकड़ने के बंदरगाहों पर सुरक्षित स्थानों पर खड़ा करने का निर्देश दिया गया है। विभाग के अनुसार, 13 नवंबर से अगले आदेश तक मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अनुमति टोकन जारी नहीं किए जाएंगे।

राम मंदिर नहीं जाएंगे टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद, बोले- माता सीता के सम्मान का सवाल

एजेंसी, कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आजाद ने अयोध्या स्थित राम मंदिर जाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि वह कभी राम मंदिर नहीं जाएंगे। अपने इस फैसले के पीछे उन्होंने रामायण में माता सीता के परित्याग का प्रसंग उठाया। कीर्ति आजाद का कहना है कि जब माता सीता अग्निपरीक्षा देकर अपनी पवित्रता साबित कर चुकी थीं, तब भगवान राम ने उनका त्याग क्यों किया? उन्होंने सवाल उठाया कि दो मासूम बच्चों के साथ माता सीता को महल से बाहर क्यों जाना पड़ा। कीर्ति आजाद ने अपने बयान में कहा कि देश में हजारों देवी-देवताओं की पूजा होती है, ऐसे में क्या भगवान राम ही एकमात्र ईश्वर हैं? उन्होंने कहा कि वह राम मंदिर नहीं जाएंगे, क्योंकि उनके अनुसार भगवान राम ने अग्निपरीक्षा के बाद भी माता सीता का परित्याग किया था। उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था का जिक्र करते हुए बताया कि वह मां कामाख्या और मां काली के भक्त हैं। वह कामाख्या मंदिर, दक्षिणा काली, कालीघाट और दिल्ली के गोल मार्केट स्थित काली मंदिर में पूजा करने जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

1322 यात्रियों से 10.39 लाख रुपए जुर्माना वसूला, सोनपुर मंडल में बरौनी समेत कई स्टेशनों और ट्रेनों में चेकिंग

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल में 9 नवंबर को बिना टिकट और अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 1322 यात्रियों पर कार्रवाई की गई। उनसे जुर्माना और किराए के रूप में 10 लाख 39 हजार 670 रुपए वसूले गए। मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया। इसमें वाणिज्य विभाग, टिकट जांच कर्मियों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम शामिल रही। अभियान के तहत सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया समेत मंडल के विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में जांच की गई। बिना टिकट यात्रा करने, टिकट में निर्धारित श्रेणी से अलग श्रेणी में सफर करने और बिना उचित अनुमति यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ा गया। उनसे नियमानुसार जुर्माना और किराया वसूला गया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से वैध टिकट लेकर और टिकट में निर्धारित श्रेणी के अनुसार ही यात्रा करने की अपील की है। बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा करना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय है। सोनपुर मंडल प्रशासन ने कहा कि रेलवे राजस्व की सुरक्षा और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के लिए इस तरह के टिकट जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

भूमि विवाद में 10 राउंड फायरिंग, 2 घायल, बाइक सवारों ने चलाई गोलियां, तनाव के बाद 3 थानों की पुलिस तैनात

हाजीपुर। वैशाली के मंगलवार की देर रात भूमि विवाद को लेकर बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ करीब 10 राउंड फायरिंग की। गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें महुआ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना महुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरपुर गंगाराम गांव की है। हरपुर गंगाराम निवासी सोनू कुमार ने बताया कि फायरिंग में सुमित्रा देवी और देवेंद्र महतो को गोली लगी है। दोनों घायलों का महुआ अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है। सोनू कुमार ने बताया कि यह सारा मामला भूमि विवाद का है। उन्होंने आरोप लगाया कि मिर्जा नगर से आए बदमाशों ने उनके घर एवं लोगों को निशाना बनाते हुए फायरिंग की। सोनू कुमार ने बताया कि सबसे पहले बदमाशों ने बेजुबान पशु के ऊपर भी हमला कर दिया। इसके बाद घर की ओर फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि लगभग 20 से अधिक की संख्या में बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे। बदमाशों ने एक के बाद एक करीब 10 राउंड फायरिंग की, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए घरों में छिप गए। घटना की सूचना मिलते ही महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए तीन थानों की पुलिस घटनास्थल पर तैनात की गई है। पुलिस ने गांव में गश्त बढ़ा दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। सोनू कुमार ने कहा कि लगभग 20 वर्षों से यह भूमि विवाद का मामला चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपना हक चाहिए। उन्होंने वरीय पदाधिकारियों से मांग की कि मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और हमारे परिवार को इंसाफ मिले। गोलीबारी के बाद गांव में लोग डरे-सहमे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। इधर मामले की सूचना मिलने पर पहूंची महुआ पुलिस ने घटनाक्रम की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने गांव में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है।

'विकसित भारत 2047' के विजन पर हुई चर्चा, डॉ. दिनेश शाहरा ने छात्रों को दिया 'कॉन्शियस लीडरशिप' का मंत्र

पटना। युवाओं में नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों और जीवन के स्पष्ट उद्देश्य की भावना विकसित करने के उद्देश्य से प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ. दिनेश शाहरा ने गांधीधाम स्थित टोलानी मोटवाने इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में विशेष इंटरैक्टिव लीडरशिप प्रोग्राम को संबोधित किया। दिनेश शाहरा फाउंडेशन (DSF) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म-जागरूकता, आंतरिक नेतृत्व और माइंडफुलनेस के महत्व से परिचित कराते हुए देश के जिम्मेदार और उद्देश्यपूर्ण भावी नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित किया। अपनी उद्यमिता की यात्रा और जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. शाहरा ने छात्रों से कहा, "सच्चे नेतृत्व की शुरुआत स्वयं का नेतृत्व करने से होती है। लीडरशिप केवल किसी पद, अधिकार या पेशेवर सफलता तक सीमित नहीं है। एक सच्चा लीडर वह है जो अपने नैतिक मूल्यों को समझता है, जिसके पास जीवन का स्पष्ट उद्देश्य है और जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहता है।" इंटरैक्टिव सेशन के दौरान छात्रों ने डॉ. शाहरा से सीधे सवाल पूछे और एक जिम्मेदार व जागरूक लीडर बनने के आवश्यक गुणों को समझा। कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक विशेष गाइडेड मेडिटेशन सेशन रहा। इसमें छात्रों को मन की शांति, माइंडफुलनेस और आत्म-जागरूकता का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। डॉ. शाहरा ने बताया कि स्वयं से जुड़ने और अपने मन को शांत रखने से विचारों में स्पष्टता आती है, भावनात्मक संतुलन बना रहता है और विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के विजन तथा 'शिक्षित भारत, विकसित भारत' की अवधारणा के अनुरूप रहा। डॉ. शाहरा ने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास ही काफी नहीं है; इसके लिए जागरूक नागरिकों, नैतिक रूप से मजबूत युवाओं और सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है। दिनेश शाहरा फाउंडेशन देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। फाउंडेशन मुख्य रूप से शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा के क्षेत्रों में समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

अनंत ने खेसारी को दिया बेटी की शादी का न्योता, वीडियो कॉल पर हुई बात, 20 नवंबर से शुरू होगी रस्में

पटना। बिहार के मोकामा विधायक अनंत सिंह अपनी बेटी की शादी को लेकर चर्चा में हैं। शादी की तैयारियों, दामाद को मिलने वाले गिफ्ट से लेकर पहुंचने वाले मेहमानों की बातें हो रही हैं। गेस्ट लिस्ट में भोजपुरी सिंगर-एक्टर खेसारी लाल का भी नाम जुड़ गया है। अनंत सिंह ने खेसारी लाल यादव को बेटी की शादी का न्योता दिया है। दोनों के बीच वीडियो कॉल पर बातचीत हुई। जिसका वीडियो सामने आया है। भोजपुरी एक्टर ने 25 नवंबर को आने की बात कही। बता दें कि, अनंत सिंह की बेटी शादी की रस्में 20 नवंबर से शुरू होंगी। 20 को तिलक होगा, जबकि 25 नवंबर को शादी है। समारोह को खास और भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। शादी में जयपुर थीम पर जयमाला स्टेज तैयार किया जाएगा। इसके लिए विशेष सजावट की योजना बनाई गई है। अनंत सिंह ने खेसारी लाल यादव से वीडियो कॉल पर बातचीत की।

अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद में 57वां भगवान श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। कलमजीवियों के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त की आराधना को समर्पित अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद द्वारा आयोजित 57वां भगवान श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव आज अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रातःकाल वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परिषद के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिन्हा ने विधि-विधान से भगवान श्री चित्रगुप्त का पूजन-अर्चन कर समस्त समाज के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। पूरे दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भगवान श्री चित्रगुप्त के दर्शन एवं पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इसके साथ ही परिषद द्वारा आयोजित भव्य सामुदायिक भोज में लगभग तीन हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर सामाजिक समरसता एवं एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। पूजनोत्सव में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव, मंत्री कुमार शैलेन्द्र, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधान परिषद सदस्य संजय प्रकाश मयूख, विधायक संजय गुप्ता, जद(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, पूर्व मंत्री मंगल पांडे, वार्ड पार्षद कुमार संजीत बबलू, पिंकी यादव, राधा शर्मा, सुजीत यादव, महेंद्र शर्मा, प्रो. डी. एन. सिन्हा, रमाकांत प्रसाद, गोपाल सिन्हा सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रबुद्ध जनों ने भाग लेकर भगवान श्री चित्रगुप्त का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा परिषद के इस दीर्घकालीन सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन की सराहना की। पूरे पूजनोत्सव का सफल संचालन परिषद के सचिव मधुप मणि पिक्कू के नेतृत्व में किया गया। परिषद के गोविंद जी, अतुल आनंद सन्नू, भास्कर बिहारी शरण, सौरव जयपुरियार, रंजन श्रीवास्तव, आलिंद वर्मा, अमिताभ, त्रिपुरारी शरण, राकेश वर्मा, अमर कुमार सिन्हा, राजीव रंजन वर्मा, राकेश रौशन बबलू, विपिन बिहारी शरण, प्रमोद शेखर वर्मा, प्रमोद सिन्हा, पंकज प्रकाश, मुकेश प्रसाद, युवा मंच के नवनीत विजय, सौरव कुमार, महिला मंच की अर्चना श्रीवास्तव, पूजा वर्मा सहित सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद ने सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों, सहयोगियों एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत एवं धार्मिक परंपराओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से परिषद भविष्य में भी इसी प्रकार जनकल्याणकारी एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी, अशोकनगर एवं अनीसाबाद में भगवान चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास, सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी जाकर भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा-अर्चना की एवं राज्य के विकास, सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की। ठाकुरबाड़ी चित्रगुप्त पूजा समिति, गर्दनीबाग द्वारा आयोजित सामाजिक समरसता सहभोज कार्यक्रम में भी मुख्यमंत्री शामिल हुये और लोगों को प्रसाद वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कंकड़बाग के अशोकनगर स्थित प्रेम त्रिलोकी सामुदायिक भवन तथा अनीसाबाद के साकेत विहार में भी श्री चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर प्रदेश और देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री को चित्रगुप्त पूजा समितियों की ओर से अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद रविशंकर प्रसाद, बिहार विधान परिषद् के पूर्व सभापति अवधेश नारायण सिंह, विधायक संजीव चौरसिया, विधान पार्षद संजय मयूख, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष सह गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी प्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष रणवीर नंदन सहित गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी, अशोक नगर एवं अनीसाबाद पूजा समितियों के सदस्यगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भगवान चित्रगुप्त सबके कर्मों का रखते हैं लेखा-जोखा, सदाचार के मार्ग पर चलें : राजीव रंजन प्रसाद

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त न्याय के देवता हैं और वे समस्त प्राणियों के अच्छे-बुरे कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में सत्य, ईमानदारी, सदाचार और नैतिकता का पालन करते हुए श्रेष्ठ कर्म करना चाहिए। चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर श्री प्रसाद ने पटना के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित पूजा समारोहों में शामिल होकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अशोक नगर, हनुमान नगर, चित्रगुप्त नगर, दरियापुर-कदमकुआं, श्रीकृष्णा नगर, किदवईपुरी, एसके पुरी, अंबेडकर नगर, अनिसाबाद और आशियाना नगर सहित कई इलाकों के पूजा पंडालों का भ्रमण किया तथा भगवान चित्रगुप्त के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चित्रगुप्त पूजा महज धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपने कर्मों के प्रति जिम्मेदार और सजग रहने का संदेश भी देती है। भगवान चित्रगुप्त की आराधना मनुष्य को आत्ममंथन करने और अपने आचरण में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा देती है। समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना भी उनके आदर्शों का महत्वपूर्ण संदेश है। राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि कायस्थ समाज की पहचान ज्ञान, शिक्षा, लेखनी, बौद्धिक क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी से रही है। भगवान चित्रगुप्त के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के लोगों को शिक्षा, संस्कार और सेवा के क्षेत्र में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने चित्रगुप्त पूजा को सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अवसर बताया। इस अवसर पर प्रेम कुमार, धनंजय प्रसाद, अनिल कुमार दास, हरेंद्र सिन्हा और प्रसून श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन ने छात्र-छात्राओं को प्रदान किये स्कॉलरशिप राशि

नई सोच एक्सप्रेस



पटना। गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी चित्रगुप्त पूजा समिति की ओर से चित्रगुप्त पूजा के मौके पर समाज के गरीब मेधावी छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप राशि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्य सभा सांसद नितिन नवीन के हाथो प्रदान किया गया। इस मौके भाजपा के प्रदेश संजय सरावगी, पथ निर्माण मंत्री ई शैलेन्द्र, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ,गर्दनीबाग ठाकुड़बाड़ी प्रबंध न्यास समिति अध्यक्ष, सह बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व विधान पार्षद डॉक्टर रणबीर नन्दन ने छात्र छात्राओं को राशि प्रदान किये। डॉ नंदन ने बताया कि गर्दनीबाग ठाकुडबाड़ी के तत्वावधान में हर वर्ष चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर गरीब मेधावी बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए स्कॉलरशिप प्रदान किया जाता है। इससे इन गरीब बच्चों के पढ़ाई में मदद मिलती है। इससे पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने गर्दनीबाग ठाकुड़बाड़ी में भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की। प्रो रणबीर नंदन ने बताया कि इस मौके पर यहां कमला नेहरू बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय खगौल और कन्या मध्य विद्यालय चितकोहरा गोलंबर के 25 बच्चों को छात्रवृति राशि देकर पुरस्कृत किया गया। सम्मानित होनेवाले बच्चों में रिमझिम कुमारी,चांदनी कुमारी, तन्नु कुमारी, नंदनी कुमारी,साक्षी कुमारी, खुशबु कुमारी, खुशी कुमारी , छाया कुमारी, विशाल कुमार, रोहित कुमार,आयुष कुमार, मिथाली कुमारी, शिवम कुमार, पंकज कुमार,माशुम कुमार,अंजली कुमारी, नैना कुमारी, तनु कुमारी ,मुस्कान कुमारी,पूजा कुमारी ,रिया कुमार ,अदित्य कुमार,आर्यन राज ,शालू कुमारी ,शोभिता कुमारी,रागिनी कुमारी आंचल कुमारी के नाम शामिल हैं। इस मौके पर गर्दनीबाग प्रबंध न्यास समिति के सचिव डॉ संजीव कुमार, विधान परिषद के पूव सभापति अवधेश नारायण सिंह बाल श्रमिक आयोग के उपाध्यक्ष अरविंद सिंह,नम्रता नंदन, भाजपा नेता अनिल शर्मा, शशिर कुमार, रंजन प्रियदर्शी,सुशील वर्मा, सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भागवान चित्रगुप्त की कृपा से हमलोग ज्ञान व विवेक की प्राप्ति होती है और वे ही हमारे अच्छे बुरे कर्मो का लेखा जोखा रखते हैं हम आज दिन उनके समक्ष नतमस्तक हैं।

छठवर्तीओं को हर संभव सुविधा देने को लेकर सरकार कृतसंकल्पित:- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस



बिहारशरीफ। लोक आस्था के महान पर्व छठ पूजा की तैयारी हेतु बिहारशरीफ नगर निगम के वार्ड नं 49 कोसुक 48 मघडा शीतला मंदिर तालाब,मघडा नदी पर छठ घाट एवं बिहारशरीफ प्रखंड के ग्राम वियावानी छठ घाट का निरीक्षण बिहार सरकार के मंत्री जदयू विधायक दल के नेता सह क्षेत्रीय विधायक श्रवण कुमार सांसद कौशलेंद्र कुमार के द्वारा किया गयाइस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। छठ महापर्व बिहार की आत्मा है।छठ पूजा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था और परंपरा से जुड़ा महापर्व है. बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में इसे बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. इस पर्व में व्रती चार दिनों तक नियम और पूरी पवित्रता के साथ पूजा करते हैं. छठ पूजा की सबसे खास बात यह है कि इसमें 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखा जाता है. मान्यता है कि सच्चे मन से छठी मईया और सूर्यदेव की पूजा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है और संतान की खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है बड़गांव धाम का छठ घाट ऐतिहासिक है,जहाँ लाखों श्रद्धालु अर्घ्य देने आते हैं। छठ व्रतियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाट की साफ-सफाई,सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को समय से पहले दुरुस्त कर लिया जाए। तालाब एवं घाट पर गंदगी न रहे, इसके लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। स्थानीय लोगों से भी साफ सफाई को लेकर सहयोग करने की विशेष अपील की।मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार छठ महापर्व को पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।उन्होंने कहा कि छठवर्ती भाईयों बहनों माताओं के रहने के लिए राज्य सरकार की ओर से पंडाल चलंत शौचालय स्थाई शौचालय चेंजिंग रूम शुद्ध पेयजल आसपास के पूरे क्षेत्र में लाइटनिंग की पर्याप्त व्यवस्था तथा पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए सुगम यातायात व्यवस्था बनाने एवं माइकिंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को लगातार आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिया।आपात स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की तैयारी रखने और जरूरत के अनुसार एनडीआरएफ की टीम तैनात करने का भी निर्देश दिया।सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि छठ महापर्व सबसे महान पर्व में से एक है सरकार हर संभव सुविधा छठवर्ती भाईयों बहनों माताओं के लिए कर रही है।निरीक्षण के दौरान जदयू के प्रदेश सचिव गुलरेज अंसारी जदयू प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव वार्ड पार्षद प्रतिनिधि जयन्त शर्मा विश्वास सिंह मुन्ना मांझी गुलशन कुशवाहा मंटू कुशवाहा बिट्टू कुशवाहा सोनू रविदास संजय प्र कुशवाहा पैक्स अध्यक्ष शिवचरण प्र पुष्पराज सिंह जीतन चौहान प्रदीप मुखिया नवीन राउत रामजन्म रविदास उपेन्द्र दिलवाला आकाश कु काजल मुन्ना पासवान सकलदीप प्र नीतीश पाण्डेय राजू साव पप्पू मुखिया पंचु सिंह अंकित कुमार मोनू कुमार अपर नगर आयुक्त शम्स रजा रफाई निरीक्षक परमानंद प्र आर डी ओ बिहारशरीफ सहित कई अधिकारी समाजसेवी उपस्थित रहें।

घर पर फायरिंग और तोड़फोड़, 10 दिन पहले लड़की से छेड़छाड़ हुई थी



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के ढकवाहाचक गांव में देर रात कुछ लोगों ने एक घर में तोड़फोड़ की। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपियों ने दो राउंड फायरिंग भी की। जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। परिवार के मुताबिक, तोड़फोड़ करने वाले युवक गांव के ही हैं। 10 दिन पहले उनकी बहन के साथ छेड़छाड़ हुई थी। इस मामले में थाने में लिखित शिकायत दी गई, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद आरोपियों ने देर रात घर के पास हंगामा किया। विरोध करने पर तोड़फोड़ और फायरिंग की। **'पहले भी मारपीट हुई थी':** पीड़ित परिवार के सदस्य सोनू कुमार ने कहा कि करीब 10 दिन पहले छठ पर्व के लिए उनकी बहन गाय का गोबर लेने गई थी, तभी उसके साथ छेड़छाड़ की गई। करीब तीन साल पहले दीपावली के दिन आरोपियों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की थी। **थाने को मामले की जानकारी नहीं:** मामले की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, इस संबंध में बाढ़ थानाध्यक्ष पूर्णेन्दु कुमार कहना है कि ढकवाहाचक गांव में ऐसी किसी घटना की जानकारी थाने को नहीं है। फिर भी पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

किराए के मकान में युवक ने सुसाइड किया, फंदे से लटककर दी जान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जक्कनपुर थाना क्षेत्र के संजय नगर रोड नंबर-5 स्थित परमिला निवास में बुधवार शाम एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान नवादा निवासी मनु कुमार (23 वर्ष) के रूप में हुई है। वह पटना में रहकर रैपिडो चलाता था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मनु कुमार अपने चाचा और एक अन्य युवक के साथ पिछले छह महीने से मकान में किराए पर रह रहा था। **खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक फंदे से लटका दिखा:** मकान मालकिन उर्मिला देवी ने बताया कि बुधवार शाम युवक के चाचा बाहर से लौटे तो मनु ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। काफी आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने इसकी जानकारी मकान मालकिन को दी। इसके बाद मकान मालकिन और अन्य लोगों ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक फंदे से लटका हुआ था। यह देखकर सभी के होश उड़ गए। आनन-फानन में जक्कनपुर थाने की पुलिस को सूचना दी गई। **पुलिस जांच में जुटी:** सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। मृतक के दादा भी घटनास्थल पर पहुंचे। जवान पोते की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। फिलहाल युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गर्दनीबाग ठाकुड़बाड़ी में भगवान चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा-अर्चना में शामिल हुए नीतीश कुमार

नई सोच एक्सप्रेस



- सामाजिक समरसता और पारस्परिक सद्भाव ही समाज की असली ताकत : नीतीश कुमार

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को गर्दनीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी, रोड नंबर-12 में आयोजित भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा-अर्चना में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान चित्रगुप्त महाराज के प्रति श्रद्धा निवेदित की तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मा0 उप-मुख्यमंत्री, बिहार विजय कुमार चैधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ एवं आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दीपक कुमार रहे। इस मौके पर नीतीश कुमार ने कहा कि सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और पारस्परिक सम्मान किसी भी समाज की बुनियादी ताकत हैं। बिहार की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साझा सामाजिक परंपराओं से रही है। इस विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए समाज के सभी वर्गों के बीच प्रेम, विश्वास और भाईचारे को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को संरक्षित करने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करते हैं। सामाजिक समरसता प्रीतिभोज जैसी पहलें जाति और वर्ग के भेद से ऊपर उठकर एक साथ बैठने, सहभागिता और आत्मीयता का संदेश देती हैं। समाज में सद्भाव और सहयोग का वातावरण बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान सार्दनीबाग ठाकरबाडीप्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रो. रणबीर नंदन ने नीतीश कुमार का चादर व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया, वहीं नीतीश कुमार जी ने सभी लोगों से आत्मीय मुलाकात की एवं उनका कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर पूर्व विधान पार्षद एवं ठाकुरबाड़ी पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ रणवीर नंदन, नम्रता नंदन उपाध्यक्ष डॉ संजीव कुमार, बी एन कॉलेज में अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ डी. एन. सिन्हा, सचिव सह रिटायर्ड आईएएस अधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा, प्रदेश सचिव मोहित प्रकाश, श्याम पटेल, अंकित तिवारी, सागरिका चौधरी, वरीय अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट, नई दिल्ली अमिताभ सिन्हा, प्रो, वाणिज्य विभाग, पटना विवि डॉ एस. बी. लाल, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, सह कोषाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव एवं सुधीर सागर, सह- सचिव नुपुर प्रसाद, मुरली मनोहर श्रीवास्तव एवं मनीष कुमार सिन्हा, सह-संयोजक डॉ पूनम रमण, अमर कुमार सिन्हा, शालिनी सिन्हा एवं अमृतांशु शेखर सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे

संक्षिप्त समाचार

गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में धूमधाम से मनाया गया चित्रगुप्त पूजा

पटना। पटना के गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में इस साल 11 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त की पूजा पूरे विधि-विधान और धूमधाम से मनाई गयी । इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद अध्यक्ष व गर्दनीबाग ठाकुड़बाड़ी प्रबंध न्यास समिति के अध्यक्ष प्रो रणबीर नंदन ने बताया कि हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, भगवान चित्रगुप्त सभी मनुष्यों के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखते हैं, इसलिए इस दिन विशेष रूप से कलम-दवात की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। पूजा समिति द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 11 नवंबर की सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूजन और हवन का अनुष्ठान चला। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे से शाम 5 बजे तक श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण हुआ। वहीं, दोपहर 1:30 बजे से एक विशाल सामाजिक समरसता प्रीतिभोज का भी आयोजन किया गया । इस बार आयोजन में सामाजिक सरोकार को निभाते हुए उद्घाटन के अवसर पर 25 गरीब और मेधावी छात्रों को स्कॉलरशिप भी प्रदान किया गया। समिति के अन्य सम्मानित सदस्यों में पूर्व मुख्य सचिव अंजनी कु सिंह, सचिव चंचल कुमार, अंजनी कु सिन्हा, आशीष कु मिश्रा, प्रो केसी सिन्हा,प्रो प्रवीण कुमार,प्रो शशि प्रताप शाही,डॉ नीता नाथ, मुकेश रंजन झा और पं० सत्य प्रकाश पाण्डेय शामिल हैं। साथ ही अभय कुमार, अवधेश प्रसाद सिन्हा, शैलेश कुमार, रूचि श्रीवास्तव, अजय सुंदर, सुषमा सिन्हा, अमन राज, राजीव कुमार, अभिषेक कुमार और अमित राज भी आयोजन को सफल बनाने में बतौर सदस्य अपनी सक्रिय भूमिका में रहे ।

निलंबन और तबादले का खेल बंद हो, जनता को चाहिए डिमोशन

फतुहा। मुख्यमंत्री द्वारा 15 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लापरवाही के आरोप में निलंबित किए जाने पर भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि निलंबन, तबादला और लाइन हाजिर करने की कार्रवाई से जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होने वाला है। जनता को अब केवल कार्रवाई की घोषणा नहीं, बल्कि धरातल पर परिणाम चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में आम जनता अपने छोटे-छोटे कामों के लिए महीनों चक्कर लगाती रहती है। गरीब, किसान, बुजुर्ग और जरूरतमंद लोग अपने आवेदन लेकर अधिकारियों के दरवाजे पर भटकते हैं, लेकिन उनकी शिकायतों का समय पर निष्पादन नहीं होता। ऐसे में केवल कुछ अधिकारियों को निलंबित कर सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। डॉ. पटेल ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से सवाल किया कि आखिर सरकारी कार्यालयों में जनता को समय पर न्याय और सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही हैं? यदि अधिकारी जनता के आवेदनों को जानबूझकर लटकाते हैं, तो उनके विरुद्ध केवल निलंबन नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निलंबन कोई अंतिम सजा नहीं है। निलंबित अधिकारी जांच पूरी होने के बाद बहाल भी हो सकते हैं। इसलिए सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और जनता के काम समय-सीमा के भीतर पूरे हों। उन्होंने मांग की कि सभी सरकारी विभागों में लंबित आवेदनों की समीक्षा हो, दोषी अधिकारियों को डिमोशन की सजा हो?

सुगौली में दो अलग-अलग कांडों के पांच नामजद अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय भेजे गए



मोतिहारी। सुगौली थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो कांडों के पांच नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुगौली थाना कांड संख्या 551/26 के नामजद अभियुक्त शिरखिंडी गांव निवासी पप्पू शाह, पिता संदेश शाह, रामप्रवेश शाह, पिता स्व. बनती शाह, रूपेश शाह, पिता संदेश शाह तथा संदेश शाह, पिता बनती शाह को गिरफ्तार किया गया। वहीं, सुगौली थाना कांड संख्या 552/26 के नामजद अभियुक्त शिरखिंडी गांव निवासी प्रवेज आलम, पिता हमीद मियां को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सभी पांचों अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया है।

छठ महापर्व पर नगर पंचायत प्रशासन की ओर से सफाई कर्मियों के बीच वस्त्र वितरित



मोतिहारी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर नगर पंचायत प्रशासन की ओर से सुगौली नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में सफाई कर्मियों के बीच उपहार स्वरूप वस्त्र का वितरण किया गया। यह वितरण उपमुख्य पार्षद श्रीमती सरिता शर्मा की उपस्थिति में पार्षदगण, समाजसेवियों एवं कार्यालय कर्मियों के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपमुख्य पार्षद श्रीमती सरिता शर्मा ने कहा कि, "छठ महापर्व त्याग, आस्था और सेवा का प्रतीक है। नगर की स्वच्छता बनाए रखने में हमारे सफाई कर्मियों का योगदान अतुलनीय है। त्योहार के इस पावन अवसर पर नगर पंचायत प्रशासन द्वारा उन्हें वस्त्र भेंट कर सम्मानित करना सराहनीय पहल है। इनके सुख-दुःख में सहभागी बनना और इनके मनोबल को बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अलीहसन, उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा, वार्ड पार्षद जितेंद्र सिंह, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मुन्नालाल साह एवं प्रधान सहायक प्रमोद पासवान सहित समाजसेवी एवं नगर पंचायत के कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

भाईदूज पर बहनों ने गोधन कूटकर भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की



मोतिहारी। सुगौली सहित पूरे प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को भाईदूज का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही घरों में उत्सवी माहौल रहा। बहनों ने विधि-विधान से गोधन कूटने की परंपरा निभाई और अपने भाइयों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारी और उनके सुखद एवं खुशहाल जीवन की मंगलकामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनके प्रति अपना स्नेह प्रकट किया। पूरे क्षेत्र में भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और आपसी रिश्तों को मजबूत करने वाला यह पर्व पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया।

टीवीएस मोटर कंपनी ने यूरोप के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी ने मिलान में आयोजित EICMA 2026 में यूरोप के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी ने इस आयोजन में यूरोपीय ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किए गए चार प्रोडक्शन-रेडी मॉडल पेश किए। ईआईसीएमए में पहली बार टीवीएस मोटर ने सैकड़ों लोगों को अपने वाहनों की टेस्ट राइड का अवसर भी दिया। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रेसिडेंट (इंटरनेशनल बिजनेस) पेयमान करगर ने कहा, "यूरोप टीवीएस मोटर के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और हमारी अंतरराष्ट्रीय विकास योजनाओं का अहम हिस्सा है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, परफॉर्मेंस मोटरसाइकिल और प्रीमियम शहरी परिवहन के क्षेत्र में हमें यहां काफी संभावनाएं नजर आती हैं। इन बाजारों में सफलता के लिए केवल प्रतिस्पर्धी प्रोडक्ट होना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए ग्राहकों की जरूरतों की गहरी समझ, मजबूत स्थानीय स्तर पर कामकाज और बेहतर डिस्ट्रीब्यूशन व सर्विस नेटवर्क जरूरी है। पिछले एक साल में हमने अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने, डीलर और सर्विस क्षमताओं को बेहतर बनाने और यूरोपीय ग्राहकों की राइडिंग जरूरतों के अनुरूप प्रोडक्ट पोर्टफोलियो तैयार करने पर ध्यान दिया है। यूरोप में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के साथ हमारा फोकस टीवीएस ब्रांड तक ग्राहकों की पहुंच बढ़ाने, उनके साथ जुड़ाव मजबूत करने और क्वालिटी, टेक्नोलॉजी व बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस देने वाले प्रोडक्ट उपलब्ध कराने पर है।"= कंपनी के अंतरराष्ट्रीय कारोबार में यूरोप की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। टीवीएस मोटर विकसित बाजारों में अपनी मौजूदगी मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। यह रणनीति कंपनी के कुल रेवेन्यू में अंतरराष्ट्रीय कारोबार की हिस्सेदारी बढ़ाने के लक्ष्य का हिस्सा है। कंपनी की योजना 2030 तक इस हिस्सेदारी को 40 फीसदी तक पहुंचाने की है। तीन दशक से अधिक का अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोटिव लीडरशिप अनुभव रखने वाले पेयमान करगर को 27 जनवरी, 2027 से टीवीएस मोटर कंपनी का डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर नियुक्त किया गया है। वह के. एन. राधाकृष्णन का स्थान लेंगे। TVS RTR 125 को A1 लाइसेंस धारकों के लिए तैयार किया गया है। यह युवा और पहली बार मोटरसाइकिल चलाने वाले राइडर्स को यूरोप में टीवीएस मोटर के मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो से जुड़ने का अवसर देती है। इस पोर्टफोलियो में RR 310, RTR 310, Ronin और RTX 300 भी शामिल हैं। ये चारों मोटरसाइकिलें कॉन्सेप्ट मॉडल हैं और इन्हें केवल प्रदर्शन के उद्देश्य से पेश किया गया है।

दानापुर में डॉक्टरों द्वारा जनसेवा के लिए निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर सह रक्त दान शिविर का किया गया आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस



दानापुर।बुधवार को दानापुर क्षेत्र स्थित श्री जनता कोल्ड स्टोरेज परिसर में युवा डॉक्टरों द्वारा जनसेवा के लिए निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर सह रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। जहां नगर के सैकड़ों नागरिकों ने विभिन्न बीमारियों के स्वास्थ्य परीक्षण, मुफ्त दवा और रक्तदान का लाभ उठाया। इस मौके पर डॉ.शिवेन्दु एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि आज हम दोने ने मिलकर अपने पिता स्वर्गीय सदन कुमार के पुण्यतिथि पर जनसेवा क्रि भावना से लोगों की बेहतर स्वास्थ्य के लिए निशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है. इस मेगा शिविर में स्वास्थ्य जाँच बीपी, शुगर, नेत्र, हृदय रोग, बाल रोग, सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, हड्डी एवं अस्थि रोग, कान, नाक, गला, आयुर्वेद, मनोचिकित्सा, फिजियोथेरेपिस्ट परीक्षण आदि के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद के लिए स्वेच्छा से रक्त का संग्रहण भी किया गया। शिविर के दौरान दूर दराज के गांवों एवं अन्य इलाकों से पहुंचे लोगों के स्वास्थ्य की जांच का अभियान प्रारंभ किया गया। इस भव्य शिविर में वहां तैनात दर्जनों चिकित्सकों से लोगों के स्वास्थ्य की जांच कराई गई। पूरे दिन चले इस शिविर के दौरान लोगों को जांच के बाद उचित चिकित्सीय परामर्श दिए जाने के साथ उन्हें निशुल्क दवा भी उपलब्ध कराया गया है। इस बीच एक पेड़ पिता के नाम से इस शिविर में आए सभी लोगों को एक पौधे का भी वितरण किया गया. इस मेगा शिविर को सफल बनाने में डॉ अनिल कुमार वर्मा, डॉ गौरव कुमार, डॉ सुबोध शर्मा, डॉ रोशन, डॉ राजेश,डॉक्टर ट्विंकल झां, डॉ विदिशा, डॉ पूजा, डॉ वरुण कुमार,पूर्व वार्ड पार्षद सुनील कुमार उर्फ डब्बू, पंकज कुमार समेत अन्य का सराहनीय योगदान रहा है।

बिहार के गौरवशाली व्यक्तित्व थे डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा, उन्हें नहीं मिला उचित सम्मान : डॉ. अनिल सुलभ

नई सोच एक्सप्रेस



- जयंती समारोह में आचार्य बदरीनाथ वर्मा को भी किया गया याद, आयोजित हुई लघुकथा-गोष्ठी

पटना।आधुनिक बिहार के सबसे गौरवशाली व्यक्तित्वों में डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा का नाम प्रमुख है, लेकिन उन्हें उनके योगदान के अनुरूप सम्मान नहीं मिला। उन्होंने बिहार को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सचिवालय एवं विधानमंडल के निर्माण के लिए अपनी विशाल भूमि भी दान कर दी। वे भारतीय संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष और विद्वता, विनम्रता एवं दानशीलता की प्रतिमूर्ति थे। ये बातें मंगलवार को बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने कहीं। उन्होंने बिहार के पूर्व शिक्षामंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी आचार्य बदरीनाथ वर्मा के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे साहित्य, शिक्षा, पत्रकारिता और राजनीति के आदर्श व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपने जीवन में सादगी और ईमानदारी का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। समारोह का उद्घाटन राज्य उपभोक्ता आयोग, बिहार के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने किया। उन्होंने डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को महान विधिवेत्ता और दानवीर बताते हुए कहा कि उनका योगदान अतुलनीय है। सम्मेलन के प्रधानमंत्री डॉ. उपेंद्रनाथ पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित लघुकथा-गोष्ठी में डॉ. पुष्पा जमुआर, डॉ. विद्या चौधरी, डॉ. शालिनी पाण्डेय, डॉ. मनोज गोवर्धनपुरी, सिद्धेश्वर, सदानंद प्रसाद, ई. अशोक कुमार सहित कई साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मानंद पाण्डेय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ओ0बी.सी. रेलवे इम्पलाईज एशोसियेशन के पदाधिकारियों और डीआरएम के साथ द्वितीय अनौपचारिक बैठक संपन्न



नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।ऑल इण्डिया ओ०बी.सी. रेलवे इम्पलाईज एशोसियेशन,दानापुर मंडल के पदाधिकारियों और मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार के साथ द्वितीय अनौपचारिक बैठक हुआ, जिसमें मंडल के बीस सूत्री मांगों पर चर्चा के बाद समाधान भी किया गया। बैठक में प्रशासन की तरफ से मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक सजीव कुमार, बरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अनुल कुमार एशोसियेशन की तरफ से जोनल महासचिव सुबोध पाद्वार, मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुमार, मंडल सचिव खीन्द्र कुमार, जोनल वित सचिव विमल कुमार, अनिल कुमार ओन्द्र सेक्सेना, संजय कुमार, अजीत कुमार, राकेश रंजन. मीणभूषण कुमार, प्रमोद कुमार, संतोष कुमार सहित कई पदाधिकारीगण शामिल हुए।

चित्रांश समाज द्वारा की गई विधिवत चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा



नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। चित्रगुप्त पूजा समिति के मुख्य व्यवस्थापक तथा जन कल्याण सामाजिक विकास संगठन के संयोजक तपन कुमार के नेतृत्व में लेखा नगर में चित्रगुप्त पूजा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जहां कलम जीवियों के आराध्य देव श्री चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ मनाया गया। मंत्री रामकृपाल यादव, भाजपा के प्रवक्ता राजीव रंजन समेत आदि ने भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना किया। इसके पश्चात सुंदरकांड का पाठ किया गया और स्व. आरके सिन्हा की श्रद्धांजलि सभा का आयोजित कर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर मंत्री रामकृपाल यादव एवं भाजपा प्रवक्ता राजीव रंजन ने वहां मौजूद लोगों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि चित्रगुप्त भगवान का आशिर्वाद से ही कलम चलती है। इस मौके पर चित्रांश परिवार के तरफ से हरेंद्र प्रताप सिंह, टीपी सिन्हा, सीडी यादव, डॉ जगदीश लाल तथा आरएन राय के द्वारा स्व. सिन्हा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। मौके पर राघव प्रसाद सिन्हा, कामेश्वर राय, आर.के. श्रीवास्तव, अखौरी अश्विनी कुमार, उमेश चंद्र के साथ कई का गन्यमान ने लोग शामिल थे।

छठ महापर्व को लेकर रेलवे प्रशासन अलर्ट, डीआरएम ने सुगौली स्टेशन का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस



- यात्री सुविधाओं को दुरुस्त करने और निर्माण कार्य समय से पहले पूरा करने का निर्देश, सुरक्षा में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

मोतिहारी। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा अधिकारियों की पूरी टीम के साथ सुगौली रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने स्टेशन परिसर का गहन निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, साफ-सफाई और चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने निर्माणाधीन स्टेशन भवन, जीआरपी भवन, पेयजल व्यवस्था और सर्कुलेटिंग एरिया का बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्टेशन परिसर में बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने, भवन के आसपास उगी घास-फूस हटाने और जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। साथ ही स्टेशन परिसर में आवागमन के रास्तों पर बह रहे पानी की समस्या दूर करने तथा जगह-जगह क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराने को कहा। उन्होंने निर्माणाधीन स्टेशन भवन का कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा करने पर भी विशेष जोर दिया। इस दौरान डीआरएम ज्योति प्रकाश मिश्रा ने कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग अपने घर लौटते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेनों तक रेल पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गई है। पुलिस की विशेष टीमें दिन-रात ट्रेनों में गश्त कर रही हैं, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यात्रियों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सीनियर डीओएम विजय प्रकाश, सीनियर डीसीएम अमरीतेश कुमार, सीनियर डीईएन कॉर्डिनेशन संजय कुमार, सीनियर डीईएन-2 एसके प्रसाद, एईएन एसएन प्रसाद, आईओडब्ल्यू संजय कुमार, पीडब्ल्यूआई के झा, आरपीएफ कमांडेंट आशीष कुमार, स्टेशन अधीक्षक आलोक कुमार, एसएन वेद प्रकाश, सीएस सुषमा देवी और रेल थानाध्यक्ष वीके झा सहित अन्य रेलकर्मी मौजूद रहे।

छठ व्रतियों के बीच कांटी विधायक अजीत कुमार ने बांटी पूजन सामग्री व साड़ी



नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/मुज़फ़्फ़रपुर।लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर कांटी विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने बुधवार को शहर के बीबीगंज स्थित अपने आवास पर कांटी विधानसभा क्षेत्र की सैकड़ों आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के बीच गेहूं, चावल एवं साड़ी का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने छठ व्रतियों को पर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा कि छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक पहचान और जन-जन की गहरी आस्था से जुड़ा है। वे प्रत्येक वर्ष अपनी ओर से जरूरतमंद छठ व्रती महिलाओं के बीच पूजन सामग्री एवं साड़ी का वितरण करते हैं, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाएं भी श्रद्धा और सम्मान के साथ पर्व मना सकें। जरूरतमंदों की सेवा करना उनका सामाजिक दायित्व है। उन्होंने बताया कि छठ के मद्देनजर कांटी विधानसभा क्षेत्र के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। इस संबंध में कांटी एवं मड़वन के बीडीओ-सीओ तथा नगर परिषद कांटी के कार्यपालक पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। विधायक ने अधिकारियों को सभी छठ घाटों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पहुंच पथ और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि छठ सामाजिक एकता, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। इसे शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

समस्तीपुर: बिथान पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्या के प्रयास मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार



नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।जिले के बिथान थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, बिथान थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में की गई छापामारी के दौरान यह सफलता हाथ लगी है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बिथान थाना क्षेत्र के खेराकार्ट कोई निवासी स्वर्गीय सत्य नारायण यादव के पुत्र संतोष कुमार यादव के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी बिथान थाना कांड संख्या 181/26 के तहत हत्या के प्रयास के मामले में वांछित था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बीएलबीसी की बैठक में सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा



नई सोच एक्सप्रेस

बिहटा। प्रखंड कार्यालय, बिहटा में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय बैंकर्स कमेटी (बीएलबीसी) की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवजन्म राम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक, पटना अभिषेक कुमार सहित विभिन्न बैंकों के पदाधिकारी एवं शाखा प्रबंधक शामिल हुए। बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), ऋण वितरण, आवास योजना, लघु एवं कुटीर उद्योग, पेंशन तथा जीविका से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। पात्र लाभुकों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने और लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करने पर जोर दिया गया। साथ ही 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक संचालित वित्तीय समावेशन अभियान के तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जनधन खाता, री-केवाईसी एवं केसीसी नामांकन को बढ़ावा देने के लिए बैंक स्तर पर जागरूकता शिविर आयोजित करने पर चर्चा हुई। डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव एवं लावारिस वित्तीय संपत्तियों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर जीविका सीसी अर्चना सिंह एवं एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज, पटना के अंतर्गत फुलवारी सीएफएल के क्षेत्र समन्वयक बबलु कुमार सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा विधानसभा में गूंजे अक्षय कुमार झा के तर्क, श्रेष्ठ वक्ता के रूप में सम्मानित

» 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विपक्ष की ओर से रखे विचार, विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने किया सम्मानित



दरभंगा। हरियाणा विधानसभा, चंडीगढ़ में राजधानी युवा संसद की ओर से आयोजित 'हरियाणा युवा संवाद 4.0' में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के एनएसएस स्वयंसेवक अक्षय कुमार झा ने अपने तर्कपूर्ण विचारों से सबका ध्यान आकर्षित किया। मनीगाछी प्रखंड के राजे गांव निवासी अक्षय ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विपक्ष की ओर से अपनी बात रखते हुए महिला आरक्षण के व्यावहारिक पहलुओं और इसके संभावित प्रभावों पर सवाल उठाए। उनके विचारों की सराहना करते हुए उन्हें श्रेष्ठ वक्ताओं में शामिल कर सम्मानित किया गया। अक्षय ने अपने संबोधन में महिला आरक्षण के साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि आरक्षण का लाभ प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों तक सीमित रह सकता है। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने अक्षय को वक्ता सम्मान प्रदान किया। इससे पूर्व अक्षय बिहार और राजस्थान विधानसभा में भी युवा संसद के मंच से अपनी बात रख चुके हैं। उनकी उपलब्धि पर विश्वविद्यालय एवं मिथिला क्षेत्र में हर्ष है। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आरएन चौरसिया सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है।

मौलाना अबुल कलाम आजाद के शैक्षिक योगदान को देश हमेशा याद रखेगा : डॉ. सुरेंद्र कुमार

» राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुर बघौनी में कार्यक्रम आयोजित, शिक्षा के महत्व पर वक्ताओं ने रखे विचार



समस्तीपुर/ताजपुर।प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुर बघौनी में देश के प्रथम शिक्षा मंत्री भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने मौलाना आजाद के शैक्षिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा के विकास तथा सभी के लिए शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके विचार आज भी देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वरीय शिक्षक सरफराज फाजिलपुरी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में ज्ञान, संस्कार और आत्मविश्वास का संचार करती है। शिक्षित समाज ही एक मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षकों को भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार, सरफराज फाजिलपुरी, मोबश्शीर हुसैन, डॉ. बिस्मिल आरिफी, इंजीनियर अतहर हुसैन, तारिक अख्तर, मो. परवेज और सगीर अहमद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

समस्तीपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः खानपुर थाना क्षेत्र के गुदार घाट से 191 लीटर विदेशी शराब बरामद



समस्तीपुर। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने के लिए समस्तीपुर पुलिस द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खानपुर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के ग्राम गुदार घाट में अवैध रूप से भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप छिपाकर रखी गई है। इस सूचना के सत्यापन के बाद खानपुर थाना पुलिस की एक विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुदार घाट स्थित चिन्हित ठिकाने पर छापामारी की। छापामारी के दौरान पुलिस ने मौके से कुल 191 लीटर विदेशी शराब बरामद कर जब्त कर ली। इस बड़ी बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले में सख्त कानूनी रुख अपनाते हुए खानपुर थाना कांड संख्या 259/2026 दर्ज किया है।पुलिस द्वारा यह मामला बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद (संशोधित) अधिनियम 2022 की धारा 30(ए) के तहत पंजीकृत किया गया है। फिलहाल पुलिस शराब तस्करी के इस नेटवर्क में शामिल धंधेबाजों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए आगे की विधि सम्मत कार्रवाई में जुटी हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

सुगौली में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ हुई भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना, कलम-दवात की भी हुई पूजा



मोतिहारी। सुगौली प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को चित्रांश परिवार की ओर से यम द्वितीया के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ की गई। इस अवसर पर चित्रांश परिवार के लोगों ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान चित्रगुप्त की पूजा की। साथ ही ज्ञान, लेखन और कर्म के प्रतीक कलम-दवात की भी विशेष रूप से पूजा-अर्चना की गई। मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त सभी जीवों के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखते हैं। इस अवसर पर चित्रांश परिवार के लोगों ने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं, चित्रांश परिवार के सदस्यों ने अपने-अपने घरों में भी भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना कर परंपरा और आस्था के इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

औरंगाबाद में श्रद्धा और उल्लास के साथ हुई भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना

नई सोच एक्सप्रेस



» कायस्थ समाज के साथ सभी वर्गों के लोगों ने लिया हिस्सा, जिलेभर में आयोजित हुए पूजा समारोह; 12 नवंबर को होगा प्रतिमा विसर्जन

औरंगाबाद।लेखनी, ज्ञान और बुद्धि के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा बुधवार को औरंगाबाद जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ की गई। शहर के कर्मा रोड स्थित चित्रगुप्त सभागार सह लोकनायक जयप्रकाश नारायण सांस्कृतिक भवन में ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) की जिला इकाई की ओर से चित्रगुप्त पूजा महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें कायस्थ समाज के साथ अन्य वर्गों के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूजा की शुरुआत सुबह 11 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान चित्रगुप्त के समक्ष अपने वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। धार्मिक परंपरा के अनुसार कलम, दवात और बही-खातों की भी पूजा की गई। इस अवसर पर विधायक सह भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष त्रिविक्रम नारायण सिंह ने भी चित्रगुप्त सभागार पहुंचकर भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। जीकेसी के अध्यक्ष कमल किशोर ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त केवल कायस्थ समाज ही नहीं, बल्कि हर पढ़ने-लिखने वाले व्यक्ति के आराध्य देव हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया यानी यम द्वितीया को भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्य हुआ था। उन्हें यमराज का सहायक माना जाता है, जो समस्त जीवों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। उनकी आराधना से ज्ञान, बुद्धि, साहस और विवेक की प्राप्ति होती है। महोत्सव के आयोजन में जीकेसी के अजय श्रीवास्तव, अजय वर्मा, इंजीनियर बीके श्रीवास्तव, डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, डॉ. शीला वर्मा, श्रीराम अम्बष्ट, महेंद्र प्रसाद, मधुसूदन प्रसाद सिन्हा, राजू रंजन सिन्हा, राजेश सिन्हा, सूर्यकांत, दीपक बलजोरी, सुनील सिन्हा, गणेश प्रसाद उर्फ लालबाबू, अमित कुमार, संजय सिन्हा और अभय सिन्हा सहित अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दाउदनगर और बिराटपुर में भी हुए आयोजन जिले के अन्य क्षेत्रों में भी भगवान चित्रगुप्त की पूजा धूमधाम से की गई। दाउदनगर में चित्रांश एकता संघ की ओर से भव्य पूजा समारोह आयोजित हुआ। वहीं, औरंगाबाद शहर के बिराटपुर मोहल्ला स्थित चित्रगुप्त मंदिर में अजय कुमार संतोष की अध्यक्षता में पूजा-अर्चना की गई। चित्रगुप्त नगर में स्थापित भगवान की प्रतिमा के समक्ष भी श्रद्धालुओं ने पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त कलम-दवात के माध्यम से सभी जीवों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर कलम और बही-खातों की आराधना का विशेष महत्व है। श्रद्धालु इस पूजा के माध्यम से विद्या, बुद्धि, विवेक और लेखन क्षमता के साथ जीवन एवं व्यापार में उन्नति की कामना करते हैं। पूजा महोत्सव के तहत 12 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

उत्सवी माहौल में संपन्न हुई भगवान चित्रगुप्त की पूजा



नई सोच एक्सप्रेस

जमुई (निस)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की जमुई जिला इकाई की ओर से बुधवार को महिसौड़ी स्थित सुरेश पुरम सर्वदेव दिव्य धाम के आदि चित्रगुप्त मंदिर में भगवान चित्रगुप्त की पूजा उत्सवी माहौल में संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे कायस्थ समाज के लोगों ने विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अपने कुलदेवता की पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद प्रसाद वितरण और सामूहिक सहभोज का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। महासभा के जिला महासचिव डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त समस्त प्राणियों के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले देवता हैं। कायस्थ समाज कार्तिक मास के यम द्वितीया को परंपरागत रूप से उनकी पूजा करता आ रहा है। प्रदेश सचिव अभिषेक सिन्हा ने कहा कि आदि चित्रगुप्त मंदिर में आयोजित पूजनोत्सव समाज के लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। मौके पर जिलाध्यक्ष अविनाश सिन्हा, कोषाध्यक्ष राजीव कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव राकेश कुमार रंजन, विपिन कुमार सिन्हा, भूपेंद्र सिन्हा, डॉ. अंजनी कुमार सिन्हा, प्रवीण सिन्हा, उमाशंकर सिन्हा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। वहीं, नगर परिषद क्षेत्र के शास्त्री कॉलोनी, सिरचन नवादा और खैरमा में भी भगवान चित्रगुप्त की पूजा धूमधाम से मनाई गई।

विकास से ज्यादा दिल जीते थे DM कंवल तनुज, अब बिहार के वित्त विभाग में मिली अहम जिम्मेदारी

नई सोच एक्सप्रेस



औरंगाबाद।औरंगाबाद के पूर्व जिलाधिकारी और 2010 बैच के आईएएस अधिकारी कंवल तनुज को बिहार सरकार ने वित्त विभाग में सचिव (व्यय) की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी इस नियुक्ति पर औरंगाबाद में खुशी की लहर है। इस अवसर पर शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि कंवल तनुज का कार्यकाल औरंगाबाद में हमेशा याद रखा जाएगा। उनका कार्यकाल सिर्फ विकास कार्यों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने सामाजिक बदलाव की कई मिसालें पेश की। रफीगंज की घटना का जिक्र करते हुए सल्लू खान ने कहा कि एक विधवा महिला के हाथ से बना भोजन सामाजिक भेदभाव के कारण ग्रामीणों ने खाने से मना कर दिया था। सूचना मिलते ही तत्कालीन डीएम कंवल तनुज खुद गांव पहुंचे, महिला के हाथ का बना भोजन खाया और ग्रामीणों को भी साथ बैठाकर खिलाया। उनके इस कदम ने समाज को समानता और मानवता का बड़ा संदेश दिया। मकर संक्रांति जैसे पर्वों पर वे नदी किनारे बसे टोलों में जाकर आम लोगों के साथ एक ही पंगत में बैठकर भोजन करते थे। रमेश चौक का सुंदरीकरण और गांधी मैदान का सौंदर्यीकरण जैसे कार्य उनके कार्यकाल की पहचान बने। शाहनवाज रहमान ने कहा कि वित्त विभाग में उनकी नई नियुक्ति उनके प्रशासनिक सफर का नया अध्याय है, औरंगाबाद के लोग उनके कार्यों को लंबे समय तक याद रखेंगे। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है। जिनमें वार्ड पार्षद सिकंदर हयात, मो. जुल्फेकार, राहुल कुमार, बीरेंद्र कुमार, मो इमरोज आलम, बालेश्वर कुमार, मो अनवर, जमीरउद्दीन खान राहुल कुमार प्रकाश कुमार रोशन कुमार कुलेश्वर सिंह मो परवेज, निजामुद्दीन खान अमान खान नईमुद्दीन मो भल्लू, वीरेंद्र कुमारआदि शामिल हैं।

छठ व्रतियों की पूजा में सहयोगी बना इनर व्हील क्लब ऑफ सारण

नई सोच एक्सप्रेस



छपरा।लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ सारण की ओर से सेवा और सहयोग की मिसाल पेश की गई। क्लब की अध्यक्ष अंकिता कुमारी के नेतृत्व में आयोजित सेवा कार्यक्रम के तहत 12 छठ व्रतियों के बीच पूजन एवं श्रृंगार सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान व्रतियों को श्रृंगार का सामान, नारियल, सूप और साड़ी के साथ आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। क्लब की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई। सामग्री पाकर व्रतियों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष अंकिता कुमारी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता, समर्पण और लोक संस्कृति का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर जरूरतमंद व्रतियों की सहायता करना और उनकी पूजा की तैयारियों में सहयोग देना क्लब के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि इनर व्हील क्लब ऑफ सारण सेवा, मित्रता और सामाजिक सरोकारों के प्रति सदैव समर्पित है। क्लब का प्रयास है कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में खुशियां लाई जाएं और समाज में सहयोग एवं मानवता की भावना को मजबूत किया जाए।

गिद्धौर में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई दूज

नई सोच एक्सप्रेस



» बहनों ने गोधन कूट भाइयों की लंबी उम्र की कामना की
» मंगलगीतों से गूंजा ग्रामीण इलाका
» आठों पंचायतों में निभाई गई सदियों पुरानी लोक परंपरा

गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक पर्व भाई दूज पारंपरिक हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीण इलाकों में गोधन कूटने की परंपरा निभाई गई। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने भाइयों की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। भाई दूज के अवसर पर सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां शुरू हो गई थीं। बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार गोधन की पूजा की और उसे कूटकर अपने भाइयों के प्रति प्रेम एवं मंगलकामना प्रकट की। इस दौरान महिलाओं और युवतियों ने सामूहिक रूप से पारंपरिक मंगलगीत गाए। लोकगीतों की मधुर धुन से गांवों का माहौल भक्तिमय और उत्सवी बना रहा। भाई दूज के मौके पर गोधन कूटने के दौरान गाए जाने वाले पारंपरिक लोकगीत इस पर्व का विशेष आकर्षण रहे। बहनों ने समूह में 'कूटब भैया के दुश्मन, आठों पहर दिन रात...' जैसे पारंपरिक मंगलगीत गाकर लोक संस्कृति की समृद्ध विरासत को जीवंत किया। इन गीतों के माध्यम से बहनों ने अपने भाइयों के जीवन से संकट और बाधाएं दूर होने तथा उनके दीर्घायु होने की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाई दूज का संबंध भगवान सूर्य के पुत्र यमराज और उनकी बहन यमुना से जुड़ा है। मान्यता है कि इस दिन यमुना ने अपने भाई यमराज का आतिथ्य सत्कार किया था। इससे प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान दिया कि इस दिन जो भाई अपनी बहन के घर जाकर आतिथ्य स्वीकार करेगा और बहन से तिलक करवाएगा, उसे सुख-समृद्धि और दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होगा। इसी मान्यता के कारण इस पर्व को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। गिद्धौर प्रखंड के सभी आठ पंचायतों में भाई दूज का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और युवतियों ने उत्साहपूर्वक पूजा-अर्चना और गोधन कूटने की रस्म पूरी की। पर्व के माध्यम से एक बार फिर भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास, त्याग और पारिवारिक एकजुटता का संदेश देखने को मिला। आधुनिकता के दौर में भी गिद्धौर के ग्रामीण अंचलों में भाई दूज की पारंपरिक रस्मों और लोकगीतों का प्रचलन स्थानीय संस्कृति एवं लोक विरासत की निरंतरता को दर्शाता है। यह पर्व न केवल भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करता है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी पारंपरिक मान्यताओं और सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का भी काम करता है।

छठ महापर्व को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण



नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए आज अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने खानपुर प्रखंड तथा वारिसनगर प्रखंडअंतर्गत मोहिउद्दीनपुर छठ घाट शेखपुर छठ घाट वारिसनगर खानपुर में खैरी छठ घाट एवं रंजीतपुर छठ घाट का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, श्रद्धालुओं के आवागमन एवं भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर खानपुर अंचल अधिकारी एवं वारिसनगर उपस्थित रहे।अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने तथा सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण का उद्देश्य पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और भव्य ढंग से संपन्न कराना है।

सिरचंद नवादा में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनी चित्रगुप्त पूजा

नई सोच एक्सप्रेस



» प्रतिमा स्थापित कर की गई पूजा-अर्चना
» चित्रगुप्त पूजा समिति के तत्वावधान में हुआ आयोजन
» कायस्थ समाज के लोगों ने भगवान चित्रगुप्त से सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

जमुई।शहर के मुख्यालय स्थित सिरचंद नवादा में बुधवार को चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धार्मिक आयोजन किया गया। चित्रगुप्त पूजा समिति के तत्वावधान में भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान कायस्थ समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से भगवान चित्रगुप्त की आराधना की और परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, उन्नति तथा खुशहाली की कामना की। पूजा को लेकर सुबह से ही आयोजन स्थल पर उत्सवी माहौल बना रहा। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। समाज के लोगों ने भगवान चित्रगुप्त के समक्ष माथा टेककर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक आयोजन में समाज के लोगों की सहभागिता से आपसी एकजुटता और सामाजिक सद्भाव का भी संदेश देखने को मिला। चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर कायस्थ समाज के लोगों ने अपनी पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं के प्रति आस्था प्रकट की। आयोजन के माध्यम से सामाजिक मेल-मिलाप और सामूहिक सहभागिता को भी बढ़ावा मिला। समिति के सदस्यों ने पूजा की व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर चित्रगुप्त पूजा समिति के सचिव नीरज कुमार, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार, सहायक कोषाध्यक्ष संजय कुमार, संरक्षक विजय कुमार सिन्हा सहित सदस्य अमरेंद्र कुमार, राजीव कुमार, सुशील कुमार, प्रवीण कुमार, प्रभात कुमार, सत्यम सिन्हा, गोलू सिन्हा, साहिल, कौशल कुमार और सुड्डू समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।

समस्तीपुरः छठ पर्व को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने रेलवे जंक्शन का किया निरीक्षण, विधि-व्यवस्था पर दिया जोर

नई सोच एक्सप्रेस



समस्तीपुर।आगामी छठ पर्व के दृष्टिगत यात्रियों की भारी भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) राकेश कुमार ने आज समस्तीपुर रेलवे जंक्शन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जंक्शन पर विधि-व्यवस्था, साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान एसडीओ कुमार ने रेलवे अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर छठ पर्व के दौरान उम्मीदवार यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ पर्व के दौरान रेलवे जंक्शन पर यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि होती है, जिसे देखते हुए भीड़ प्रबंधन, टिकटिंग व्यवस्था, प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा और साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने रेलवे प्रशासन को निर्देश दिया कि जंक्शन के सभी प्लेटफॉर्मों पर पेयजल, शौचालय और अन्य यात्री सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। एसडीओ ने स्थानीय प्रशासन और रेलवे पुलिस को आपसी समन्वय बनाकर काम करने का निर्देश दिया, ताकि छठ पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो और यात्रियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है और पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रशासन के पदाधिकारी और संबंधित विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

चित्रगुप्त मंदिर परिसर में श्री चित्रगुप्त बैंक्वेट हॉल का उद्घाटन, चित्रांश परिवार को मिलेगी निःशुल्क सुविधा



बेतिया। सोवा बाबू चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर में चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर श्री चित्रगुप्त बैंक्वेट हॉल का भव्य उद्घाटन किया गया। इसका उद्घाटन विधायक रेणु देवी, सांसद डॉ. संजय जायसवाल एवं चित्रगुप्त मंदिर के सचिव राकेश शरण उर्फ पुन्नू भैया ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में चित्रांश परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। बैंक्वेट हॉल का निर्माण चित्रांश परिवार की सामाजिक एवं पारिवारिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इसकी सबसे खास बात यह है कि चित्रांश परिवार के लोग अपने छोटे-मोटे पारिवारिक आयोजनों जैसे छेका, जन्मदिन समारोह सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन यहां बिल्कुल निःशुल्क कर सकेंगे। यह सुविधा चित्रांश परिवार के लिए एक बड़ी सौगात मानी जा रही है। इससे समाज के लोगों को पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन में काफी सहूलियत मिलेगी।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने गुम मोबाइल वास्तविक धारक को सौंपा

नालंदा, बिहारशरीफ ।नालंदा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत हरनौत थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो गुम हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उसके वास्तविक धारक को आज बृहस्पतिवार को सौंप दिया है। हरनौत थाना प्रभारी ने बताया कि मोबाइल गुम होने की सूचना मिलने के बाद हरनौत थाना पुलिस ने तकनीकी प्रयास एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए मोबाइल को बरामद किया है । इसके बाद सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर मोबाइल उसके वास्तविक धारक को सौंप दिया गया है।पुलिस की इस पहल से लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ने के साथ ही गुम हुए सामान की बरामदगी को लेकर उम्मीद भी मजबूत हुई है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत लगातार गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें साइबर सेल द्वारा सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर(सीआईईआर) पोर्टल ,लोकेशन ट्रैकिंग सहित तकनीकी निगरानी की मदद से ट्रेस कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपा जा रहा है ।

महाकाल मंदिर में विधि-विधान से हुई भगवान चित्रगुप्त की वार्षिक पूजा-अर्चना

किशनगंज। शहर के रुईधाशा स्थित महाकाल मंदिर में भगवान चित्रगुप्त की वार्षिक पूजा-अर्चना पारंपरिक श्रद्धा, भक्ति और पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। भक्तों की भारी मौजूदगी से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय और आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर रहा। पूजा के दौरान भगवान चित्रगुप्त के समक्ष कलम, दवात और बही-खातों की विशेष पूजा की गई। मान्यता के अनुसार भगवान चित्रगुप्त समस्त प्राणियों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं ने लेखनी और दवात को भगवान के चरणों में अर्पित कर विधिवत पूजन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने विद्या, बुद्धि, व्यापार में उन्नति तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा के सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और घंटियों की गूंज से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। पूजा के उपरांत दोपहर में भगवान चित्रगुप्त की भव्य महाआरती आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय नागरिकों, महिलाओं और गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने आपसी सौहार्द और पारंपरिक आस्था का संदेश दिया।

लोक शिकायत निवारण को लेकर 14 मामलों की हुई सुनवाई

नालंदा।आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निवारण को लेकर जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में जिलाधिकारी, नालंदा के निर्देशानुसार गुरुवार को अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), नालंदा द्वारा बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त कुल 14 मामलों की सुनवाई की गई।सुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना तथा शिकायतकर्ताओं को पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था उपलब्ध कराना था।सुनवाई के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र खोलने, सार्वजनिक कार्यों के निष्पादन में हुई अनियमितताओं एवं अतिक्रमण से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श किया गया। इन मामलों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए उनका निष्पादन किया गया।वहीं, पाइपलाइन लीकेज, विद्यालय की भूमि की घेराबंदी कराने, वाद लंबित रहने के बावजूद संपत्ति होल्डिंग संख्या-62, वार्ड संख्या-38 में किए गए म्यूटेशन में त्रुटि सुधार तथा पूर्व में की गई जांच की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने से संबंधित मामलों की भी सुनवाई हुई।

छठ घाटों के निरीक्षण में गायब मिले अधिकारी-कर्मी, डीएम ने रोका वेतन

नई सोच एक्सप्रेस

सीवान। छठ महापर्व को लेकर घाटों की साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर जिला प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार को विभिन्न छठ घाटों के निरीक्षण के दौरान कई प्रतिनियुक्त अधिकारी और कर्मचारी अपने निर्धारित स्थल से गायब मिले। वहीं, कुछ कर्मियों द्वारा जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी लापरवाही बरती जा रही थी। इसे गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा ने संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया है।जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जताते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। सहायक निदेशक, दिव्यांगजन



कोषांग रूपेश कुमार निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले। उनसे स्पष्टीकरण मांगते हुए अगले आदेश तक निरीक्षण वाले दिन का वेतन स्थगित रखने का निर्देश दिया गया है। वहीं, नगर परिषद सीवान के सिटी मैनेजर बलेश्वर राय के खिलाफ भी अनधिकृत अनुपस्थिति को लेकर स्पष्टीकरण जारी करते हुए वेतन स्थगित करने की कार्रवाई की गई है।नगर परिषद के चार अन्य कर्मियों से भी जवाब-तलब किया गया है। इनमें कमीशन कर संग्रहकर्ता बिपिन कुमार और अनिल कुमार, दैनिक पारिश्रमिक कर्मी सरफराज अली तथा वार्ड जमादार प्रिंस कुमार शामिल हैं। इन सभी से पूछा गया है कि निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित रहने और अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण क्यों नहीं उनका अनुबंध रद्द कर दिया जाए। घाटों की विशेष साफ-सफाई के लिए पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त सफाई कर्मी उपलब्ध नहीं कराने पर नगर परिषद ने तीन आउटसोर्सिंग एजेंसियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें किंग सिक्योरिटी गार्ड्स सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, सर्जिकल सिक्योरिटी एंड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड तथा टेक्नो फैसिलिटी एंड मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। तीनों एजेंसियों को तत्काल पर्याप्त सफाई कर्मी उपलब्ध कराने और निर्धारित समय-सीमा में प्रमुख छठ घाटों की विशेष साफ-सफाई पूरी कराने का निर्देश दिया गया है। निर्देशों का पालन नहीं होने पर एजेंसियों के मासिक विपत्र से राशि काटने की चेतावनी दी गई है। साथ ही, संविदा की शर्तों के तहत अनुबंध रद्द करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि छठ महापर्व जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर घाटों की स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित पदाधिकारियों, कर्मियों और सेवा प्रदाता एजेंसियों को पूरी निष्ठा और जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि पर्व के दौरान व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पांच साल के समसाद के दिल को मिलेगी नई जिंदगी, होगी ओपन हार्ट सर्जरी

नई सोच एक्सप्रेस

किशनगंज। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत किशनगंज जिले के एक और बच्चे को गंभीर बीमारी से उबरने की उम्मीद मिली है। कोचाधामन प्रखंड के पटकोई कला निवासी पांच वर्षीय समसाद आलम को जन्मजात हृदय रोग के उपचार के लिए बुधवार को पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) भेजा गया। बच्चे की ओपन हार्ट सर्जरी 12 नवंबर को निर्धारित है। स्वास्थ्य विभाग की पहल से बच्चे को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। समसाद, आफताब आलम का पुत्र है। जन्मजात हृदय रोग की जानकारी मिलने के बाद परिवार उसकी चिकित्सा को लेकर चिंतित था। महंगे ऑपरेशन का खर्च उठाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती थी। ऐसे में आरबीएसके के माध्यम से उपचार की सुविधा मिलने से परिजनों को काफी राहत मिली है। समसाद के पिता आफताब आलम ने कहा कि बेटे की बीमारी का पता चलने के बाद से पूरा परिवार परेशान था। ऑपरेशन के खर्च की चिंता सता रही थी। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि निजी स्तर पर इतना महंगा इलाज करा सकें। सरकारी स्वास्थ्य विभाग की मदद से बड़े अस्पताल में उपचार का अवसर मिला है। अब परिवार को बेटे के सफल ऑपरेशन और स्वस्थ होकर घर लौटने की उम्मीद है।जिला स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, आरबीएसके के माध्यम से अब तक किशनगंज जिले के 34 बच्चों की हृदय संबंधी सर्जरी कराई जा चुकी है। कार्यक्रम के तहत बच्चों में जन्मजात बीमारियों की पहचान कर उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाता है। जिलाधिकारी नवीन कुमार ने कहा कि आर्थिक कठिनाई या दूरी किसी बच्चे के उपचार में बाधा नहीं बननी चाहिए। वहीं सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जरूरतमंद बच्चों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। समसाद का उपचार इसी सरकारी पहल का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

नालंदा में शराब से भरा ट्रक जप्त , एक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

नालंदा। उत्पाद विभाग की टीम ने राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो पटना के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए गुरुवार को एक ट्रक पर



लोड 3200 लीटर अंग्रेजी शराब की खेप बरामद किया। मौके से चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। शराब भूसा के बोरो के नीचे छिपाई गई थी। छापेमारी डीटीओ कार्यालय के समीप एनएच-20 पर की गई। खेप झारखंड से बिहारशरीफ के रास्ते पटना ले जाई जा रही थी। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 50 लाख से अधिक बताई जा रही है। गिरफ्तार चालक हरियाणा निवासी पवन कुमार है। उत्पाद अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने बताया कि मद्य निषेध व राज्य स्वापक की सूचना पर संयुक्त छापेमारी की गई। मिनी ट्रक की जांच करने पर उसमें 40 बोरा भूसा लोड मिला। भूसा की बोरी हटाने पर उसके नीचे शराब का कार्टन था। कुल 395 कार्टन शराब बरामद करते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार चालक से पूछताछ के आधार पर अग्रेतर कार्रवाई जारी है। छापेमारी टीम में बिहारशरीफ उत्पाद थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर नीतीश कुमार समेत अन्य पदाधिकारी व सुरक्षा कर्मी शामिल थे।

पेंशनरों की छह सूत्री मांगों को लेकर सरकार के प्रति जताई नाराजगी, 27 दिसंबर को मनेगा पेंशनर दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। बिहार पेंशनर समाज जिला शाखा की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ भवन, गजना चौक में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला सभापति सत्यनारायण चौधरी ने की। इसमें पेंशनरों की वर्षों से लंबित मूलभूत एवं संवैधानिक छह सूत्री मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। मांगों की पूर्ति नहीं होने पर सदस्यों ने सरकार के प्रति नाराजगी और असंतोष व्यक्त किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला सभापति सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि पेंशनरों की जायज मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुरूप नई पेंशन नीति को समाप्त कर पूर्व की भांति पुरानी पेंशन योजना लागू करने, कोरोना काल में रोकी गई महंगाई भत्ता (डीए) की तीन किस्तों का एकमुश्त भुगतान



करने तथा रेल, बस एवं हवाई यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली 50 प्रतिशत किराया छूट तत्काल बहाल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 80 वर्ष की उम्र पूरी होने पर मूल पेंशन में 20 प्रतिशत की वृद्धि की व्यवस्था के स्थान पर प्रत्येक वर्ष एक प्रतिशत की वृद्धि की नीति लागू की जानी चाहिए। साथ ही पेंशनरों को आयुष्मान कार्ड देने के लिए निर्धारित 70 वर्ष की आयु सीमा घटाकर वरिष्ठ नागरिकों की निर्धारित उम्र 60 वर्ष की जानी चाहिए। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी सरकार पर पेंशनर, कर्मचारी एवं पदाधिकारी विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। सदस्यों ने मुख्यमंत्री की ओर से संपन्न लोगों से 125 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा छोड़ने की अपील की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री एवं मंत्री पहले अपने मोबाइल रिचार्ज पर सरकारी खजाने से मिलने वाली राशि, बढ़े हुए वेतन-भत्ते और अन्य पेंशन संबंधी सुविधाओं को छोड़ने की घोषणा करें। सदस्यों ने 23 सितंबर को कैबिनेट में 70 हजार रुपये मासिक वेतन-भत्ता बढ़ाए जाने का भी उल्लेख किया।

पेंशनर दिवस मनाने का निर्णय:बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 27 दिसंबर को जिला स्तर पर पेंशनर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। जिला सचिव माधव प्रसाद सिंह ने अन्य जिलों की तर्ज पर सुपौल में पेंशनर समाज के कार्यालय भवन के लिए भूखंड अथवा खाली पड़े सरकारी भवन का आवंटन कराने को लेकर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी सदन को दी।

24 नवंबर को आयोजित होने वाले सुशासन दिवस नीतीश संवाद को लेकर जदयू ने की बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। आगामी 24 नवंबर को आयोजित होने वाले सुशासन दिवस नीतीश संवाद कार्यक्रम की सफलता को लेकर बुधवार को सुपौल जिला जनता दल (यू) की ओर से कर्पूरी सभागार में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहार सरकार की भवन निर्माण मंत्री श्रीमती लेसी सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इस दौरान कार्यक्रम की तैयारी, संगठन की सक्रियता और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विकास पुरुष नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में राज्य के विकास के लिए जो कार्य किए हैं, उसे बिहार की जनता कभी भुला नहीं सकती। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार के विकास की समग्र धारा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का काम



किया है। उनके नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में हुए कार्य आज भी बिहार के करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव के रूप में दिखाई दे रहे हैं। सांसद सह जदयू संसदीय दल के नेता दिलेश्वर कामैत ने कहा कि बिहार के विकास पुरुष नीतीश कुमार के अलावा कोई दूसरा नहीं हो सकता। उनके नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। आगामी 24 नवंबर को आयोजित नीतीश संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद यादव ने की। इस अवसर पर उन्होंने मंत्री लेसी सिंह को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। बैठक में निर्मली विधायक अनिरुद्ध प्रसाद यादव, पिपरा विधायक रामविलास कामत, त्रिवेणीगंज विधायक सोनम रानी सरदार, हारून रशीद, लखन ठाकुर सहित सैकड़ों जदयू कार्यकर्ता मौजूद थे।

नवम्बर क्रांति पर एसयूसीआइ ने कार्यालय पर किया झंडोतोलन

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/ मुज़फ़्फ़रपुर।महान नवंबर क्रांति के अवसर पर कांटी स्थित एस यू सी आई (कम्युनिस्ट) कार्यालय पर झंडोतोलन किया गया और सर्वहारा वर्ग के महान नेता कॉमरेड लेनिन और स्टालिन के तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया गया। साथ ही महान नवंबर क्रांति के बैज को पार्टी नेता, कार्यकर्ता ,हमदर्दऔर समर्थकों ने धारण किया। झंडोतोलन के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पार्टी के राज्य कमिटी सदस्य कॉमरेड लाल बाबू महतो ने कहा कि सर्वप्रथम 1917 में महान लेनिन ने सोवियत रूस की जनता को मार्क्सवाद लेनिनवाद से लैस कर सर्वप्रथम पूंजीपति वर्ग और सामंतों को उखाड़ कर समाजवाद को स्थापित किया। महज कुछ ही वर्षों में यूरोप का मरीज कहे जाने वाला देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली ,महिला



उत्पीड़न, जैसे तमाम शोषण और उत्पीड़न को खत्म किया और आम जनता को दिखाया कि साम्राज्यवाद और पूंजीवाद का अंत संभव हैऔर कमेरा वर्ग राज सत्ता चला सकता है। भारत में भी भी समता मूलक समाज के निर्माण के लिए नवंबर क्रांति से सीख लेकर क्रांति करने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कमिटी सदस्य सह मड़वन लोकल कमिटी पश्चिमी के सचिव तारकेश्वर गिरी ने किया तथा मंच संचालन लाल बाबू राय ने किया। इस कार्यक्रम में पार्टी के राज्य कमिटी सदस्य अर्जुन कुमार भी मौजूद थे।कार्यक्रम को जय मंगल पंडित, नरेश राम ,राजकुमार राम, भोला दास, लक्ष्मण सहनी, इंदु देवी, राधा देवी, अंजली देवी, सरीता देवी,शिवबालक कुमार, उमाकांत कुमार सहित दर्जनों लोगों ने संबोधित किया।

जीएसटी टीम की दबिश से बाजार में हड़कंप, कारोबारी के गोदामों से दो ऑटो सामान जब्त

नई सोच एक्सप्रेस

» पटना से पहुंची अधिकारियों की टीम ने शंभू अग्रवाल के प्रतिष्ठानों पर की घंटों जांच, बिल-बही से लेकर स्टॉक और आईटीसी दावों का किया सत्यापन

बगहा। शहर के थोक कारोबारी शंभू अग्रवाल के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और गोदामों पर मंगलवार को जीएसटी विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। दोपहर में शुरू हुई जांच देर शाम तक चलती रही। विभाग की अचानक हुई कार्रवाई से कारोबारियों के बीच चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। टीम ने प्रतिष्ठानों में उपलब्ध स्टॉक, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और जीएसटी से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच की। पटना से पहुंची विभागीय टीम ने वाणिज्य कर संयुक्त आयुक्त बगहा सूर्यनारायण पासवान समेत अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई की। इस दौरान कारोबारी के बही-खाते, जीएसटी रिटर्न,



टैक्स भुगतान और वित्तीय लेन-देन से संबंधित दस्तावेज खंगाले गए। अधिकारियों ने खरीद-बिक्री के बिल, चालान और ई-वे बिल का मिलान भी किया। **ऑनलाइन रिकॉर्ड से मिलाया गोदाम का स्टॉक:**जांच के दौरान अधिकारियों ने गोदामों में रखे सामान का भौतिक सत्यापन किया। वास्तविक स्टॉक का ऑनलाइन दर्ज आंकड़ों से मिलान किया गया। इसके अलावा इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दावों की जांच के लिए जीएसटी रिटर्न और टैक्स भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड भी देखे गए। कंप्यूटर में सुरक्षित डिजिटल कारोबारी आंकड़ों की भी पड़ताल की गई। **दो ऑटो पर लदा सामान जब्त, नगर थाने को सौंपा:**कार्रवाई के दौरान विभागीय अधिकारियों ने दो ऑटो रिक्शा पर बोरियों में लदे सामान को जब्त किया। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब्त सामान को सुरक्षित रखने के लिए नगर थाने में जमा कराया गया। नगर थानाध्यक्ष शैलेश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों ने दो ऑटो पर लदा सामान थाने में सुरक्षित रखने के लिए सौंपा है। कर चोरी की आशंका पर विभाग की कार्रवाईबताया जा रहा है कि संभावित कर चोरी, फर्जी बिलिंग और आईटीसी दावों में गड़बड़ी की आशंका के मद्देनजर विभाग की ओर से यह जांच की गई है। शंभू अग्रवाल किराना सामग्री और इलेक्ट्रिकल उपकरणों के थोक कारोबारी हैं। हालांकि, विभागीय अधिकारियों ने अब तक छापेमारी के कारणों और जांच में सामने आए तथ्यों को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

छठ पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क, थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

» थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सहनी ने जनप्रतिनिधियों से किया संवाद, छठ घाटों की व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर ली जानकारी, आपसी सहयोग से पर्व मनाने की अपील

बनमा ईटहरी (सहरसा)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बनमा ईटहरी पुलिस प्रशासन पूरी तरह सजग नजर आ रहा है। इसी क्रम में बुधवार को बनमा ईटहरी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सहनी के नेतृत्व में आयोजित बैठक की अध्यक्षता राजस्व पदाधिकारी शशिभूषण कुमार ने की। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सहनी ने जनप्रतिनिधियों एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों से क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, जलकुंभी एवं कचरे की समस्या, पहुंच पथ, रोशनी, पेयजल तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। जनप्रतिनिधियों ने भी



अपने-अपने क्षेत्रों के छठ घाटों की स्थिति एवं आवश्यक सुविधाओं से संबंधित सुझाव और समस्याएं रखीं। इस दौरान थानाध्यक्ष कुंदन सहनी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं एवं छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा सभी लोग सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना कर सकें, इसके लिए पुलिस प्रशासन आवश्यक सतर्कता बरत रहा है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने, प्रशासन को सहयोग देने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की। साथ ही किसी भी समस्या या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। बैठक में पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने छठ पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पुलिस एवं प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। बैठक में कांग्रेस जिला महासचिव बंटी यादव, मुखिया प्रतिनिधि पवन यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष अनिल कुमार यादव, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रामकुमार पासवान, सरबेला समिति प्रतिनिधि तोसिफ आलम, सहुरिया मुखिया प्रतिनिधि राजा आलम, सहुरिया समिति के सादा, मेराज आलम, बदली यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। वहीं थाना के पुलिसकर्मी सरोवर कुमार, हरेन्द्र कुमार एवं स्वीटी कुमारी समेत अन्य पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का नहीं



आरती कुमारी

त्योहार खुशियां बांटने के लिए हैं, सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं; पर्यावरण संरक्षण को राजनीति और धर्म के चश्मे से देखने के बजाय सामूहिक जिम्मेदारी समझना होगा

त्योहार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन की आत्मा हैं। ये हमें आपसी प्रेम, सद्भाव, सहयोग और खुशियां बांटने का अवसर देते हैं। दीपावली ऐसा ही एक महापर्व है, जो अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। इस दिन घर-आंगन दीपों से जगमगाते हैं, परिवार एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटते हैं और समाज में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बनता है। लेकिन बदलते समय के साथ उत्सव मनाने के तौर-तरीकों पर भी विचार करना आवश्यक हो गया है। जिस त्योहार का मूल संदेश प्रकाश और मंगलकामना है, यदि वही वातावरण में धुएं का जहर घोलने लगे, बच्चों और बुजुर्गों की सांसों पर संकट पैदा करे तथा लोगों को स्वच्छ हवा के लिए तरसा दे, तो हमें अपनी परंपराओं और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन स्थापित करना ही होगा। त्योहार खुशियां बांटने के लिए होते हैं, किसी की सांसों में जहर घोलने के लिए नहीं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि आज प्रदूषण जैसी गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या भी राजनीतिक विवादों में उलझती जा रही है। पर्यावरण संरक्षण की बात को कभी धार्मिक भावनाओं से जोड़ दिया जाता है तो कभी राजनीतिक विचारधारा के चश्मे से देखा जाने लगता है। जबकि प्रदूषण न किसी धर्म को पहचानता है, न जाति को और न ही राजनीतिक विचारधारा को। जहरीली हवा में सांस लेने का खतरा हर व्यक्ति के लिए समान है। ऐसे में पर्यावरण के सवाल पर राजनीतिक और सांप्रदायिक विभाजन समाज की सामूहिक चेतना के लिए गंभीर चुनौती है। यह समझना होगा कि किसी त्योहार की गरिमा बनाए रखने का अर्थ दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार की अनदेखी करना नहीं हो सकता। अभिनेत्री एवं पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जा का मामला इसी मानसिकता को उजागर करता है। उन्होंने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया था। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल दीपावली अभियान के तहत उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवाद के बाद उसे हटा दिया गया। सवाल उठता है कि पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में जागरूकता फैलाना आखिर विवाद का विषय कैसे बन गया? किसी कलाकार का प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर बात करना किसी धर्म या त्योहार का विरोध कैसे माना जा सकता है? मुंबई उच्च न्यायालय ने 3 नवंबर को बीएमसी को हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करने का निर्देश दिया। न्यायालय की टिप्पणी का व्यापक संदेश यही है कि पर्यावरण जैसे जनहित के विषय को राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना उचित नहीं है। जनस्वास्थ्य से जुड़े सवालों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जागरूकता को राजनीतिक दबाव के आगे कमजोर नहीं पड़ना चाहिए। मुंबई की स्थिति इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। सामान्यतः समुद्र के निकट होने और हवाओं के बेहतर आवागमन के कारण मुंबई को दिल्ली की तुलना में अपेक्षाकृत अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों का लाभ मिलता रहा है। इसके बावजूद वहां वायु प्रदूषण लगातार चिंता का विषय बनता जा रहा है। बीएमसी की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार, मुंबई के 14 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 13 पर पीएम-10 का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक दर्ज किया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में यह स्तर 125 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर तक पहुंच गया।ये आंकड़े केवल पर्यावरण संबंधी रिपोर्ट का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि महानगरीय विकास की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। आखिर ऐसा विकास किस काम का, जिसमें गगनचुंबी इमारतें तो खड़ी हो रही हैं, लेकिन नागरिकों के हिस्से की स्वच्छ हवा लगातार कम होती जा रही है? यह भी समझना जरूरी है कि वायु प्रदूषण के लिए केवल दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराना समस्या का अधूरा विश्लेषण है। निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना, डीजल जनरेटर और अनियोजित शहरी विकास प्रदूषण के बड़े स्रोत हैं। पटाखे त्योहार के दौरान प्रदूषण और ध्वनि की समस्या को निश्चित रूप से बढ़ाते हैं, लेकिन प्रदूषण का संकट वर्षभर बना रहता है। ऐसे में दीपावली के आसपास कुछ दिनों के लिए प्रतिबंध लगाने और बाकी समय समस्या की अनदेखी करने से स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। पर्यावरण संरक्षण मौसमी अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रशासनिक और सामाजिक प्रक्रिया होनी चाहिए। मुंबई के 13 निगरानी केंद्रों का राष्ट्रीय मानक से ऊपर होना इस बात का प्रमाण है कि केवल समुद्री हवाओं के भरोसे शहरों की सेहत सुरक्षित नहीं रखी जा सकती। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की स्थिति तो और भी भयावह तस्वीर प्रस्तुत करती है। सर्दियों की शुरुआत के साथ तापमान में गिरावट, हवा की गति धीमी होने और वातावरण में प्रदूषकों के जमा होने से वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ने लगती है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद के नागरिक भी हर वर्ष इस जहरीले वातावरण का सामना करते हैं। सुबह की सैर, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती है, कई बार सांस संबंधी बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए जोखिम बन जाती है। बच्चों में खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी बढ़ती है। बुजुर्गों तथा अस्थमा, हृदय और फेफड़ों की बीमारियों से पीड़ित लोगों की मुश्किलें और गंभीर हो जाती हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगती है। सवाल यह है कि जब स्वच्छ हवा जैसी बुनियादी आवश्यकता ही नागरिकों को उपलब्ध नहीं हो पा रही है, तब विकास के बड़े-बड़े दावों का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है?

इस संकट के बीच सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के अवसर पर न्यायालय ने केवल प्रमाणित हरित पटाखों की सीमित बिक्री और निर्धारित समय में उनके उपयोग की अस्थायी अनुमति दी। 7 और 8 नवंबर के लिए सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे तक का समय निर्धारित किया गया। इसके बाद 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर प्रभावी होना था। न्यायालय ने नियमों के उल्लंघन और पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचने की आशंका को देखते हुए निगरानी पर जोर दिया। यह व्यवस्था स्पष्ट करती है कि पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के साथ त्योहारों की परंपराओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया जा सकता है। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न आदेशों के क्रियान्वयन का है। यदि प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री होती रहे, निर्धारित समय के बाद आतिशबाजी जारी रहे और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई न हो, तो न्यायालय के निर्देशों का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। कानून बनाना जितना जरूरी है, उसका निष्पक्ष और कठोर पालन सुनिश्चित करना उससे भी अधिक आवश्यक है।

हरित पटाखों को लेकर भी लोगों के बीच सही जानकारी पहुंचाना जरूरी है। हरित पटाखे अपेक्षाकृत कम प्रदूषणकारी हो सकते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वे पूरी तरह प्रदूषणमुक्त हैं। इनके उपयोग में भी निर्धारित मानकों और समय-सीमा का पालन होना चाहिए। बाजार में नकली उत्पादों की बिक्री तथा पारंपरिक पटाखों को हरित पटाखों के नाम पर बेचे जाने की शिकायतों पर प्रशासन को सतर्क रहना होगा। केवल कागजी प्रमाणपत्रों के आधार पर पर्यावरण अनुकूल होने का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके लिए बिक्री केंद्रों की जांच, उत्पादों की गुणवत्ता का परीक्षण और नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कार्रवाई आवश्यक है। दरअसल, दीपावली का उत्सव पटाखों पर निर्भर नहीं है। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान-प्रदान, परिवारों का मिलन, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सद्भाव इस पर्व की वास्तविक पहचान हैं। सामूहिक आतिशबाजी, सीमित पटाखों और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के माध्यम से भी त्योहार का उल्लास बनाए रखा जा सकता है। उत्सव की सार्थकता इस बात से तय नहीं होती कि कितनी तेज आवाज हुई या कितने पटाखे जलाए गए, बल्कि इस बात से तय होती है कि हमने कितने लोगों के जीवन में खुशियां बांटीं। धार्मिक स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन दूसरों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सम्मान भी उतना ही जरूरी है। दोनों के बीच टकराव पैदा करने के बजाय विवेकपूर्ण संतुलन स्थापित करना ही परिपक्व समाज की पहचान है।

सरकारों और नगर निकायों की जिम्मेदारी है कि वे प्रदूषण नियंत्रण को केवल त्योहारों तक सीमित न रखें। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के प्रभावी उपाय हों, सड़कों की नियमित सफाई और धूल नियंत्रण किया जाए, वाहनों के उत्सर्जन की जांच सख्ती से हो तथा सार्वजनिक परिवहन को सुविधाजनक और मजबूत बनाया जाए। औद्योगिक इकाइयों के प्रदूषण पर निगरानी रखी जाए और कचरा जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगे। शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाने, तालाबों और जलाशयों को संरक्षित करने तथा वैज्ञानिक शहरी नियोजन को प्राथमिकता देने की जरूरत है। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी पर्यावरण के सवाल पर एक साझा दृष्टिकोण अपनाना होगा। स्वच्छ हवा कोई चुनावी मुद्दा भर नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन से जुड़ा बुनियादी अधिकार है। नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। पर्यावरण संरक्षण का पूरा दायित्व सरकार या प्रशासन पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। पटाखों के अनावश्यक उपयोग से बचना, कचरा नहीं जलाना, निजी वाहनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना, पेड़-पौधों का संरक्षण करना और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना ऐसे छोटे कदम हैं, जिनका सामूहिक प्रभाव बड़ा हो सकता है। स्कूलों, सामाजिक संगठनों और मीडिया को भी बच्चों तथा युवाओं के बीच पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना चाहिए। परिवारों में भी यह संदेश पहुंचना चाहिए कि दूसरों के स्वास्थ्य की चिंता करना ही सच्चे उत्सव और सामाजिक संवेदनशीलता का परिचायक है। अंततः यह बहस केवल इस बात तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि दीपावली पर पटाखे चलें या नहीं। असली सवाल यह है कि हम आने वाली पीढ़ियों को कैसी हवा, कैसा पर्यावरण और कैसा जीवन सौंपना चाहते हैं। राजनीति अपनी जगह है, धर्म और परंपराओं का अपना महत्व है, लेकिन जीवन से बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्य से बड़ी कोई परंपरा नहीं हो सकती। प्रदूषण किसी की जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ों में प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी भी सबकी साझा है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर समाज को विभाजित करने के बजाय एकजुट होना होगा। दीपावली के दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें और आपसी भाईचारा मजबूत हो, लेकिन किसी की सांसों में अंधेरा न उतरे। हमें ऐसा उत्सव मनाना है, जिसमें रोशनी हो, उल्लास हो और प्रकृति के प्रति संवेदना भी। याद रखना होगा कि सच्ची दीपावली वही है, जिसमें घरों के साथ-साथ जीवन भी रोशन हो। प्रकाश का पर्व मनाएं, प्रदूषण का नहीं।

79 साल बाद भी मधेपुरा को जंक्शन और उदाकिशुनगंज को ट्रेन का इंतजार, अब रेल विकास की ठोस पहल जरूरी



धर्मेंद्र कुमार मिश्रा/स्वतंत्र पत्रकार

मंत्री और उपाध्यक्ष देने वाले जिले की रेल सुविधाएं अब भी अधूरी

देश आजादी के 79 वर्ष पूरे कर चुका है। इन वर्षों में देश ने सड़क, बिजली, संचार, शिक्षा और परिवहन के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है, लेकिन मधेपुरा जिले की रेल व्यवस्था को देखें तो तस्वीर पूरी तरह संतोषजनक नहीं दिखती। मधेपुरा को जंक्शन स्तर की व्यापक रेल सुविधा और उदाकिशुनगंज को नियमित प्रत्यक्ष यात्री ट्रेन सेवा का इंतजार आज भी बना हुआ है। सवाल यह है कि आखिर कब तक? मधेपुरा कोसी क्षेत्र का महत्वपूर्ण जिला है। यहां कृषि, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े हजारों लोग प्रतिदिन विभिन्न शहरों की यात्रा करते हैं। जिले के लोगों की आवाजाही केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि पटना, भागलपुर, पूर्णिया, सहरसा, कटिहार, दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों तक होती है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क किसी सुविधा से अधिक विकास की बुनियादी जरूरत है। उदाकिशुनगंज की समस्या और भी गंभीर है। अनुमंडल मुख्यालय होने के बावजूद क्षेत्र के लोगों को प्रत्यक्ष यात्री ट्रेन सेवा के लिए दूसरे स्टेशनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे यात्रियों का समय और पैसा दोनों खर्च होता है। विद्यार्थियों, मरीजों, व्यापारियों, कर्मचारियों और आम यात्रियों के लिए नियमित रेल सेवा बड़ी राहत साबित हो सकती है। मधेपुरा की राजनीतिक और सामाजिक भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आजादी के बाद जिले से जुड़े कई नेताओं ने बिहार सरकार में मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। बाबू शिवनंदन प्रसाद मंडल, बी.पी. मंडल, विद्याकर कवि, वीरेंद्र कुमार सिंह, राजेंद्र प्रसाद यादव उर्फ राजो बाबू, डॉ. रविंद्र चरण यादव, रेणु कुशवाहा, नरेंद्र नारायण यादव, डॉ. रमेश ऋषिदेव और प्रो. चंद्रशेखर जैसे नेताओं ने अलग-अलग समय में सरकार में महत्वपूर्ण दायित्व निभाए। नरेंद्र नारायण यादव बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष भी रहे। इतनी लंबी राजनीतिक प्रतिनिधित्व की परंपरा के बावजूद यदि जिले की प्रमुख रेल जरूरतें आज भी अधूरी हैं, तो इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। यह किसी व्यक्ति या सरकार पर आरोप लगाने का विषय नहीं, बल्कि विकास की प्राथमिकताओं का मूल्यांकन करने का समय है। मधेपुरा को अब केवल कुछ नई ट्रेनों की घोषणा नहीं, बल्कि समग्र रेल विकास की ठोस कार्ययोजना चाहिए। जंक्शन स्तर की सुविधाओं का विस्तार, यात्री सुविधाओं में सुधार, बेहतर समय-सारणी तथा आसपास के प्रमुख क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ना जरूरी है। रेल सुविधा का विस्तार केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित नहीं रहता। जहां रेल पहुंचती है, वहां बाजार का विस्तार होता है, व्यापार को गति मिलती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होती है। कोसी क्षेत्र लंबे समय से बाढ़, पलायन और आर्थिक चुनौतियों का सामना करता रहा है। ऐसे क्षेत्र में मजबूत रेल संपर्क विकास की रीढ़ बन सकता है। अब वर्षों पुरानी मांगों को फाइलों और आश्वासनों से बाहर निकालने की जरूरत है। रेलवे और सरकार को मधेपुरा की रेल आवश्यकताओं का गंभीरता से अध्ययन कर स्पष्ट समयसीमा के साथ योजना बनानी चाहिए। उदाकिशुनगंज को नियमित ट्रेन सेवा से जोड़ने और मधेपुरा को जंक्शन स्तर की सुविधाओं से विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाना जरूरी है। 79 साल की प्रतीक्षा अब अनिश्चितकालीन इंतजार में नहीं बदलनी चाहिए। मधेपुरा को रेल विकास का उसका उचित हिस्सा और उदाकिशुनगंज को ट्रेन मिलना केवल यात्रियों की मांग नहीं, बल्कि कोसी क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की अनिवार्य आवश्यकता है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, संस्कार, चरित्र और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण होना चाहिए



आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी, कटिहार, बिहार

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर विशेष

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त आधार होती है। यह केवल अक्षर ज्ञान, परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने अथवा डिग्रियाँ हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व, चरित्र, विवेक, नैतिकता और सामाजिक चेतना के निर्माण की प्रक्रिया है। जिस राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और अधिकारों के साथ कर्तव्यबोध विकसित करती है, वही राष्ट्र विश्व समुदाय में स्थायी सम्मान और नेतृत्व प्राप्त करता है। 11 नवंबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय शिक्षा दिवस हमें इसी व्यापक उद्देश्य पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। यह दिवस स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री, महान शिक्षाविद् और स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने स्वतंत्र भारत में शिक्षा के सुदृढ़ आधार के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत की शिक्षा परंपरा विश्व की प्राचीनतम और समृद्ध परंपराओं में से एक रही है। नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्र केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों से ज्ञान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आकर्षित करते थे। हमारी गुरुकुल परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल जीविकोपार्जन नहीं, बल्कि मनुष्य को आत्मानुशासित, विवेकशील, कर्तव्यनिष्ठ और समाजोपयोगी बनाना था। गुरु और शिष्य का संबंध केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं था; उसमें जीवन-मूल्य, सेवा, संयम, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रशिक्षण भी सम्मिलित था। वेद, उपनिषद, दर्शन, गणित, आयुर्वेद, खगोल विज्ञान, साहित्य और कला के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ इसी ज्ञान-साधना की साक्षी हैं। सनातन भारतीय संस्कृति में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारी परंपरा कहती है—"सा विद्या या विमुक्तये", अर्थात वास्तविक विद्या वही है जो मनुष्य को अज्ञान, संकीर्णता और बंधनों से मुक्त करे। विद्या का अर्थ केवल सूचना एकत्र करना नहीं, बल्कि सत्य और असत्य में अंतर समझने की क्षमता विकसित करना है। श्रीमद्भगवद्गीता का कर्मयोग, उपनिषदों का आत्मचिंतन और पारदर्शिता और विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी नियमन भी आवश्यक है। इसी प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव, कोचिंग पर निर्भरता और डिग्री के बावजूद रोजगार न मिलना युवाओं के सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। पाठ्यक्रम को उद्योग, कृषि, उद्यमिता और बदलती तकनीकी आवश्यकताओं से जोड़ना समय की मांग है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, डिजिटल तकनीक और स्वचालन ने ज्ञान तथा रोजगार की दुनिया को तेजी से बदल दिया है। आने वाले समय में वही विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे जो तकनीक का उपयोग करना ही नहीं, बल्कि उसके प्रभावों को समझना और उसका जिम्मेदार उपयोग करना भी जानते होंगे। लेकिन तकनीकी शिक्षा के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी महत्व देना होगा। तकनीकी रूप से दक्ष व्यक्ति यदि संवेदनहीन और अनैतिक है, तो उसका ज्ञान समाज के लिए कल्याणकारी नहीं बन सकता। शिक्षक इस पूरी व्यवस्था की आत्मा हैं। कोई भी शिक्षा नीति तभी सफल हो सकती है, जब शिक्षक सम्मानित, प्रशिक्षित, प्रेरित और अपने दायित्व के निर्वहन के लिए पर्याप्त रूप से समर्थ हों। शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थी के व्यक्तित्व निर्माण का मार्गदर्शक होता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियाँ, नियमित शैक्षणिक मूल्यांकन और समाज में शिक्षक के सम्मान को प्राथमिकता देनी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि शिक्षा को रोजगार के साथ चरित्र निर्माण, ज्ञान के साथ विवेक और आधुनिकता के साथ सांस्कृतिक चेतना का माध्यम बनाया जाए। हमें ऐसी पीढ़ी तैयार करनी है जो विश्वस्तरीय वैज्ञानिक और तकनीकी दक्षता रखे, अपनी मातृभाषा और संस्कृति पर गर्व करे, संविधान के मूल्यों का सम्मान करे तथा राष्ट्र और मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों को समझे। अंततः किसी राष्ट्र की वास्तविक उन्नति केवल ऊँची इमारतों, आर्थिक आँकड़ों और तकनीकी उपलब्धियों से नहीं मापी जाती; उसकी असली पहचान उसके शिक्षित, संस्कारित और जिम्मेदार नागरिकों से होती है। भारत को ज्ञान की वैश्विक शक्ति बनाना है तो शिक्षा को केवल डिग्री और नौकरी की सीमाओं से बाहर निकालना होगा। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो मस्तिष्क को ज्ञानवान, हृदय को संवेदनशील और चरित्र को मजबूत बनाए। यही भारतीय ज्ञान परंपरा का सार है, यही आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता है और यही आत्मनिर्भर, समृद्ध तथा संस्कारित भारत के निर्माण का वास्तविक मार्ग है।

कभी पत्रकार की कलम से हिल जाता था पूरा तंत्र, आज पत्रकारिता की विश्वसनीयता ही कटघरे में दिखता है



जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

लोकतंत्र में पत्रकारिता केवल समाचार लिखने, तस्वीरें छापने या घटनाओं का विवरण प्रस्तुत करने का माध्यम नहीं है। पत्रकारिता जनता की आवाज है, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का हथियार है और सत्ता को उसकी जिम्मेदारियों का एहसास कराने वाला आईना है। जब शासन-प्रशासन अपनी जवाबदेही से विमुख होने लगे, जब भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बनने लगे और जब आम आदमी की फरियाद सुनने वाला कोई न हो, तब उसकी उम्मीदें पत्रकारिता की ओर मुड़ती हैं। पत्रकार की कलम से निकले शब्दों में वह ताकत होती थी कि बड़े-बड़े अधिकारियों की नींद उड़ जाती थी और सत्ता के गलियारों में हलचल मच जाती थी। लेकिन आज परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। पत्रकारों की संख्या बढ़ी है, समाचार माध्यमों का विस्तार हुआ है, डिजिटल प्लेटफॉर्म ने सूचना के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है, फिर भी एक गंभीर सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या पत्रकारिता का प्रभाव बढ़ा है या उसकी विश्वसनीयता कमजोर हुई है? क्या पत्रकारों की बढ़ती भीड़ के बीच पत्रकारिता का वास्तविक उद्देश्य कहीं खोता जा रहा है? आज हर हाथ में मोबाइल है, हर व्यक्ति के पास अपनी बात कहने का मंच है और हर घटना को खबर बनाने की सुविधा उपलब्ध है। यह लोकतंत्र के विस्तार का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन जब सूचना और पत्रकारिता के बीच का अंतर मिटने लगे, जब खबर की जगह प्रचार और जनहित की जगह व्यक्तिगत हित लेने लगें, तब चिंता होना स्वाभाविक है। पत्रकारिता की असली चुनौती अब केवल सूचना जुटाना नहीं, बल्कि सूचना के महासागर में सत्य की पहचान करना और उस सत्य को निर्भीकता से जनता तक पहुंचाना है। आज से लगभग दो दशक पहले तक समाचार-पत्रों की भूमिका जनजीवन और शासन-प्रशासन में बेहद प्रभावशाली मानी जाती थी। उस समय समाचारों के प्रसार के साधन सीमित थे। प्रिंट मीडिया का अपना विशेष महत्व था। किसी जिले के अखबार में यदि किसी सरकारी विभाग की लापरवाही, भ्रष्टाचार, जनविरोधी निर्णय या अधिकारी की मनमानी को उजागर करने वाली खबर प्रकाशित हो जाती थी, तो संबंधित विभाग में हलचल मच जाती थी। खबर केवल कागज पर छपे कुछ शब्द नहीं होती थी। वह प्रशासन के लिए जवाबदेही का संकेत और आम जनता के लिए न्याय की उम्मीद बन जाती थी। गंभीर खबरों पर जांच बैठती थी, संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाता था और कई मामलों में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होती थी। उस दौर के अनेक पत्रकार सीमित संसाधनों में काम करते थे। न आज जैसी डिजिटल सुविधाएं थीं, न खबरों को प्रसारित करने के लिए अनगिनत मंच। इसके बावजूद उनकी पहचान उनकी लेखनी, तथ्यपरकता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता से बनती थी। पत्रकार की प्रतिष्ठा उसके पदनाम से नहीं, बल्कि उसकी खबर के प्रभाव और उसकी ईमानदारी से तय होती थी। हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास में अनेक ऐसे महान पत्रकार हुए, जिन्होंने अपनी लेखनी को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। समय बदला, तकनीक बदली और पत्रकारिता का स्वरूप भी बदला। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या उसके मूल मूल्य भी बदल जाने चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। माध्यम चाहे कागज हो या मोबाइल की स्क्रीन, पत्रकारिता की आत्मा सत्य, निष्पक्षता और जनहित में ही बसती है। डिजिटल क्रांति ने अभिव्यक्ति के अवसरों को व्यापक बनाया है। फेसबुक, व्हाट्सएप, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने आम नागरिक को भी अपनी बात कहने की ताकत दी है। किसी गांव में सड़क टूटने, अस्पताल में अव्यवस्था होने या किसी अधिकारी की कथित लापरवाही की सूचना अब कुछ ही मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकती है। यह परिवर्तन अपने आप में सकारात्मक है। सोशल मीडिया ने कई ऐसी समस्याओं को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाया है, जिन पर पहले पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता था। नागरिक पत्रकारिता ने भी कई अवसरों पर उपयोगी भूमिका निभाई है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब सोशल मीडिया पर कुछ पंक्तियां लिखने, किसी दूसरे की पोस्ट साझा करने या किसी घटना का अधूरा वीडियो डालने मात्र से कोई व्यक्ति स्वयं को पूर्णकालिक पत्रकार घोषित करने लगता है। पत्रकारिता केवल खबर प्रसारित करने का नाम नहीं है। यह खबर की सत्यता की जांच करने, संबंधित पक्षों का दृष्टिकोण लेने, तथ्यों की पुष्टि करने, संदर्भ समझने और कानूनी तथा नैतिक जिम्मेदारियों का पालन करने की प्रक्रिया है। इसी तरह, यूट्यूब चैनल बनाना या डिजिटल समाचार मंच शुरू करना अपने आप में अनुचित नहीं है। डिजिटल पत्रकारिता आज मीडिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन चैनल का नाम, कैमरा, माइक और पदनाम किसी व्यक्ति को स्वतः विश्वसनीय पत्रकार नहीं बना देते। उसके काम की गुणवत्ता, तथ्यपरकता, पारदर्शिता और जवाबदेही ही उसकी वास्तविक पहचान निर्धारित करती है। यह भी समझना जरूरी है कि पत्रकारिता की पहचान केवल मुद्रित अखबार की प्रति या किसी बड़े मीडिया संस्थान से नहीं होती। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकार भी उत्कृष्ट काम कर सकते हैं। सवाल माध्यम का नहीं, बल्कि पेशेवर मानकों का है। समस्या उस मानसिकता से है, जो पत्रकारिता की जिम्मेदारी स्वीकार किए बिना केवल उसकी प्रतिष्ठा और प्रभाव का लाभ उठाना चाहती है। पत्रकारिता और सत्ता के संबंधों को लेकर सबसे महत्वपूर्ण सवाल उसके स्वतंत्र चरित्र का है। किसी विभाग में नए अधिकारी की नियुक्ति होती है और कुछ पत्रकारों का समूह गुलदस्ता लेकर उनके स्वागत में पहुंच जाता है। तस्वीरें खिंचती हैं, मालाएं पहनाई जाती हैं और सोशल मीडिया पर बधाइयों की पोस्ट प्रकाशित हो जाती है। किसी अधिकारी का व्यक्तिगत सम्मान करना अपने आप में गलत नहीं है। सामाजिक शिष्टाचार और पेशेवर संबंधों में विनम्रता का अपना स्थान है। लेकिन जब पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग सामूहिक रूप से अधिकारियों की खुशामद को अपनी प्राथमिकता बना लें, तब आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है। पत्रकार का काम अधिकारी से व्यक्तिगत शत्रुता रखना भी नहीं है। उसे न किसी अधिकारी का विरोध केवल विरोध के लिए करना चाहिए और न समर्थन केवल निकटता के कारण। उसकी कसौटी जनहित होना चाहिए। नए अधिकारी का स्वागत करने के बजाय यदि पत्रकार उनसे यह पूछें कि उनके विभाग में लंबित शिकायतों का निपटारा कैसे होगा, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे, आम जनता को कितने समय में सेवाएं मिलेंगी और पिछली योजनाओं की स्थिति क्या है, तो यह पत्रकारिता की अधिक सार्थक भूमिका होगी। अधिकारी को भी पत्रकार से असहज होने के बजाय उसके सवालों का स्वागत करना चाहिए। स्वस्थ लोकतंत्र में पत्रकार और प्रशासन के बीच संवाद जरूरी है, लेकिन यह संवाद स्वतंत्रता और जवाबदेही की कीमत पर नहीं होना चाहिए। पत्रकार सत्ता का स्थायी शत्रु नहीं है, लेकिन सत्ता का स्थायी प्रशंसक भी नहीं हो सकता है। उसका सबसे बड़ा पक्ष जनता है।

संक्षिप्त समाचार

मौलाना आजाद की जयंती पर कांग्रेस भवन में दी गई श्रद्धांजलि

» शिक्षा और राष्ट्रीय एकता के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा : अख्तर अली

रांची। भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती बुधवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अख्तर अली ने कहा कि मौलाना आजाद दूरदर्शी नेता और आधुनिक भारतीय शिक्षा व्यवस्था के प्रमुख शिल्पकार थे। देश के प्रथम शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत आधार तैयार किया। आईआईटी, यूजीसी और साहित्य अकादमी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की स्थापना एवं विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद ने हमेशा देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को सर्वोपरि रखा। उन्होंने समाज को जोड़ने और प्रत्येक नागरिक तक शिक्षा पहुंचाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वर्तमान समय में भी उनके विचार और आदर्श प्रासंगिक हैं। कांग्रेस पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों तक शिक्षा और न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर राजन वर्मा, जगदीश साहू, कमल ठाकुर, राजू राम, विजय सिंह, अब्दुस सलाम, विनय सिन्हा, हुसैन अंसारी, रामानंद केसरी सहित कई कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने मौलाना आजाद के आदर्शों पर चलने तथा देश में शिक्षा, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

झारखंड में मतदाता सूची पुनरीक्षणः फॉर्म-6 के 9.33 लाख आवेदन डिजिटाइज, फॉर्म-7 से 98,427 आपत्तियां दर्ज

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान आवेदन प्राप्त करने और उनके डिजिटाइजेशन का कार्य जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय की ओर से 11 नवंबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, फॉर्म-6 के माध्यम से अब तक कुल 9,33,228 आवेदन डिजिटाइज किए जा चुके हैं। वहीं, फॉर्म-7 के जरिए 98,427 आवेदन एवं आपत्तियां दर्ज की गई हैं। बुलेटिन के अनुसार, 10 नवंबर को फॉर्म-6 के 2,141 आवेदन डिजिटाइज किए गए। फॉर्म-6ए के तहत कुल 128 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 10 नवंबर को इस श्रेणी में कोई नया आवेदन डिजिटाइज नहीं हुआ। इसी तरह फॉर्म-7 के तहत 10 नवंबर को 141 आवेदन एवं आपत्तियां डिजिटाइज की गईं। फॉर्म-8 के माध्यम से अब तक 5,77,772 आवेदन डिजिटाइज किए गए हैं। इनमें 10 नवंबर को 1,075 आवेदन शामिल हैं। निर्वाचन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, फॉर्म-6 के जरिए मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, फॉर्म-7 के माध्यम से नाम हटाने या आपत्ति दर्ज कराने तथा फॉर्म-8 के जरिए मतदाता विवरण में संशोधन से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय ने बताया है कि झारखंड की अंतिम मतदाता सूची (फाइनल रोल) का प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को किया जाएगा।

मौलाना अबुल कलाम आजाद स्वराज के आंदोलन में वे सदा अग्रणी रहे : निसार खान



हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण वल्लभ आश्रम में स्वाधीन भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की 138 वीं जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष निसार खान ने कहा कि स्वाधीन भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना आजाद, जो अरबी फारसी के विद्वान थे, स्वाधीनता संग्राम में, इस सदी के प्रारंभ में ही कूद पड़े थे। प्रथम महायुद्ध (1914-1918) और द्वितीय महायुद्ध (1938-1945) दोनों महायुद्ध के काल में करावास भुगतने वाले संभवतः वे ही एकमात्र नेता थे। " स्वराज " के आंदोलन में वे अग्रणी रहे। मौलाना आजाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे। उनकी विशेषता यह रही की द्विराष्ट्र सिद्धांत को उन्होंने कभी स्वीकारन ही किया। सह अस्तित्व पर जबरदस्त विश्वास रखने वाले नेताओं में वे प्रमुख थे। उन्हीं के कारण देश के विभाजन के बाद लाखों मुसलमानों की आस्था देश के प्रति गहरी हुई। मदीना के मुफ्ती का यह पौत्र, मुस्लिमों को संगठित कर देश के राष्ट्रीय प्रवाह में काम रखने में सफल रहा। मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष आबिद अंसारी नगर अध्यक्ष परवेज अहमद उपाध्यक्ष बाबर अंसारी महासचिव दिलीप कुमार रवि, जावेद इकबाल, विजय कुमार सिंह, सदरुल होदा, अनिल कुमार भुइया, मोहम्मद रब्बानी, रीवाली पासवान, मुश्ताक अंसारी, प्रदीप मंडल, जहांगीर अंसारी, चंद्रशेखर आजाद, बहादुर सागर, सैयद अशरफ अली, निसार अहमद भोला, समसुल उर्फ बबलू, मोहम्मद जिब्राइल, अशरफ अली, मोहम्मद आफताब आलम, अभिमन्यु भगत, कैलाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

भारत समिट में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे ऋषीकेश सिंह

नई सोच एक्सप्रेस



रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश सचिव सह प्रदेश प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह हैदराबाद में 12 से 14 नवंबर तक आयोजित होने वाले द्वितीय भारत समिट 'फोर्जिंग ए न्यू वर्ल्ड' में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। तेलंगाना सरकार की ओर से आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय समिट में उन्हें विशिष्ट प्रतिनिधि (डिस्टिंग्विश्ड डेलीगेट) के रूप में आमंत्रित किया गया है। समिट में भारत समेत करीब 100 देशों के प्रतिनिधिमंडलों की भागीदारी प्रस्तावित है। इस दौरान ऋषीकेश सिंह युवा नेतृत्व, राजनीति और समसामयिक सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर अपने विचार रखेंगे इस उपलब्धि पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा खलखो समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि ऋषीकेश सिंह ने छात्र राजनीति से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की और निरंतर संघर्ष, मेहनत तथा संगठन के प्रति समर्पण के बल पर प्रदेश सचिव सह प्रवक्ता के पद तक पहुंचे हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्हें मिला यह अवसर उनके राजनीतिक और संगठनात्मक योगदान की पहचान है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल ऋषीकेश सिंह की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि झारखंड कांग्रेस और प्रदेश के युवाओं के लिए भी गर्व का विषय है। उम्मीद है कि वे समिट में झारखंड की आवाज और युवा नेतृत्व की आकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेंगे।

बड़े बजट का संताली म्यूजिक वीडियो बहुत जल्द शिवा म्यूजिक झॉलीवुड यूट्यूब चैनल पर होगी रिलीज

नई सोच एक्सप्रेस



रांची। शिवा म्यूजिक झॉलीवुड यूट्यूब चैनल पर बहुत जल्द एक बड़े बजट का संताली म्यूजिक वीडियो " फिल्म हीरो लेखन कोरा " बहुत जल्द रिलीज की जायेगी। बजट कितना हैं, अभी बताया नहीं गया हैं। लेकिन, अब तक बनीं सभी संताली म्यूजिक वीडियो से सबसे ज्यादा बजट लगाया गया हैं। जो अभिनेता - अभिनेत्री हैं, वे सोशल मीडिया में काफी लोकप्रिय और चर्चित हैं। चौधरी मुंडा और बेबो घोष की जोड़ी इस म्यूजिक वीडियो में देखने को मिलेगी। वहीं, गंगाधर बिनधनी और सुकांति बिनधनी की मधुर आवाज सुनने को मिलेगी। निर्माता यश राज सुनेजा और निर्देशक नौशाद खान हैं। यश राज सुनेजा ने गाने को लेकर बताया कि यह एक बेहतरीन संताली म्यूजिक वीडियो हैं। जो बड़े बजट में बनाई गई हैं। चर्चित कलाकारों ने अभिनय किया हैं और गायक - गायिकाओं ने भी भाव के साथ गायन किया हैं। उम्मीद हैं संताली श्रोताओं एवं दर्शकों को यह म्यूजिक वीडियो जरूर पसंद आयेगा। शिवा म्यूजिक झॉलीवुड यूट्यूब चैनल पर झारखंड के भाषा में म्यूजिक वीडियो और फिल्मों का बल्क कलेक्शन हैं। जहां श्रोता - दर्शक मुफ्त में म्यूजिक वीडियो और फिल्मों का आनंद लें सकते हैं।

झारखंड के आर्थिक विकास की नई रूपरेखा तैयार करेंगे प्रोफेशनल्स : मधु यास्की गौड़

नई सोच एक्सप्रेस



» 'थिंक 2029 – प्रोफेशनल्स फॉर इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन' में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और औद्योगिक विकास पर हुआ मंथन

रांची। झारखंड के आर्थिक विकास और भविष्य की नीतिगत दिशा तय करने में पेशेवरों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को होटल बीएनआर चाणक्य में 'थिंक 2029 – प्रोफेशनल्स फॉर इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन' का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस, झारखंड की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षाविद्, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कानून विशेषज्ञ, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने राज्य की आर्थिक संभावनाओं, विकास की चुनौतियों और रोजगार सृजन के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव सह प्रोफेशनल्स प्रभारी आदित्य विक्रम जायसवाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू, ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधु यास्की गौड़, लेखक एवं स्तंभकार सुवीर सरन तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित थे। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की समेत कई कांग्रेस नेता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत झारखंड की पारंपरिक नृत्य-संगीत प्रस्तुतियों के साथ हुआ। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधु यास्की गौड़ ने कहा कि कांग्रेस के निर्माण और देश की आजादी में पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डॉक्टर, वकील, इंजीनियर और आर्किटेक्ट जैसे विशेषज्ञों ने देश निर्माण में योगदान दिया है। आज भी राष्ट्र निर्माण में पेशेवरों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में संवैधानिक संस्थाएं कमजोर हुई हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को फिर से मजबूत करने की जरूरत है। झारखंड जल, जंगल और जमीन के साथ मानव संसाधन एवं प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था और सिंगल विंडो सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए विशेषज्ञों के सुझावों पर काम किया जाएगा। जल, जंगल और जमीन से जुड़े विषयों पर भी प्रोफेशनल पैनल गठित किए जाएंगे। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि प्रोफेशनल्स कांग्रेस ऐसे विशेषज्ञों को ऐसे ही दूरदर्शी लोगों की जरूरत है। सम्मेलन में मौजूद प्रतिभागियों ने उन्हें देश के भविष्य के प्रति नई उम्मीद दी है। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस का गठन वर्ष 2017 में हुआ था। इसका उद्देश्य विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों, स्वास्थ्य क्षेत्र और अन्य विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर नीति निर्माण में उनके सुझाव और अनुभवों का लाभ लेना है। आयोजक आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि झारखंड में प्रतिभा, अवसर और संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि जरूरत बेहतर मार्गदर्शन और नीतिगत पहल की है। प्रोफेशनल्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट, बुद्धिजीवियों और अर्थशास्त्रियों के सुझावों से ऐसी नीतियां तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन नहीं करना पड़े। राज्य में औद्योगिक विकास, स्थानीय उद्योगों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल संवाद तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्राप्त सुझावों को नीतियों में शामिल कराने की दिशा में भी प्रयास किया जाएगा। सम्मेलन के पैनल डिस्कशन में तुलसी पटेल, रणजीत गड़ोदिया, डॉ. जावेद अहमद, डॉ. संजय कुमार, विकास रंजन सहाय, शंभुनाथ चौधरी, उत्कर्ष मिश्रा, जोगेश गंभीर, सुनील कुमार मेहता, आदर्श राज, सिमरन, प्रभात अग्रवाल और अपर्णा गुप्ता ने विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने किया। इस अवसर पर आलोक दुबे, डॉ. राजेश गुप्ता, शशि भूषण, राजीव रंजन प्रसाद, सतीश पॉल, डॉ. एम. तौसीफ, महानगर अध्यक्ष डॉ. कुमार राजा, सुरेंद्र सिंह, राजन वर्मा, सुरेन राम, अभिजीत राज और सूर्यकांत शुक्ला समेत कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीए भुवनेश ठाकुर, प्रभात अग्रवाल, रुद्र शुक्ला, मनीष जैन, इशिका, करिश्मा कुमारी, सिमरन कौर, अफसर इमाम, गौरव, सरवर पॉल, विकास आदित्य, अनिल सिंह और हिमांशु दामोदर प्रसाद सहित अन्य लोगों ने योगदान दिया।

निशा भगत मामले में भाजपा-आरएसएस से जुड़े आरोपों की भी हो निष्पक्ष जांच : विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस



रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता निशा भगत की मौत के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा सीबीआई जांच के निर्देश दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि निशा भगत को न्याय दिलाना सरकार और जांच एजेंसी की प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही मामले में सामने आए सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। नायक ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह निशा भगत की मौत को राजनीतिक मुद्दा बनाकर आदिवासी समाज की भावनाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि भाजपा को आदिवासी समाज के नाम पर राजनीति करने के बजाय न्याय की लड़ाई में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि निशा भगत ने मौत से पहले फेसबुक लाइव के माध्यम से अपनी परेशानियों और कथित प्रताड़ना को लेकर कई बातें सार्वजनिक की थीं। इन बयानों के साथ भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों पर लगाए गए कथित आरोपों तथा एक बड़े भाजपा नेता का नाम सामने आने संबंधी दावों की भी जांच होनी चाहिए। यदि जांच में किसी प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। नायक ने कहा कि निशा भगत के पिता की ओर से पिठोरिया थाना में शिकायत दर्ज कराए जाने के बावजूद परिवार को न्याय के लिए लगातार गुहार लगानी पड़ी। ऐसे में पुलिस में दर्ज शिकायत, फेसबुक लाइव, पारिवारिक बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की गहन जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सीबीआई जांच का निर्देश देना स्वागतयोग्य कदम है। अब जांच एजेंसी को बिना किसी राजनीतिक दबाव के सभी पहलुओं की पड़ताल करनी चाहिए। भाजपा, आरएसएस, पुलिस-प्रशासन या किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आने पर किसी को भी संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। नायक ने कहा कि आदिवासी समाज किसी राजनीतिक दल का वोट बैंक नहीं है और आदिवासी बेटियों के सम्मान एवं न्याय के सवाल पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। निशा भगत के परिवार को न्याय मिलना चाहिए, न कि राजनीतिक बयानबाजी का सामना करना पड़े। उन्होंने दोषियों की पहचान कर उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा करने की मांग की।

ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर अवसर और प्रोत्साहन देना जरूरी : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस



» बुकुरु मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल का किया शुभारंभ, जय जवान डीवडीह की टीम बनी विजेता

रांची। नगड़ी स्थित बुकुरु मैदान में बुधवार को बारह पड़हा सोहराय जतरा समिति की ओर से आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने फुटबॉल को किक मारकर फाइनल मुकाबले का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सुदेश महतो ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण, नेतृत्व क्षमता और आपसी एकजुटता का प्रतीक है। खेल युवाओं में टीम भावना और सामाजिक समरसता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत है इन प्रतिभाओं को बेहतर अवसर और प्रोत्साहन देने की, ताकि वे अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि जिस खेल के माहौल में उनका बचपन बीता है, उसी तरह का उत्साह आज युवाओं में देखकर खुशी होती है। उन्होंने भविष्य में विभिन्न टूर्नामेंट और प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से ऐसे आयोजनों का विस्तार करने का आश्वासन भी दिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला स्टार वारियर और जय जवान डीवडीह की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले में जय जवान डीवडीह की टीम ने जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। सुदेश महतो ने विजेता टीम को बधाई देते हुए सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सफल आयोजन के लिए समिति के सदस्यों के प्रति आभार जताया। मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, रांची जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी, जिला उपाध्यक्ष एतवा उरांव, जिला प्रवक्ता सूरज मिश्रा, कांके प्रखंड अध्यक्ष अमन लाल सहदेव, प्रखंड उपाध्यक्ष मनोज महतो, प्रखंड महिला सचिव रूपा गाड़ी सहित पार्टी कार्यकर्ता, आयोजन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे।

बिरसा जयंती पर उलिहातू से कोकर तक 73 किलोमीटर की पदयात्रा निकालेगी भाजपा

नई सोच एक्सप्रेस



» 13 से 15 नवंबर तक तीन दिवसीय पदयात्रा, 17 से 20 नवंबर तक विभिन्न प्रमंडलों में होंगे जनजातीय गौरव सम्मेलन

रांची। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा झारखंड प्रदेश की ओर से राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत 13 से 15 नवंबर तक खूंटी के उलिहातू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल तक 73 किलोमीटर की तीन दिवसीय पदयात्रा निकाली जाएगी। वहीं, 17 से 20 नवंबर तक प्रदेश के विभिन्न प्रमंडलों में जनजातीय गौरव सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी भाजपा एसटी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद समीर उरांव ने बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में 11 से 18 नवंबर तक देशभर में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। समीर उरांव ने बताया कि 13 नवंबर को सुबह 10 बजे उलिहातू से पदयात्रा शुरू होगी। सायको मोड़ और झीलकिता मोड़ होते हुए यात्रा खूंटी पहुंचेगी, जहां भाजपा कार्यालय में रात्रि विश्राम होगा। 14 नवंबर को खूंटी से यात्रा आगे बढ़ेगी और कालामाटी, तुपुदाना, हटिया, बिरसा चौक तथा अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए बिरसा मुंडा संग्रहालय पहुंचेगी। 15 नवंबर को जेल चौक से पदयात्रा का अंतिम चरण शुरू होगा। सुबह 11 बजे कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित कर इसका समापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 17 से 20 नवंबर तक राज्य के विभिन्न प्रमंडलों में जनजातीय गौरव सम्मेलन भी आयोजित होंगे। 17 नवंबर को गुमला के सिसई रेडवा बगीचा और रायडीह, 18 नवंबर को संथाल परगना के भोगनाडीह तथा कोल्हान के चाईबासा में कार्यक्रम होंगे। 19 नवंबर को पलामू के दूबियाखार और रांची के सिलागाई में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। वहीं, 20 नवंबर को गुमला के विशुनपुर स्थित चिंगरी में कार्यक्रम होगा। इन सम्मेलनों में भाजपा के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल होंगे। समीर उरांव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और अत्याचार के खिलाफ ऐतिहासिक उलगुलान का नेतृत्व किया था। उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित कर जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका नारा 'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' आज भी समाज को स्वाभिमान और अधिकारों की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि तिलका मांझी, सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, बुधु भगत, तेलंगा खड़िया, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और अन्य जनजातीय महापुरुषों का संघर्ष एवं बलिदान देश के इतिहास की गौरवशाली विरासत है। भाजपा इन महापुरुषों के योगदान और जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया था। वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री ने उलिहातू पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी और पीएम जनमन योजना की शुरुआत की। केंद्र सरकार जनजातीय समाज के विकास, सम्मान और अधिकारों के लिए लगातार काम कर रही है। समीर उरांव ने भाजपा कार्यकर्ताओं और जनजातीय समाज के लोगों से पदयात्रा एवं सम्मेलनों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन और भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सन्नी टोप्पो उपस्थित थे।

बरहेट में झामुमो को झटका, राजा राम मरांडी सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

» बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में झबरी में आयोजित मिलन समारोह में ग्रहण की पार्टी की सदस्यता

साहेबगंज। बरहेट विधानसभा क्षेत्र में झारखंड मुक्ति मोर्चा को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। झामुमो के वरिष्ठ नेता राजा राम मरांडी ने अपने सैकड़ों समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। बरहेट के झबरी में आयोजित मिलन समारोह में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में सभी ने भाजपा का दामन थामा। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार से जनता का मोहभंग होता जा रहा है। सरकार की नीतियों और कार्यशैली से निराश होकर लोग बदलाव की उम्मीद में भाजपा से जुड़ रहे हैं। इसकी झलक मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र बरहेट में भी दिखने लगी है। उन्होंने कहा कि झामुमो का किला अब दरकने लगा है। बाबूलाल मरांडी ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार में गुंडागर्दी चरम पर है और पुलिस प्रशासन राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है। आम लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने साहेबगंज के बैसभीठा गांव निवासी भाजपा कार्यकर्ता जगन मुर्मू को कथित झूठे मुकदमे में जेल भेजे जाने का मामला उठाते हुए प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि लोगों को झूठे मामलों में फंसाना बंद किया जाए, अन्यथा भाजपा इसके खिलाफ आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर विभिन्न दलों के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ झारखंड के विकास तथा जनजातीय समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, भाजपा में शामिल हुए राजा राम मरांडी ने कहा कि झामुमो में लंबे समय तक काम करने के बाद उन्हें महसूस हुआ कि पार्टी अपनी मूल विचारधारा और जनहित के मुद्दों से भटक गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार आदिवासी समाज सहित आम जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा को मजबूत करने और झारखंड की जनता की आवाज बुलंद करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। समारोह में राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा, बोरियो के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, लिट्टीपाड़ा के पूर्व विधायक दिनेश विलियम मरांडी, सिद्धो-कान्हो के वंशज मंडल मुर्मू, प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, भाजपा जिलाध्यक्ष सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री रामकृष्ण शांति आश्रम में रक्तदान एवं कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग। स्वामी मुक्तानंद महाराज की 23वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री रामकृष्ण शांति आश्रम में रक्तदान एवं निशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन एवं शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए किया गया। शिविर का उद्घाटन वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन, उपाध्यक्ष डॉ. खेमलाल महतो, शांति आश्रम के स्वामी अक्षयानंद, डी.एन. साधु, प्रव्राजिका शक्ति प्राणा, प्रव्राजिका शांति प्राणा, दीपक घोष और चिन्मय सरकार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर का शुभारंभ स्वामी अक्षयानंद ने रक्तदान करके किया। इसके बाद राजा दत्ता, आशीष कुमार, सुकांत दास, पी. राय, पार्था डे, एस. लिथासिनी, ज्योथिका मंडल, कपिल कुमार, अमित कुमार मालाकार, सागर, अजय राम, अनिकेश, विजय कुमार, मनोज कुमार, सुजीत गुप्ता आदि 16 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। आश्रम द्वारा 250 जरूरतमंदों को निशुल्क कंबल वितरित किए गए। अपने संबोधन में हजारीबाग रत्न निर्मल जैन ने शांति आश्रम द्वारा प्रतिवर्ष किए जाने वाले रक्तदान शिविर एवं कंबल वितरण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि अन्य संस्थाओं को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने सभी रक्तदाताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें तथा आयोजकों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। स्वामी अक्षयानंद ने कहा कि उन्हें रक्तदान करके काफी आनंद आता है। सभी स्वस्थ व्यक्तियों को नियमित रक्तदान करना चाहिए। शिविर को सफल बनाने में श्री रामकृष्ण शांति सेवा केंद्र के डॉक्टर एवं कर्मचारियों तथा मेडिकल कॉलेज के टेक्नीशियन शीला कुमारी, सुशील सिंह, उदय कुमार, संजय कुमार पायल और राज देव आदि का विशेष सहयोग रहा।

हजारीबाग एसपी ने कटकमदाग थाना में की लंबित मामलों की समीक्षा, वारंटियों और अवैध मादक कारोबारियों पर शिकंजा कसने का निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग।हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक द्वारा कटकमदाग थाना परिसर में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), पेलावल अंचल के पुलिस निरीक्षक और कटकमदाग थाना प्रभारी की उपस्थिति में थाने के नए एवं पुराने सभी लंबित कांडों की गहन समीक्षा की गई और पुलिस अधिकारियों को कई सख्त निर्देश दिए गए। **लंबित कांडों का प्राथमिकता के आधार पर हो निष्पादन**:एसपी ने वर्ष 2026 से पूर्व और वर्तमान समय के सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए उनके अविलंब निष्पादन का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामलों के त्वरित निपटारे में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। **वारंट, इश्तेहार और कुर्की-जब्ती के खिलाफ विशेष अभियान**:कटकमदाग थाना क्षेत्र में लंबित जमानती व गैर-जमानती वारंट, इश्तेहार तथा कुर्की-जब्ती के मामलों को तेजी से निपटाने के लिए एक विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। **हर सोमवार को होगी अनिवार्य समीक्षा बैठक**:पुलिस कामकाज में पारदर्शिता और तेजी लाने के उद्देश्य से यह तय किया गया है कि अब प्रत्येक सोमवार को थाना स्तर पर सभी पुलिस पदाधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें पिछले सप्ताह के लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। **अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान**:बैठक में अवैध मादक पदार्थों (नशे के कारोबार) की खरीद-बिक्री वाले ठिकानों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस को ऐसे अवैध धंधों में संलिप्त अपराधियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाकर तत्काल गिरफ्तार करने का सख्त आदेश मिला है। **संगठित अपराध पर नकेल**:संगठित अपराध से जुड़े लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने और उनमें संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। **जनशिकायतों का समयबद्ध समाधान**:थानों में आने वाले आम नागरिकों की समस्याओं को पूरी गंभीरता से सुनने और उनका समय पर संतोषजनक निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश भी थाने के अधिकारियों को दिए गए हैं। **'थाना दिवस' पर भूमि विवादों का समाधान**:जमीन विवाद से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित समाधान के लिए 'थाना दिवस' के दिन मामलों की समीक्षा करने को कहा गया है। इसके साथ ही, नियमानुसार संबंधित अंचलाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारी के पास पत्राचार कर आवश्यक अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कारी झरना चट्टान धाम झरपो का ऐतिहासिक सचः 2002 में महंत राम लखन पाण्डेय ने ग्रामीणों संग की थी खोज, अब ट्रस्ट सूची से नाम गायब होने पर उठे सवाल



हजारीबाग। हजारीबाग जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक व प्राकृतिक पर्यटन केंद्र 'कारी झरना चट्टान धाम (झरपो)' के प्राकट्य और इतिहास को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। वर्ष 2002 में वीरान जंगल के बीच स्थित इस अलौकिक स्थल की खोज झरपो राधा-कृष्ण मंदिर (ठाकुरबाड़ी) के महंत राम लखन पाण्डेय (पिता स्व. नजीर पाण्डेय) ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2002 में महंत राम लखन पाण्डेय ने ग्रामीणों के साथ मिलकर सबसे पहले इस घने जंगल और चट्टानों के बीच पहुंचकर सर्व प्रथम विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आराधना शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने ही इस स्थल के धार्मिक और प्राकृतिक महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए बताया था कि इस धाम में प्रकृति के अनमोल उपहार और कई अद्भुत आकृतियां विद्यमान हैं. महंत राम लखन पाण्डेय द्वारा उजागर की गई प्राकृतिक आकृतियों में मुख्य रूप सेः कच्छप (कछुआ) एवं मत्स्य (मछली) स्वरूप,27 दीप एवं सप्त दीप,भगवान विष्णु के पद चिह्न, गेंडा स्वरूप एवं वाराह रूप,मां काली का स्वरूप,नागराज एवं गजराज की मनोरम आकृतियां शामिल हैं। इन अद्भुत शिला-आकृतियों और प्राकृतिक सुंदरता के सामने आने के बाद ही यह स्थल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना। हालांकि, सूत्रों से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, कारी झरना चट्टान धाम के व्यवस्थित संचालन और संरक्षण के लिए एक 'ट्रस्ट समूह' का गठन किया जा रहा था। लेकिन ट्रस्ट के लिए तैयार की गई सूची में इस धाम की खोज करने वाले और प्रथम पूजक महंत राम लखन पाण्डेय का नाम गायब पाया गया है। संस्थापक और प्रथम पुजारी का नाम ट्रस्ट की सूची में न होने से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ग्रामीणों का मानना है कि जिस स्थल को वीरान जंगल से निकालकर धार्मिक पहचान दिलाई गई, उसके विकास और प्रबंधन में संस्थापक की उपेक्षा चिंता का विषय है।

अमूल दूध संग्रह कर किसानों को स्वावलंबी बना रहे नरेश कुमार साहू, सैकड़ों किसानों को मिल रहा रोजगार का अवसर

» वार्षिक बोनस कार्यक्रम में किसानों को बाल्टी, जग व शॉल देकर किया गया सम्मानित, आर्थिक मजबूती की दिशा में पहल की सराहना



किस्को/लोहरदगा। लोहरदगा जिले के किस्को प्रखंड अंतर्गत ग्राम होंदगा निवासी नरेश कुमार साहू क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में सराहनीय पहल कर रहे हैं। वर्ष 2024 से वे क्षेत्र के किसानों से उचित दर पर अमूल दूध का संग्रह कर रहे हैं। इस पहल से जुड़कर क्षेत्र के सैकड़ों किसान प्रतिदिन दूध उत्पादन के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ाने व परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में जुटे हैं। अमूल दूध संग्रह केंद्र के संचालक सह सचिव नरेश कुमार साहू का उद्देश्य ग्रामीण किसानों को दूध उत्पादन के माध्यम से रोजगार का बेहतर अवसर उपलब्ध कराना व उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उनका कहना है कि लंबे समय से सपना था कि क्षेत्र के किसानों को कम लागत व उचित मूल्य पर दूध व्यवसाय से जोड़ा जाए, ताकि ग्रामीण परिवारों को रोजगार के लिए दूसरे स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। इसी सोच को धरातल पर उतारने का प्रयास वर्ष 2024 से लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों के उत्साहवर्धन व उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से वार्षिक बोनस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों किसान शामिल हुए। इस दौरान संचालक नरेश कुमार साहू ने किसानों को बाल्टी, जग व शॉल देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर किसानों में भी खुशी व उत्साह देखने को मिला। सचिव नरेश कुमार साहू ने कहा कि किसानों की मेहनत व सहयोग से ही यह पहल आगे बढ़ रही है। उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में इस व्यवस्था को व बेहतर बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इससे जुड़कर नियमित आमदनी प्राप्त कर सकें। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को व बेहतर तरीके से आयोजित करने का भरोसा दिलाया। ग्रामीण क्षेत्र में दूध संग्रह की यह पहल किसानों के लिए अतिरिक्त आमदनी का माध्यम बनने के साथ-साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। मौके पर जब्बार शाह, जीतेंद्र शाहदेव, मरियम खातुन, रुस्तम अंसारी, जगरनाथ साहू, सीमा देवी, शांति कुमारी, सैनूल अंसारी, जुमेरन खातुन, संतोष उरांव, सुदर्शन यादव, अरविंद सिंह समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

झारखंड के आर्थिक विकास का रोडमैप तैयार करेंगे प्रोफेशनल्स : मधु यास्की गौड़

नई सोच एक्सप्रेस

» 'थिंक 2029 – प्रोफेशनल्स फॉर इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन' में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और औद्योगिक विकास पर हुआ मंथन

रांची। झारखंड के आर्थिक विकास को नई दिशा देने और राज्य की संभावनाओं को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से बुधवार को होटल बीएनआर चाणक्य में 'थिंक 2029 – प्रोफेशनल्स फॉर इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन' का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस, झारखंड की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में देश और राज्य के प्रतिष्ठित डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षाविद्, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कानून विशेषज्ञ, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में झारखंड की आर्थिक संभावनाओं, विकास की चुनौतियों, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की नीतिगत दिशा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश महासचिव सह प्रोफेशनल्स प्रभारी आदित्य विक्रम जायसवाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू, ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधु यास्की गौड़, लेखक एवं स्तंभकार सुवीर सरन तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश उपस्थित रहे। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की समेत कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अतिथियों का स्वागत झारखंड की पारंपरिक नृत्य-संगीत प्रस्तुतियों के माध्यम से किया गया। प्रोफेशनल्स कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मधु यास्की गौड़ ने कहा कि देश के निर्माण में प्रोफेशनल्स की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कांग्रेस की स्थापना से लेकर आजादी की लड़ाई तक डॉक्टरों, वकीलों, इंजीनियरों और अन्य विशेषज्ञों ने योगदान दिया। आज भी राष्ट्र निर्माण में प्रोफेशनल्स की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया गया है और अब लोकतांत्रिक व्यवस्था को फिर से मजबूत करने की जरूरत है। झारखंड जल, जंगल और जमीन के साथ मानव एवं प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था और सिंगल विंडो सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए विशेषज्ञों के सुझावों पर काम किया जाएगा। जल, जंगल और जमीन के मुद्दे पर भी प्रोफेशनल पैनल गठित किया जाएगा। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि प्रोफेशनल्स कांग्रेस का उद्देश्य ऐसे विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हों। विकास के साथ समानता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों तक विभिन्न विषयों पर प्रोफेशनल्स के साथ निरंतर संवाद किया जाएगा, ताकि उनके अनुभव और सुझावों के आधार पर झारखंड का विजन तैयार किया जा सके। लक्ष्य झारखंड को ऐसा मॉडल राज्य बनाना है, जहां हर परिवार को शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास का समान अवसर मिले। लेखक एवं स्तंभकार सुवीर सरन ने कहा कि इस सम्मेलन में उन्हें ऐसे लोग दिखाई दिए, जो देश के भविष्य को लेकर गंभीर सोच और स्पष्ट विजन रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसके दूरदर्शी नेताओं और विचारों से रही है। आज भी देश में ऐसे प्रतिभाशाली पुरुष और महिलाएं हैं, जो युवाओं को सशक्त बनाने और भारत के भविष्य को बेहतर दिशा देने की क्षमता रखते हैं। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस का गठन वर्ष 2017 में इस उद्देश्य से किया गया था कि विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ एक मंच पर आकर नीतिगत फैसलों में सरकार को अपने सुझाव और दृष्टिकोण दे सकें। स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स की भागीदारी से बेहतर नीतियां तैयार करने में मदद मिलेगी। आयोजक आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि झारखंड में प्रतिभा, अवसर और संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि जरूरत बेहतर मार्गदर्शन और ठोस नीतियों की है। प्रोफेशनल्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट, बुद्धिजीवियों और अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर ऐसी नीतियां तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए पलायन न करना पड़े। राज्य में ही औद्योगिक विकास, युवा रोजगार और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सुझावों को नीतियों में बदलकर धरातल पर उतारने का संकल्प लिया गया है। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने किया। पैनल चर्चा में तुलसी पटेल, रणजीत गड़ोदिया, डॉ. जावेद अहमद, डॉ. संजय कुमार, विकास रंजन सहाय, शंभुनाथ चौधरी, उत्कर्ष मिश्रा, जोगेश गंभीर, सुनील कुमार मेहता, आदर्श राज, सिमरन, प्रभात अग्रवाल और अपर्णा गुप्ता ने अपने सुझाव रखे। इस अवसर पर आलोक दुबे, डॉ. राजेश गुप्ता, रमा खलको, शशि भूषण, राजीव रंजन प्रसाद, सतीश पॉल, डॉ. एम. तौसीफ, महानगर अध्यक्ष डॉ. कुमार राजा, सुरेंद्र सिंह, राजन वर्मा, सुरेन राम, अभिजीत राज और सूर्यकांत शुक्ला समेत कई कांग्रेस नेता उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीए भुवनेश ठाकुर, प्रभात अग्रवाल, रुद्र शुक्ला, मनीष जैन, इशिका, करिश्मा कुमारी, सिमरन कौर, अफसर इमाम, गौरव, सरवर पॉल, विकास आदित्य, अनिल सिंह, हिमांशु और दामोदर प्रसाद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हजारीबाग नगर निगम के विवाद में पत्रकारों की कलम पर दबाव नहीं, प्रशासन से जवाबदेही अपेक्षित है— प्रो. डॉ. यदुनाथ पांडेय

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग। लोकतंत्र में पत्रकारिता और प्रशासन के बीच हाल ही में सामने आए घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद एवं झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रो. डॉ. यदुनाथ पांडेय ने नगर निगम प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पत्रकारों की कलम को दबाने का कोई भी प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और प्रशासन को पत्रकारों से उलझने के बजाय अपनी जवाबदेही तय करनी चाहिए। छठ महापर्व से ठीक पहले घाटों पर स्टोन डस्ट बिछाने के लिए लगभग 9.5 लाख रुपये का टेंडर निकाला गया था। इस निर्णय की समयबद्धता, औचित्य और जनहित को लेकर स्थानीय पत्रकारों द्वारा सवाल उठाए गए थे। डॉ. पांडेय के अनुसार, यह सवाल उठाना पूरी तरह स्वाभाविक था, लेकिन इसके बाद जो हुआ वह अत्यंत चिंताजनक है। डॉ. पांडेय ने घटना पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि यदि किसी प्रशासनिक निर्णय पर पत्रकार सवाल पूछते हैं, तो उसका उत्तर तथ्यों और पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। लेकिन सवालों का सामना करने के बजाय नगर आयुक्त का अपनी पूरी टीम के साथ प्रेस क्लब पहुँचना और पत्रकारों से संस्था के कागजात मांगना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा, "आखिर प्रशासनिक अधिकारियों को इन सवालों से इतनी असहजता क्यों है?" **लोकतंत्र का मूल आधार है सवाल पूछना**:पूर्व सांसद ने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता को प्रशासन की अनुमति या कृपा की आवश्यकता कतई नहीं है। पत्रकारों का काम केवल सत्ता की प्रशंसा करना नहीं, बल्कि जनहित में उसकी नीतियों, निर्णयों और कार्यप्रणाली की समीक्षा करना है। "पत्रकारों की कलम पर दबाव नहीं, प्रशासन से जवाबदेही अपेक्षित है।" सत्ता, प्रशासन और जनप्रतिनिधि—सभी जनता के प्रति जवाबदेह हैं। पत्रकारों के सवालों को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने के बजाय उन्हें गंभीरता से सुना जाना चाहिए। प्रशासनिक पद की गरिमा धौंस या दबाव बनाने से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही से बढ़ती है। **पत्रकारों के स्वाभिमान के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं**:बयान के अंत में प्रो. डॉ. यदुनाथ पांडेय ने हजारीबाग के पत्रकारों के सम्मान, स्वाभिमान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति अपनी पूर्ण एकजुटता व्यक्त की है। उन्होंने दोहराया कि सवाल पूछना लोकतंत्र का अधिकार है और उसका उत्तर देना प्रशासन की नैतिक व प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

हजारीबाग प्रेस क्लब में पत्रकारों के साथ नगर आयुक्त के अभद्र व्यवहार पर सांसद मनीष जायसवाल ने जताई कड़ी नाराजगी

नई सोच एक्सप्रेस



हजारीबाग। पुराने समाहरणालय परिसर स्थित हजारीबाग प्रेस क्लब में बीते मंगलवार को नगर आयुक्त द्वारा पत्रकारों के साथ कथित अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना को लेकर अब राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने इस पूरे प्रकरण की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रहार करार दिया है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि पत्रकारों के साथ इस प्रकार का व्यवहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। पत्रकार लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और जनता की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का काम करते हैं। ऐसे में उनके साथ अभद्रता करना बेहद निंदनीय है। सांसद ने प्रेस क्लब के स्वामित्व और अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुराने समाहरणालय स्थित हजारीबाग प्रेस क्लब राज्य सरकार की संपत्ति है। उपायुक्त इसके केयरटेकर हैं और इसी कार्यालय द्वारा प्रेस क्लब का आवंटन किया गया है। ऐसे में नगर निगम का इस संपत्ति पर स्वामित्व को लेकर सवाल खड़ा करना समझ से परे है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस मामले में नगर निगम की भूमिका और अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। मनीष जायसवाल ने कहा कि यदि नगर आयुक्त द्वारा पत्रकारों के ऊपर इस तरह का प्रहार किया गया है, तो यह पूरी तरह गलत है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर इस प्रकार का हमला न केवल निंदनीय है, बल्कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आशंका जताई कि यह पत्रकारों की आवाज दबाने की एक नाकाम कोशिश भी हो सकती है। सांसद ने नगर आयुक्त द्वारा पत्रकारों पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के लगाए गए आरोपों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त को स्पष्ट करना होगा कि आखिर पत्रकारों ने किस प्रकार उनके सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। केवल आरोप लगा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके पीछे का आधार और पूरी परिस्थिति भी सार्वजनिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ इस तरह का व्यवहार हमारे सामाजिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। समाज में पत्रकारों का सम्मान और उनकी स्वतंत्रता सुरक्षित रहनी चाहिए।

झारखंड के दो राष्ट्रीय राजमार्ग बने 'मौत के हाईवे', गडकरी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

नई सोच एक्सप्रेस



» NH-19 के चौपारण-गोरहर और NH-20 के चुटुपालू-चरही घाटी में लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर जताई चिंता; 15 वर्षों में 30 हजार से अधिक मौतों का दावा

हजारीबाग।बरही झारखंड के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को लेकर आजसू नेता संजय मेहता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। इस संबंध में उन्होंने मंत्रालय को पत्र लिखकर NH-19 (पुराना NH-2) के चोरदाहा-चौपारण-गोरहर तथा NH-20 (पुराना NH-33) के बरही-चुटुपालू-तैमारा घाटी खंड में प्रभावी सड़क सुरक्षा उपाय करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से बताया कि पिछले 15 वर्षों में इन दोनों राष्ट्रीय राजमार्गों पर 30 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। चौपारण में सात लोगों की हालिया मौत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।NH-19 के चोरदाहा-गोरहर खंड में लंबे समय से चल रहे सिक्सलेन निर्माण कार्य की धीमी गति, अधूरी सड़क, खतरनाक डायवर्जन, गड्ढे और सुरक्षा संकेतकों की कमी को दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह बताया। दनुआ घाटी सहित चौपारण और बरही के 18 दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है।वहीं NH-20 पर इचाक मोड़, सिंघानी, चरही घाटी, चरही चौक तथा चुटुपालू घाटी को अत्यंत संवेदनशील बताया है। उन्होंने विशेष रूप से चुटुपालू घाटी में प्रतिदिन चार-पांच दुर्घटनाएं होने का हवाला देते हुए विशेषज्ञों से तकनीकी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने पत्र में NHAI के अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पिछले सात-आठ वर्षों में 200 से अधिक पत्र लिखे जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। 18 फरवरी 2026 को भी NHAI के क्षेत्रीय अधिकारी, रांची को इस संबंध में पत्र भेजा गया था।केंद्रीय मंत्री से दोनों राष्ट्रीय राजमार्गों का तत्काल सड़क सुरक्षा ऑडिट कराने, खतरनाक स्थलों पर बैरिकेडिंग, संकेतक और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने,अधूरे निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने तथा पिछले 10-15 वर्षों के दुर्घटनाओं और मौतों के आधिकारिक आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने पत्र में गडकरी से झारखंड आकर स्वयं दुर्घटनाग्रस्त स्थलों का निरीक्षण करने की अपील की गई है। कहा गया है कि निर्माण एजेंसियों और लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। सड़क निर्माण से अधिक महत्वपूर्ण लोगों की जिंदगी है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय और NHAI की समयबद्ध पहल से हजारों लोगों की जान बचा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भगवान चित्रगुप्त जन्मोत्सव पर कायस्थ महासभा ने किया दीपदान



बरेली।यम द्वितीया के दिन आज कायस्थ महासभा ने चित्रगुप्त चौक कोहाडापीर पर पूजा अर्चना की साथ ही दीपदान कर आरती की गई । इस अवसर पर वेद प्रकाश सक्सेना कातिब, डॉ विकास वर्मा, डॉ सुबोध अस्थाना,अनूप सक्सेना, शांतनु सक्सेना,धर्मेंद्र सक्सेना, प्रदीप सक्सेना, डब्बल भटनागर, सुंदरम सक्सेना गोलू,सुनील सक्सेना मिलन, अभिषेक नाथ, विकास सक्सेना नीटू आदि उपस्थित रहे।

छठ महापर्व की तैयारियों का बीसीसीएल सीएमडी ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश



धनबाद। मानसरोवर छठ तालाब के लोकार्पण समारोह के पश्चात भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल ने निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह व निदेशक (वित्त व मानव संसाधन) राजेश कुमार के साथ छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण बुधवार को किया। इस दौरान सीएमडी ने छठ घाट पर छठव्रतियों व श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने घाट परिसर में साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग व अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की। सीएमडी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ महापर्व से पूर्व सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी कर ली जाएं, ताकि व्रतियों व श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने पर्व के दौरान सुरक्षा व स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने व श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से छठ महापर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ व सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

केंदुआ में लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां जोरो पर, 5 नंबर छठ तालाब पर युद्धस्तर पर सफाई जारी, लगेगी मेला



केंदुआ। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर केंदुआडीह क्षेत्र के सभी प्रमुख छठ घाटों पर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में केंदुआ 5 नंबर स्थित ऐतिहासिक छठ तालाब पर भी महापर्व को लेकर युद्धस्तर पर कार्य चल रहा है। नगर निगम के सफाई कर्मी तालाब परिसर की व्यापक सफाई व स्वच्छ जल भरने के काम में जुटे हुए हैं। यह तालाब केंदुआडीह क्षेत्र का एक मुख्य व प्रमुख छठ घाट माना जाता है। यहां केंदुआ बाजार, ईबी सेक्शन, केंदुआडीह नया धौड़ा समेत आसपास के तमाम मोहल्लों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अस्ताचलगामी व उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने पहुंचते हैं। छठ पूजा समिति के अध्यक्ष अवधेश पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले कई वर्षों से 'ए-ऑन क्लब' के सदस्य पूरी निष्ठा व श्रद्धा भाव के साथ यहां छठ महापर्व का आयोजन करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी परंपरा के अनुसार तालाब परिसर में भगवान भास्कर की भव्य प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे तालाब व आसपास के मार्गों को आकर्षक विद्युत सज्जा (लाइटिंग) से सजाया जाएगा। इसके साथ ही महापर्व के अवसर पर स्थानीय लोगों व बच्चों के लिए मेले का भी आयोजन किया जाएगा। जिसकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। समिति के सभी सदस्य तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मौके पर अजित पासवान, दिलीप पासवान, फागु पासवान, राजेंद्र पासवान, राजा मोदी, अजय पासवान, बंटी पासवान, गुड्डु पासवान, बुधन पासवान पर मौजूद थे।

एसपी ऋषभ गर्ग ने छठ घाटों पर सुरक्षा व सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का दिया निर्देश

खूंटी। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर खूंटी जिला प्रशासन व पुलिस बल पूरी तरह से अलर्ट मोड पर हैं। बुधवार को एसपी ऋषभ गर्ग ने अन्य वरीय पुलिस अधिकारियों व बल के साथ शहर के विभिन्न प्रमुख छठ घाटों का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ऋषभ गर्ग ने राजा तालाब, चौधरी तालाब, साहू तालाब सहित आसपास के अन्य प्रमुख छठ घाटों का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था व साफ-सफाई की तैयारियों की समीक्षा की। एसपी ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि महापर्व के दौरान छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि अर्घ्य देने के दौरान घाटों पर अत्यधिक भीड़ जुटती है, इसे ध्यान में रखते हुए मजबूत सुरक्षा इंतजाम, बैरिकेडिंग व गोताखोरों की तैनाती की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने व गश्ती बढ़ाने के भी निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी के साथ पुलिस बल के जवान व अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य महापर्व छठ को शांतिपूर्ण, सुरक्षित व सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न कराना है।

काशी में धूमधाम से मना ऐतिहासिक गोवर्धन पूजनोत्सव, उमड़ा जनसैलाब

नई सोच एक्सप्रेस



» मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न क्षेत्रों की 11 विभूतियों को किया सम्मानित

वाराणसी। गोवर्धन पूजा समिति की ओर से अध्यक्ष विनोद यादव गप्पू की अध्यक्षता में काशी में ऐतिहासिक गोवर्धन पूजनोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 11 विभूतियों को सम्मानित किया। पूजनोत्सव की शुरुआत गोवर्धन धाम में सुबह की आरती और विधिवत हवन-पूजन के साथ हुई। इसके बाद दोपहर 12 बजे चेतगंज स्थित हथुआ मार्केट से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र यादव ने इसका उद्घाटन किया। शोभायात्रा लहुराबीर, कबीरचौरा, मैदागिन, मछोदरी, प्रह्लादघाट और भैंसासुर होते हुए नमो घाट पहुंची। रास्ते भर विभिन्न व्यापारिक एवं सामाजिक संगठनों ने शोभायात्रा का स्वागत किया तथा श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की। इस अवसर पर साहित्य एवं अनुसंधान के क्षेत्र में प्रो. आशा यादव, न्यायिक क्षेत्र में पूर्व न्यायाधीश महेंद्र सिंह यादव, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. कुमार भास्कर, खेल के क्षेत्र में शिखा यादव, योग शिक्षा में प्रो. संबित भूषण, विज्ञान एवं अनुसंधान में अमित यादव, विधि के क्षेत्र में देवी प्रसाद यादव, समाजसेवा में रविंद्र यादव तथा कुश्ती प्रशिक्षण के क्षेत्र में चंद्रिका यादव को 'गोवर्धन श्री सम्मान' प्रदान किया गया। वहीं, स्व. अलखनाथ सामाजिक प्रतीक सम्मान से बीएचयू के सेवानिवृत्त कर्मचारी सियाराम यादव को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारूप की घोषणा ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष गोपाल जी यादव ने की। इसके बाद समिति अध्यक्ष विनोद यादव गप्पू ने स्वागत भाषण के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया। मंच का संचालन समिति के महामंत्री जयप्रकाश यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. शिवनाथ यादव, इंजीनियर अशोक यादव, कैलाश यादव, सीताराम यादव, राजेश अहीर, दिनेश यादव, अशोक यादव धुली, विजय यादव, लाल बच्चन, पारस यादव पप्पू, करण सिंह यादव (दिल्ली), इंजीनियर अनिल यादव, मुकेश प्रधान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी अंजनी कुमार तिवारी का निधन

नई सोच एक्सप्रेस

जमशेदपुर। झारखंड पुलिस के पूर्व पुलिस उपनिरीक्षक अंजनी कुमार तिवारी का बुधवार सुबह टीएमएच, जमशेदपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे व अस्पताल में उनका उपचार जारी था। जीवन के लिए चल रही जंग के बीच बुधवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही झारखंड व बिहार सहित उनके परिचितों, सहकर्मियों व शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। अंजनी कुमार तिवारी ने झारखंड पुलिस में अपने सेवाकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण जिलों में जिम्मेदारी संभाली थी। वे अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण, अनुशासन व ईमानदारी के लिए पुलिस विभाग में सम्मानित रहे। पुलिस सेवा के दौरान उनके कार्य व्यवहार व जिम्मेदारी निभाने के तरीके को सहकर्मी आज भी याद करते हैं। उनके निधन को पुलिस विभाग के साथ-साथ उनके परिचितों व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार अंजनी कुमार तिवारी का अंतिम दर्शन 12 नवंबर 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक उनके निवास स्थान डुप्लीकेट नंबर 1ए, सुंदर गार्डन, संजय पथ, डिमना रोड, पूर्वी सिंहभूम में होगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे पार्वती घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंजनी कुमार तिवारी अपने पीछे पत्नी रजनी पाण्डेय व दो पुत्रियों श्वेता व निधि को छोड़ गए हैं।

रोशनी, कला और संस्कृति के चार दिवसीय उत्सव 'आलोकमय कोलकाता' का समापन

नई सोच एक्सप्रेस

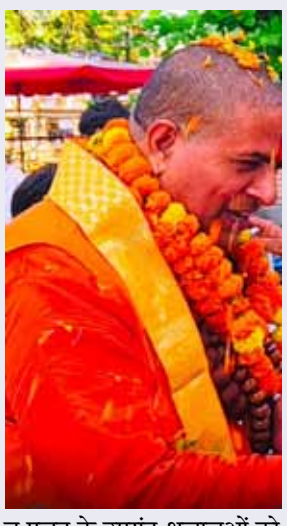


» अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने समापन समारोह में की शिरकत, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता हुए सम्मानित

कोलकाता। श्याम मेटालिक्स की ओर से दीपावली के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय उत्सव 'आलोकमय कोलकाता' का समापन 9 नवंबर को एक्रोपोलिस मॉल में हुआ। 6 से 9 नवंबर तक चले इस आयोजन में रोशनी, कला, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से कोलकाता की सांस्कृतिक विरासत और उत्सवधर्मिता को प्रदर्शित किया गया। समापन समारोह में प्रसिद्ध अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित कर उपहार प्रदान किए गए। उत्सव में श्याम मेटालिक्स के एसईएल टाइगर टीएमटी बार और रूफिंग शीट से तैयार आकर्षक कलाकृतियां विशेष आकर्षण रहीं। टीएमटी बार से रोशनी का पेड़ बनाया गया, जबकि रूफिंग शीट से कोलकाता की पहचान से जुड़ी विरासती ट्राम और पारंपरिक टैक्सी की कलाकृतियां तैयार की गईं। इसके अलावा आकर्षक तोरण-द्वार और रोशनी से सजी सजावट ने लोगों का ध्यान खींचा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। 6 नवंबर को फूलों की रंगोली, 7 नवंबर को रंगोली प्रतियोगिता और 8 नवंबर को दीया पेंटिंग का आयोजन हुआ। इसमें लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्याम मेटालिक्स के मुख्य परिचालन अधिकारी निर्मल उदय ने कहा कि 'आलोकमय कोलकाता' के माध्यम से कंपनी ने शहर की परंपराओं, रचनात्मकता और सामुदायिक एकजुटता का उत्सव मनाने का प्रयास किया है। कंपनी का उद्देश्य केवल उत्पादों के निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि लोगों और समुदायों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना भी है। यह आयोजन इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

जग ज्योति दरबार में यम द्वितीया का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस



» दरबार में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माथा टेका एवं हवन में आहुति डाली

कुरुक्षेत्र।जग ज्योति दरबार में त्यौहार एवं उत्सव के अवसर पर महंत राजेंद्र पुरी के मार्गदर्शन में आध्यात्मिक दृष्टि से पूजन एवं अनुष्ठान विशेष होता है। बुधवार को जग ज्योति दरबार में यम द्वितीया का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास के प्रतीक पर्व यम द्वितीया के अवसर पर जग ज्योति दरबार में विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। महंत राजेंद्र पुरी और अन्य संतों के पावन सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजन किया गया तथा हवन में पूर्ण आहुतियां दी गई। यम द्वितीया पर्व के विशेष अवसर पर दरबार में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माथा टेका और हवन में आहुति डालकर अपने भाई-बहनों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की। पूरा परिसर धार्मिक जयकारों और मंत्रोच्चार से गूंज उठा। हवन व पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं को महंत राजेंद्र पुरी ने यम द्वितीया (भाई दूज) के पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व बारे विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि यह पर्व यमराज और उनकी बहन यमुना के प्रेम का प्रतीक है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूती और सुरक्षा प्रदान करता है। इस दिन विधि-विधान से पूजन करने से जीवन में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस मौके पर कुंदन लाल, किशन चंद, हरि दास रहेजा, मुकुल रहेजा, आदित्य कुमार, हर्ष वधवा, नितिन अरोड़ा, सुरेंद्र सिंह, बलवान सिंह, अवतार, मनप्रीत सिंह, अजय राठी, विजय राठी व अक्षय राठी इत्यादि भी मौजूद रहे।

प्रेरणा वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने भाई बहन के प्यार का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया

नई सोच एक्सप्रेस



» वृद्धाश्रम की बुजुर्ग माताओं एवं बहनों ने प्रेरणा संस्था के सभी सदस्यों को तिलक किया

कुरुक्षेत्र।अपनों द्वारा ठुकराए जाने तथा घरों से निकाले गए बुजुर्गों को प्रेरणा वृद्धाश्रम में आश्रय लेने के बाद कभी अकेलेपन का अहसास नहीं होता है। वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के लिए प्रेरणा संस्था के सदस्यों के प्रयासों से हर त्यौहार विशेष ही होता है। इसी लिए हर बार की भांति भाई बहन के प्यार का त्यौहार वृद्धाश्रम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने बताया कि भैया दूज के पावन पवित्र त्यौहार पर वृद्धाश्रम में रहने वाली सभी बुजुर्ग माताओं एवं बहनों ने प्रेरणा संस्था के सभी सदस्यों को तिलक किया तथा मिठाई से उनका मुंह मीठा कराया। उन्होंने प्रभु से उनकी दीर्घायु एवं स्वस्थ आयु की कामना की। वृद्धाश्रम में रहने वाली बुजुर्ग बहन क्षमा मल्होत्रा ने सभी को भाई -दूज के त्यौहार की कहानी सुनाई और सबको इस त्यौहार के महत्व से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि जो भाई आज के दिन बहन के हाथों से अपने माथे पर तिलक करवाता है, यमराज द्वारा अपनी बहन यमुना को दिए गए वरदान के प्रभाव से उसको कभी अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता। प्रेरणा के सभी सदस्यों ने भी सभी बुजुर्ग माता- बहनों का यथोचित सत्कार किया और प्रभु से उनकी स्वस्थ आयु की कामना की। प्रेरणा वृद्धाश्रम में रहने वाली सभी बुजुर्ग माता- बहनों और वृद्ध- जनों को प्रेरणा संस्था के सभी सदस्यों ने अपने परिवार का सदस्य मानकर उन का मान सम्मान किया। साथ ही सेवा, सुरक्षा और सम्मान की भावना से उनका ध्यान रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रेरणा सदस्य किरण गर्ग, हरकेश पपोसा, रामलाल सिंगला, सुरेखा, आशा सिंगला ने भी बुजुर्गों के प्रति अपने मन के उदगार प्रकट किए और प्रभु से प्रार्थना की कि प्रभु उन्हें इतनी शक्ति दे कि वे उनकी भरपूर सेवा कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करने के अधिकारी बन सकें। इस अवसर पर श्याम सुंदर, प्रेम कुमार, बाला देवी, दीवान चंद, फूला रानी, ऊषा सच्चर, संतोष, बीरमति, बलविंदर, क्षमा, विजयलक्ष्मी, जोगिंदर, चंद्रकांत, ठक्कर श्रीवास्तव, अजीत, अशोक, भोला व बिशम्भर इत्यादि भी मौजूद रहे।

भाजपा की पुनः सरकार बनाने के संकल्प के साथ अमित जानी निकालेंगे पदयात्रा

नई सोच एक्सप्रेस



» 1 जनवरी 2027 से नोएडा से अयोध्या तक होगी संकल्प पदयात्रा, प्रदेशभर में जनसंपर्क कर जुटाएंगे समर्थन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज होने लगी है। इसी क्रम में अमित जानी ने प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाने के संकल्प के साथ नोएडा से अयोध्या तक पदयात्रा निकालने की घोषणा की है। यह संकल्प पदयात्रा 1 जनवरी 2027 से शुरू होगी। यात्रा के दौरान वे प्रदेश के विभिन्न जिलों में पहुंचकर लोगों से संवाद करेंगे और भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने का प्रयास करेंगे। अमित जानी उत्तर प्रदेश के मेरठ से संबंध रखते हैं और उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना के संस्थापक हैं। वे लंबे समय से प्रदेश की राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं। वर्ष 2012 में लखनऊ के आंबेडकर पार्क में मायावती की प्रतिमा से जुड़ी घटना के बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आए थे। वर्ष 2022 में उन्होंने सिवालखास विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव भी लड़ा था। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी उनकी सक्रियता रही है। वे फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' के निर्माता के रूप में भी चर्चा में रहे हैं। नोएडा से अयोध्या तक प्रस्तावित इस पदयात्रा को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक जनसंपर्क अभियान के रूप में देखा जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस यात्रा में किन राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों की भागीदारी होती है और प्रदेश के विभिन्न जिलों में इसे कितना जनसमर्थन मिलता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्री अग्रसेन धाम कुंडली में किया गोवर्धन पूजन

नई सोच एक्सप्रेस



सोनीपत, हरियाणा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्री अग्रसेन धाम, कुंडली पहुंचकर भगवान गोवर्धन जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने धाम में निर्माणाधीन भव्य मंदिर का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर रेखा गुप्ता ने कहा कि भगवान गोवर्धन जी की पूजा हमारी सनातन संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और लोककल्याण की भावना का प्रतीक है। श्री अग्रसेन धाम में इस भव्य आयोजन के माध्यम से हमारी समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर दर्शन हुआ। भगवान श्री गोवर्धन जी से सभी के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना करती हूं। श्री अग्रसेन धाम के संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि धाम में पिछले छह वर्षों से लगातार गोवर्धन महोत्सव पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष विशेष आकर्षण के रूप में 7100 किलोग्राम शुद्ध गाय के गोबर से भगवान गोवर्धन जी का 41 फुट लंबा भव्य विग्रह तैयार किया गया है, जिसकी परिक्रमा 108 पग की है। उन्होंने बताया कि सात दिनों तक भगवान की नियमित पूजा-अर्चना के साथ प्रतिदिन महाभोग अर्पित किया जाएगा तथा शाम को भव्य आरती होगी। कार्यक्रम में सोनीपत के मेयर राजीव जैन, जिला विकास समिति के अध्यक्ष एवं दिल्ली के मॉडल टाउन से विधायक अशोक गोयल देवराह, राजेंद्र गोयल (कत्थे वाले), नरेला मंडी के चेयरमैन सुरेश गर्ग, अजय गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, राजेश गुप्ता, असम के राज्यपाल के पूर्व सलाहकार अतुल सिंघल, महिला आयोग की पूर्व वाइस चेयरमैन सोनिया अग्रवाल तथा राष्ट्रपति एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। गोवर्धन पूजन समारोह को भव्य एवं सफल बनाने में वीरेंद्र बंसल, अनिल गोयल, राजेश गोयल, दीपक मंगला, राहुल सिंघल, मोहित गुप्ता (नरेला), रश्मि सिंघल, टीकाराम मित्तल सहित संस्था के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

माता-पिता का सम्मान व सेवा से बेहतर कुछ भी नहीं: विधायक

नई सोच एक्सप्रेस



खूंटी। कर्रा प्रखंड के गोविंदपुर में जनाब इश्तियाक खान के सौजन्य से बुधवार को आयोजित अजमत-ए-वालिदैन कॉन्फ्रेंस में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगों व ग्रामीणों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। साथ ही समाज में आपसी प्रेम, एकता व भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि माता-पिता का सम्मान करना, उनकी सेवा व देखभाल करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक व सामाजिक दायित्व है। माता-पिता से मिलने वाले संस्कार ही व्यक्ति के चरित्र निर्माण व एक बेहतर, संस्कारित व जिम्मेदार समाज की नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि परिवार में बड़ों का सम्मान व नई पीढ़ी में अच्छे संस्कार विकसित करना बेहद जरूरी है। विधायक ने कहा कि खूंटी जिला व तोरपा विधानसभा क्षेत्र आपसी एकता, प्रेम व भाईचारे की मिसाल है। यहां सभी धर्मों, जातियों व समुदायों के लोग आपसी सम्मान व सद्भाव के साथ रहते हैं व एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं। यही हमारी सामाजिक पहचान व सबसे बड़ी ताकत है। इस परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि झारखंड की खूबसूरती इसकी सांस्कृतिक विविधता व सामाजिक समरसता में है। सभी धर्मों व समुदायों का सम्मान करते हुए आपसी विश्वास व सद्भाव बनाए रखना आवश्यक है। ऐसे आयोजन सामाजिक रिश्तों व पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। मौके पर झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद, जमाल अख्तर, दिलबर शाही, जमाल अशरफ, हजरत मोहम्मद अहमद नक्शबंदी, हजरत मोहम्मद कलीम अशरफ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।



कैसे बनते हैं डॉक्टर

डॉक्टर बनना निस्संदेह सबसे अधिक मांग वाले प्रोफेशन में से एक है। डॉक्टरों की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में है। यह पेशा न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि डॉक्टरों की तरफ से समाज में दिए गए योगदान के कारण महान माना जाता है। भारत में एमबीबीएस की डिग्री अक्सर पेशे से संबंधित होती है, लेकिन एक मेडिकल प्रैक्टिशनर बनने के लिए इस कोर्स को करने के अलावा और भी बहुत कुछ जरूरी है.....

भारत में वर्तमान में क्या है डॉक्टरों की स्थिति

भारत में सरकारी और निजी दोनों संस्थान/विश्वविद्यालय हैं, जो एमबीबीएस कराते हैं। देश में इस समय एमबीबीएस की सीटों की कुल संख्या 1,07000 से कुछ अधिक है। वहीं, इन सीटों पर प्रवेश के लिए लगभग हर वर्ष 20 लाख छात्र NEET UG परीक्षा देते हैं। हालांकि, सिर्फ 5 प्रतिशत अभ्यर्थियों को ही क्वालिफाई किया जाता है।

क्या है एडमिशन का नियम

नीट यूजी परीक्षा पास करने के बाद अभ्यर्थियों मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित राज्य की अथॉरिटी की तरफ से आयोजित होने वाली काउंसलिंग में भाग लेना होता है। क्योंकि राज्य कोटे की सीटों पर राज्य अथॉरिटी की तरफ से एडमिशन दिया जाता है। जबकि केंद्र कोटे की सीटों पर एमसीसी की तरफ से काउंसलिंग आयोजित की जाती है। एमबीबीएस भारत में 5.5 वर्ष का है, जिसमें 4.5 वर्ष का पाठ्यक्रम और एक वर्ष की इंटर्नशिप शामिल है।

एम्स जैसे संस्थानों में पीजी के लिए देना होता है ये एग्जाम

एम्स दिल्ली जैसे भारत के कुछ पुराने कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए INICET (राष्ट्रीय महत्व संस्थान सामान्य प्रवेश परीक्षा) आयोजित करता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली पीजी पाठ्यक्रमों जैसे मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस), डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी), मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी (एमडीएस), डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। हर वर्ष करीब 2 लाख छात्र NEET PG और INICET देते हैं। सफल होने वाले छात्रों को 60,000 PG सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। वहीं, पीजी के बाद सर्जरी आदि में स्पेशलाइजेशन के लिए स्टूडेंट्स नीट एसएस आदि का एग्जाम दे सकते हैं।

सैलरी

MBBS, एमडी और सुपरस्पेशियलिटी के डॉक्टरों को लाखों रुपये की सैलरी दी जाती है। हालांकि, प्रैक्टिस के लिए उन्हें FMGE का एग्जाम देना होता है। क्योंकि प्रैक्टिस के लिए इस परीक्षा को पास करना जरूरी होता है।



एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर के रूप में चुनें करियर

यदि आप आसमानी ट्रैफ़िक को सुरक्षित रखने में रुचि रखते हैं और हवाई यातायात की गति पर नज़र रखने का चुनौतीपूर्ण कार्य करना चाहते हैं, तो एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी के रूप में करियर विकल्प चुन सकते हैं। एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी टकराव को रोकने के लिए और यातायात की भीड़ से उत्पन्न होने वाली देरी को कम करने के लिए स्थापित प्रक्रियाओं और नीतियों के अनुसार हवाई अड्डे के आसपास और भीतर हवाई यातायात को नियंत्रित करते हैं।

एक हवाई यातायात नियंत्रक हवाई यातायात के सुरक्षित, व्यवस्थित और कुशल आवागमन के लिए और हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्र में जिम्मेदार होता है। नियंत्रकों के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, लेकिन वे विमानों को भी आसानी से निर्देशित करते हैं ताकि देरी को कम किया जा सके, नामित हवाई अड्डों के माध्यम से हवाई अड्डे के यातायात को विनियमित किया जा सके और हवाई अड्डे के आगमन और प्रस्थान को विनियमित किया जा सके।

बहुत व्यस्त हवाई अड्डों में, हवा नियंत्रकों और जमीन नियंत्रकों के बीच काम विभाजित है। लैंडिंग के दौरान एयर नियंत्रक विमान का मार्गदर्शन करते हैं, जबकि ग्राउंड कंट्रोलर रनवे पर विमानों का प्रबंधन करते हैं, पार्किंग स्टैंड और होल्डिंग क्षेत्रों से विमानों को टैक्सी के रूप में निर्देश जारी करते हैं।

वायु यातायात नियंत्रकों की भूमिका

- आने और प्रस्थान करने वाले विमानों से रेडियो कॉल करना।
- लैंडिंग और टेक-ऑफ निर्देश और सूचना जारी करना।
- टेलीफोन या अंतर-फोन का उपयोग करके, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र से आने वाली उड़ानों के नियंत्रण को स्वीकार करने के लिए उड़ानों को स्थानांतरित करने पर नियंत्रण रखना।
- हवाईअड्डे के आपातकालीन कर्मचारियों और अन्य नामित कर्मियों को अलर्ट करते रहना, जब हवाई जहाज को उड़ान में कठिनाई होती है।
- एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी रेडियो का संचालन करता है और हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में काम करने वाले विमानों को नियंत्रित करने के लिए रडार की निगरानी करता है।

वायु यातायात नियंत्रकों के कौशल

संचार कौशल - जब पायलट निर्देशों के लिए नियंत्रण टॉवर से संपर्क करते हैं, तो हवाई यातायात नियंत्रकों को उनके अनुरोधों को ध्यान से सुनना चाहिए और स्पष्ट रूप से बोलकर जवाब देना चाहिए।

एकाग्रता कौशल और सतर्कता - वायु यातायात नियंत्रकों के लिए एकाग्रता कौशल और सतर्कता हर समय काम आती है। उन्हें अपने कार्य में एकाग्रता रखनी चाहिए।

निर्णय लेने का कौशल - नियंत्रकों को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। कई बार आपातकालीन स्थिति में उन्हें निर्णय लेने में देरी नहीं करनी चाहिए।

मल्टीटास्किंग स्किल्स - कंट्रोलर को कई फ्लाइट्स की क्रियाओं को समन्वित करने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें एक साथ कई कामों को करना आना चाहिए।

समस्या-समाधान कौशल - नियंत्रकों को जटिल परिस्थितियों को समझने और महत्वपूर्ण जानकारी की समीक्षा करने और पायलटों को एक उचित समाधान प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।

कार्य सारिणी

अधिकांश हवाई यातायात नियंत्रक पूरे समय काम करते हैं, और कुछ को अतिरिक्त घंटे काम करना चाहिए। क्योंकि अधिकांश नियंत्रण टॉवर और मार्ग केंद्र घड़ी के चारों ओर संचालित होते हैं, नियंत्रक दिन, शाम और रात के बीच पारियों को घुमाते हैं। कंट्रोलर सप्ताहांत और छुट्टी की पाली में भी काम करते हैं।

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी की करियर संभावनाएं

एयर ट्रैफ़िक कंट्रोलर या एटीसी एयरपोर्ट कंट्रोल ऑपरेटर, कंट्रोल टॉवर रेडियो ऑपरेटर, फ्लाइट कंट्रोल टॉवर ऑपरेटर, एयर ट्रैफिक कंट्रोल स्पेशलिस्ट (एटीसीएस), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर, सर्टिफाइड प्रोफेशनल कंट्रोलर (सीपीसी), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एनरूट ऑपशन), एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (टॉवर ऑपशन) आदि रुपों में काम कर सकते हैं।





बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनाएं अपना भविष्य

अगर आप भी खुद को और दूसरों को खूबसूरत बनाने में रूचि रखते हैं तो बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

आज के समय में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है, चाहे वह महिला हो या फिर पुरूष। सुंदरता बढ़ाने के लिए लोग मेकअप पर निर्भर हैं। घर से बाहर शायद ही कोई महिला बिना मेकअप के निकलती है। मेकअप के इस दौर को सबसे ज्यादा बढ़ावा दिया है, टेलीविजन, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री ने। इनके कारण पहले जहां सिर्फ महिलाएं ही मेकअप करती नजर आती थी, वहीं अब पुरूष भी इनसे पीछे नहीं हैं। इन सभी को खूबसूरत बनाने का काम करते हैं मेकअप आर्टिस्ट। मेकअप आर्टिस्ट ही वह व्यक्ति होता है जो किसी भी आर्टिस्ट को उसके किरदार में ढालने में एक अहम भूमिका निभाता है।

मेकअप आर्टिस्ट का कार्य

किसी भी चेहरे को सुंदर बनाना मेकअप आर्टिस्ट का मुख्य कार्य होता है। मेकअप आर्टिस्ट यह पता लगाता है कि किसी के चेहरे के अनुसार उस पर कैसा मेकअप सूट करेगा, वो व्यक्ति कैसे सुंदर लगेगा। ये सारा काम मेकअप आर्टिस्ट का होता है। फिल्मों और टीवी सीरियल में आपने देखा होगा कि कैसे एक सामान्य सी दिखने वाली लड़की बहुत सुंदर दिखने लगती है। ये सब मेकअप आर्टिस्ट का ही कमाल होता है। लड़कियों की तरह ही लड़कों का भी मेकअप होता है, जिससे वह ज्यादा स्मार्ट दिखें।

किस तरह का करें कोर्स

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए बुहत ज्यादा पढ़ाई की जरूरत नहीं पड़ती है, लेकिन इस क्षेत्र में महरत हासिल करने के लिए कोर्स की जरूरत पड़ती है, क्योंकि मेकअप किसी व्यक्ति की स्किन से जुड़ा मामला है, आपने कोई प्रॉडक्ट उस व्यक्ति पर लगाया और वो खराब हुआ तो उसकी स्किन हमेशा के लिए खराब हो सकती है। ऐसे में आपको मेकअप आर्टिस्ट से जुड़ा कोर्स जरूर करना चाहिए। जिसमे आप मेकअप और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट से जुड़ी बारीकियों को समझ सके। इसके लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं। इसमें दाखिला आप 12वीं के बाद ले सकते हैं। इन कोर्स में उम्र की कोई सीमा नहीं होती है।

इन स्किल्स की जरूरत

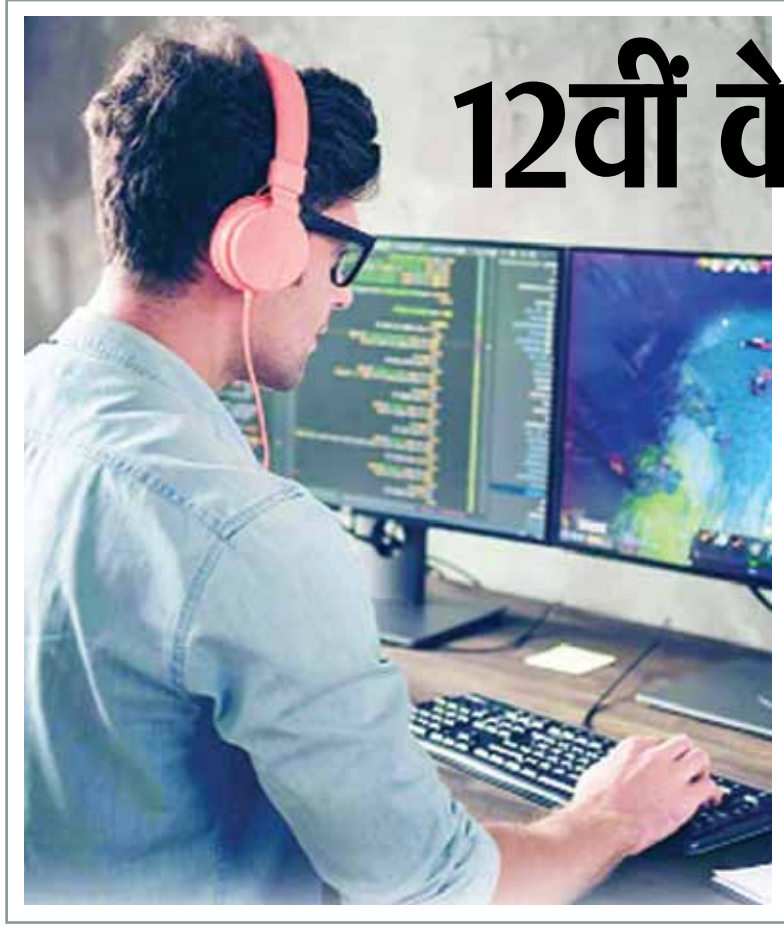
मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव माइंड होना बेहद आवश्यक है, जिससे आप अपने क्लाइंट की पर्सनैलिटी के अनुरूप मेकअप कर पाएं। हर चेहरा एक जैसा नहीं होता। इतना ही नहीं, जो व्यक्ति क्लाइंट की डिमांड और मौके के हिसाब से परफेक्ट मेकअप कर पाने में सक्षम होता है, उसे इस क्षेत्र में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। साथ ही एक मेकअप आर्टिस्ट को हर स्टाइल और गेटअप के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए आपको लेटेस्ट मेकअप ट्रेंड के बारे में हमेशा रिसर्च करती रहनी चाहिए।

करियर कहां बनाए

आप इस फील्ड में कई जगह करियर बना सकते हैं। अगर आप अपने काम में एक्सपर्ट हैं तो फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम कर प्रतिमाह लाखों रुपए कमा सकते हैं। बड़े- बड़े एक्टर्स को पर्सनल मेकअप आर्टिस्ट की तलाश होती है। इसके अलावा आप टीवी चैनल, प्रॉडक्शन हाउस, फैशन इंडस्ट्री में नौकरी की तलाश कर सकते हैं। यहां भी मेकअप आर्टिस्ट की काफी ज्यादा जरूरत होती है। अगर आप किसी के अधीन नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो आप खुद भी मेकअप का काम शुरू कर सकते हैं।

कितनी होगी सैलरी

मेकअप आर्टिस्ट की सैलरी आपके कार्य, कार्य स्थल और अनुभव पर निर्भर करता है। अगर आप फिल्मों, टीवी धारावाहिकों और अन्य स्थानों में कार्य कर रहे हैं तो प्रतिमाह लाखों रूपए कमा सकते हैं, वहीं अपना रोजगार शुरू करके भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं।



12वीं के बाद करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं। बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।



सूर्या से सनी देओल का पहला गाना जारी, उदित नारायण और कुमार सानू ने दी आवाज



अभिनेता सनी देओल की आगामी फिल्म 'सूयार्: अंत से आरंभ तक को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म का टीजर जारी होने के बाद अब निर्माताओं ने इसका पहला गीत 'सुनियो जरा रिलीज कर दिया है। इस गीत की खास बात यह है कि मशहूर गायक उदित नारायण और कुमार सानू 21 साल बाद एक बार फिर साथ आए हैं। गीत का फिल्मांकन सनी देओल और रवि किशन पर किया गया है। 'सुनियो जरा को उदित नारायण और कुमार सानू ने अपनी आवाज दी है। गायन में अनुपम अमोद ने भी उनका साथ दिया है। गीत का संगीत राही ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल प्रिया सरैया ने लिखे हैं। जी म्यूजिक कंपनी ने इसे जारी किया है। 'सुनियो जरा दोस्ती, पुरानी यादों और दो लोगों के बीच वर्षों से कायम रिश्ते की भावनाओं को सामने लाता है। गीत में सनी देओल और रवि किशन की मौजूदगी कहानी के दोस्ती वाले पहलू को उभारती है। उदित नारायण और कुमार सानू की आवाजों का साथ आना भी इस गीत को खास बनाता है। फिल्म 'सूयार्: अंत से आरंभ तक एक्शन और रोमांच से भरपूर कहानी पर आधारित है। इसमें सनी देओल एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का टीजर पहले ही जारी किया जा चुका है और अब पहला गीत सामने आने के बाद इसके प्रचार को आगे बढ़ाया जा रहा है। 'सूयार्: अंत से आरंभ तक 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कहानी और कलाकारों के अभिनय को लेकर दर्शकों की निगाहें अब इसके प्रदर्शन पर टिकी हैं।

दुलकर सलमान की फिल्म 'आकाशमलो ओका तारा का टीजर जारी, 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में होगी प्रदर्शित



दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता दुलकर सलमान अपनी नई फिल्म 'आकाशमलो ओका तारा के साथ तेलुगु सिनेमा में वापसी करने जा रहे हैं। पवन सादिनेनी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है, जिसमें सपनों, प्यार, उम्मीद और दृढ़ संकल्प से भरी एक भावुक कहानी की झलक देखने को मिलती है। फिल्म में दुलकर सलमान कृष्णा के किरदार में नजर आएंगे, जबकि नई अभिनेत्री सात्विका वीरवल्ली कल्पना की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म के टीजर में कृष्णा और कल्पना के रिश्ते तथा उनके जीवन के संघर्षों को दिखाया गया है। कल्पना पारिवारिक चुनौतियों और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना देखती है। वहीं, कृष्णा उसके सपनों को पूरा करने में उसका साथ देता है। दोनों की यह यात्रा प्यार, उम्मीद, त्याग और आपसी विश्वास की भावनाओं से जुड़ी हुई है। टीजर से संकेत मिलता है कि फिल्म केवल एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए संघर्ष करने और अपनों के सहयोग की अहमियत को भी दर्शाएगी। इस फिल्म के जरिए सात्विका वीरवल्ली मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपने अभिनय जीवन की शुरुआत कर रही हैं। दुलकर सलमान के साथ उनकी जोड़ी पहली बार पर्दे पर दिखाई देगी। इनके अलावा अभिनेत्री श्रुति हासन, मुरली शर्मा और स्वासिका भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में दुलकर सलमान की प्रभावशाली मौजूदगी कहानी को भावनात्मक गहराई देती है। वहीं, संगीतकार जी.वी. प्रकाश कुमार का संगीत फिल्म के भावनात्मक पक्ष को और प्रभावशाली बनाने में अहम भूमिका निभाता है। संदीप गुन्नम और राम्या गुन्नम द्वारा निर्मित इस फिल्म को गीता आर्ट्स, स्वप्ना सिनेमा और लाइटबॉक्स मीडिया प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म को तेलुगु, तमिल, हिंदी और मलयालम भाषाओं में प्रदर्शित करने की योजना है। इससे देशभर के दर्शकों तक इसकी कहानी पहुंचाने की तैयारी है। गौरतलब है कि दुलकर सलमान ने 'महानटी, 'सीता रामम और 'लकी भास्कर जैसी फिल्मों के जरिए तेलुगु दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई है। अब 'आकाशमलो ओका तारा के माध्यम से वह एक बार फिर तेलुगु दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। प्रेरणादायक कथानक, भावनात्मक रिश्तों और दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म 20 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

'हुशारु 2 का मजेदार टीजर जारी, टकीला के कारोबार में फंसे दोस्तों की कहानी आएगी सामने



वर्ष 2018 में प्रदर्शित हुई सफल तेलुगु फिल्म 'हुशारु के सीक्वल 'हुशारु 2 को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है, जिसमें हास्य, रोमांच और अजीबोगरीब घटनाओं की झलक देखने को मिलती है। इस बार अभिनेता अशोक गल्ला मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। टीजर में दोस्तों के एक समूह की कहानी दिखाई गई है, जो कारोबार के दौरान अप्रत्याशित परिस्थितियों में फंस जाता है और देखते ही देखते पूरी कहानी में अफरा-तफरी मच जाती है।

'हुशारु 2 की कहानी पहले भाग से आगे बढ़ते हुए दोस्तों के समूह के इर्द-गिर्द घूमती है। इस बार वे चित्तारागुंज में टकीला का कारोबार करते दिखाई देंगे, जबकि पहली फिल्म में उनका व्यवसाय बीयर से जुड़ा था। कारोबार के दौरान उन्हें कई चौंकाने वाले अनुभवों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं घटनाओं से हास्य और रोमांच पैदा होता है, जो फिल्म को मनोरंजक बनाने का प्रयास करता है।

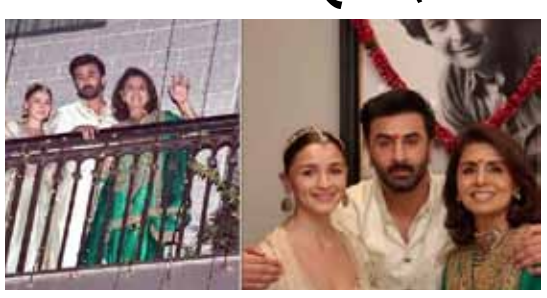
फिल्म का सबसे चर्चित पहलू अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता नारायण मूर्ति का किरदार है। वह इस फिल्म में नक्सली की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनके इस अलग अंदाज ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म का निर्देशन श्री हर्षा कोनुगंती ने किया है। उन्होंने वर्ष 2018 में आई पहली फिल्म का भी निर्देशन किया था। सीक्वल में राहुल रामकृष्ण, रवि एंथनी, दिनेश तेज, शशिधर कोचरलाकोटा, विधि यादव, अभिज्ञा वुथुलुरु, भगवान तिवारी, जतिन गोस्वामी और राजई रोवन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत सनी एमआर ने तैयार किया है, जबकि छायांकन की जिम्मेदारी जी. श्रीनिवास रेड्डी ने संभाली है। फिल्म का निर्माण राहुल वर्मा, के. वीणा रानी और के. हनुमंत राजू ने 'केवमैन स्टोरीज, 'एचके फिल्म्स तथा 'कलियुग वरधा क्रिएशन्स के बैनर तले किया है। टीजर में दोस्तों के कारोबार, उनके बीच की नोकझोंक और अप्रत्याशित घटनाओं को प्रमुखता से दिखाया गया है। फिल्म निर्माताओं को उम्मीद है कि पहली फिल्म की लोकप्रियता का लाभ सीक्वल को भी मिलेगा। अब दर्शकों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि 'हुशारु 2 दोस्ती, हास्य और रोमांच के मेल से पहली फिल्म की सफलता को कितना आगे बढ़ा पाती है।

रणबीर कपूर की रामायण ने 5वें दिन रचा इतिहास, तोड़ दिया धुरंधर 2 का रिकॉर्ड



रणबीर कपूर की रामायण : भाग 1 दिवाली के अवसर पर 5 नवंबर को रिलीज हुई। वीकेंड पर दमदार कारोबार कलेक्शन करने के बाद, इस पौराणिक महाकाव्य ने वो कर दिखाया है जिसकी उम्मीद शायद किसी को नहीं रही होगी। इसने सोमवार की परीक्षा न सिर्फ पास की, बल्कि धुंआधार कमाई करते हुए 5वें दिन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ धुरंधर 2 और पठान समेत कई फिल्में पिछड़ गईं। सैकनिल्क के मुताबिक, रामायण ने 5वें दिन (सोमवार) को 107.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसमें सबसे बड़ी कमाई का हिस्सा हिंदी भाषा से आया है, जिसमें इसने 87.25 करोड़ कमाए। कन्नड़ में 7.50 करोड़, तेलुगु में 6 करोड़, तमिल में 4 करोड़ और मलयालम में 2.75 करोड़ रुपये कमाए। इसी के साथ रामायण का भारत में कुल कलेक्शन अब 346.35 करोड़ रुपये हो गया है। विश्व स्तर पर यह कुल 507.55 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई कर चुकी है। सोमवार को 107.50 करोड़ रुपये के साथ रामायण 5वें दिन सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्म बन चुकी है। इसने धुरंधर 2 (5वें दिन 60 करोड़), पठान (5वें दिन 58.50 करोड़), गदर 2 (55.40) और पुष्पा : द रूल (46.40) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। रामायण का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है, जबकि नमित मल्होत्रा इसके निर्माता हैं। इसमें सीता के किरदार में साई पल्लवी, रावण के किरदार में यश और लक्ष्मण के किरदार में रवि दुबे हैं।

कृष्णा राज बंगले में नीतू कपूर ने रणबीर-आलिया संग मनाई दिवाली



कपूर परिवार के लिए इस साल दिवाली का त्योहार खास रहा। अभिनेत्री नीतू कपूर ने अपने बेटे रणबीर कपूर और बहू आलिया भट्ट के साथ त्योहार मनाया। इस पारिवारिक जश्न की तस्वीर सामने आने के बाद दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की यादें भी ताजा हो गईं। तस्वीर में परिवार के सदस्य मुस्कुराते नजर आए, लेकिन पीछे दीवार पर लगी ऋषि कपूर की तस्वीर ने इस पल को भावुक बना दिया। नीतू कपूर ने सोशल मीडिया पर परिवार की एक तस्वीर साझा की। इसमें वह रणबीर और आलिया के साथ खड़ी होकर कैमरे के सामने मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं। तीनों ने साथ में तस्वीर खिंचवाई। इस तस्वीर की खास बात यह रही कि उनके पीछे दीवार पर ऋषि कपूर की तस्वीर लगी हुई थी। वह इस मौके पर परिवार के साथ मौजूद नहीं थे, लेकिन उनकी तस्वीर ने उनकी यादों को इस पारिवारिक पल से जोड़ दिया। अप्रैल 2020 में ऋषि कपूर के निधन के बाद नीतू कपूर कई बार उनसे जुड़ी यादें साझा कर चुकी हैं। त्योहारों और पारिवारिक अवसरों पर भी उनकी तस्वीरें और पुराने किस्से सामने आते रहे हैं। इस बार दिवाली पर साझा की गई तस्वीर में भी परिवार के साथ ऋषि कपूर की मौजूदगी का एहसास दिखाई दिया। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने इस साल दिवाली अपने नए घर कृष्णा राज बंगले में मनाई। आलिया ने भी सोशल मीडिया पर त्योहार से जुड़ी कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें उनकी बेटी राहा सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रहीं। एक तस्वीर में राहा अपनी मां आलिया और पिता रणबीर के गालों पर प्यार से किस करती दिखाई दीं। इस पारिवारिक तस्वीर को लोगों ने खूब पसंद किया। एक अन्य तस्वीर में राहा अपने पिता रणबीर के हाथ की ओर देखती नजर आईं। दरअसल, दिवाली पूजा के दौरान पंडित रणबीर की कलाई पर धागा बांध रहे थे और राहा उनके पास खड़ी थीं।

लंबे समय तक ब्रेक के बाद एक्सरसाइज करने के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स



अगर आप लंबे समय तक कसरत नहीं कर रहे हैं और फिर से इसका अभ्यास शुरू करने जा रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए आपको धीरे-धीरे शुरुआत करनी चाहिए और अपनी क्षमता के अनुसार ही कसरत करनी चाहिए। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग और वार्म-अप करना भी जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप आराम से कसरत कर सकते हैं। अगर आप लंबे समय से कसरत नहीं कर रहे हैं तो एकदम से इसे शुरू करने की गलती न करें। पहले दिन केवल 5-10 मिनट की हल्की कसरत करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। इसके लिए पहले दिन हल्की स्ट्रेचिंग करें और फिर धीरे-धीरे अन्य गतिविधियों को शामिल करें। इससे आपका शरीर अनुकूल हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे। ध्यान रखें कि शुरुआत में हल्के वजन से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं। कसरत करते समय अपनी क्षमता को समझना बहुत जरूरी है। अगर आप ज्यादा वजन उठाने की कोशिश करेंगे तो चोट लगने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए पहले हल्के वजन से शुरू करें और फिर धीरे-धीरे बढ़ाएं। इसके अलावा अपनी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही कसरत करें। इससे आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे और आपकी सेहत भी बेहतर होगी। हमेशा अपनी सीमाओं को समझकर ही आगे बढ़ें। कसरत करते समय सही उपकरणों का उपयोग करना बहुत जरूरी है। जिम जाते समय अपने साथ पानी की बोतल, तौलिया और आरामदायक कपड़े जरूर रखें। इसके अलावा अगर आप घर पर ही कसरत कर रहे हैं तो भी सही उपकरणों का उपयोग करें जैसे कि योगा मैट, डंबल आदि। इससे आपकी कसरत और भी प्रभावी होगी और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे। सही उपकरणों का उपयोग करने से आपकी सेहत भी बेहतर होगी। कसरत शुरू करने से पहले वार्म-अप करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आपके शरीर को तैयार करता है और चोट लगने की संभावना कम करता है। इसके लिए हल्की दौड़ लगाएं या कुछ मिनट तक रस्सी कूदें। इसके अलावा स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी करें ताकि मांसपेशियां लचीली हों और शरीर में खून का संचार बेहतर हो सके। वार्म-अप करने से आपका शरीर कसरत के लिए तैयार हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे। कसरत के साथ-साथ आराम करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कसरत करना। अगर आप लगातार बिना आराम किए कसरत करेंगे तो इससे थकान हो सकती है और शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए हर दिन पूरी नींद लें और कभी-कभी ब्रेक लेकर शरीर को आराम करने दें। इससे आपका शरीर ताजगी महसूस करेगा और आप बेहतर तरीके से कसरत कर पाएंगे। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी सेहत को बढ़ा सकते हैं।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

आईपीएल 2027 : हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े

एजेंसी, नई दिल्ली



टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से पहले खिलाड़ियों के बड़े ट्रेड के तहत मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल होंगे, जबकि भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच यह बड़ा खिलाड़ी ट्रेड पूरा हो गया है। हार्दिक पांड्या के इस फैसले के साथ मुंबई इंडियंस के साथ उनका दूसरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। वह इस फ्रेंचाइजी के साथ चार बार आईपीएल खिताब जीत चुके हैं। हार्दिक पहली बार 2015 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने खुद को लीग के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में स्थापित किया। मुंबई की खिताबी जीत में उन्होंने 2015, 2017, 2019 और 2020 में अहम योगदान दिया। मुंबई के साथ सात सत्र बिताने के बाद हार्दिक आईपीएल 2022 से पहले गुजरात टाइटंस में चले गए थे। वहां उन्होंने कप्तान के रूप में पहले ही सत्र में टीम को खिताब दिलाया। गुजरात की टीम 2023 में भी फाइनल तक पहुंची। इसके बाद हार्दिक 2024 में मुंबई इंडियंस में लौटे और टीम की कप्तानी संभाली। हार्दिक ने अब तक 162 आईपीएल मैचों में 146.28 के स्ट्राइक रेट से 2,955 रन बनाए हैं और 82 विकेट भी हासिल किए हैं। उनका यह प्रदर्शन उन्हें एक अनुभवी और मैच जिताने वाले खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। वहीं, अर्शदीप सिंह आठ सत्र तक पंजाब किंग्स के साथ रहने के बाद मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे। उन्होंने 2019 में पंजाब की ओर से ही आईपीएल में पदार्पण किया था और धीरे-धीरे प्रतियोगिता के प्रमुख बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में अपनी जगह बनाई। अर्शदीप ने 96 आईपीएल मैचों में 111 विकेट लिए हैं और वह पंजाब किंग्स के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। नई गेंद से शुरुआती विकेट निकालने और पारी के अंतिम ओवरों में दबाव के बीच गेंदबाजी करने की उनकी क्षमता पंजाब के लिए बेहद उपयोगी रही है। अर्शदीप ने आईपीएल 2025 में 21 विकेट लिए थे, जबकि 2026 के सत्र में उनके नाम 14 विकेट रहे। उनकी बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी और पारी के अलग-अलग चरणों में प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देगी। इस ट्रेड के तहत हार्दिक पांड्या 18 करोड़ रुपये की फीस पर पंजाब किंग्स से जुड़ेंगे। मुंबई इंडियंस में उनकी मौजूदा फीस 16.35 करोड़ रुपये थी। वहीं, अर्शदीप सिंह अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपये की फीस पर ही मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : लिंडा नोस्कोवा ने कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, इंडियन वेल्स



विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, जेसिका पेगुला ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को हराकर अंतिम चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त नोस्कोवा ने ग्रुप-1 के मुकाबले में गॉफ को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। उन्होंने गॉफ की कमजोर सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में चार बार उनकी सर्विस तोड़ी और 6-3 से सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट की शुरुआत में भी नोस्कोवा ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मैच में अपना नौवां ऐस लगाते हुए मुकाबला समाप्त किया और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जीत के बाद नोस्कोवा ने कहा, "मैं बहुत खुश हूं। इस प्रतियोगिता में हर जीत महत्वपूर्ण है। कोको एक बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुझे आज हर तरह की चुनौती के लिए तैयार रहना था।" उन्होंने कहा, "कोको के खिलाफ आखिरी अंक तक खेलना होता है, क्योंकि वह अपनी सर्विस और संघर्ष करने की क्षमता से किसी भी समय वापसी कर सकती हैं। मुझे लगा कि मैंने उन पर दबाव बनाने के लिए शानदार खेल दिखाया।" नोस्कोवा ने रविवार को अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबले में यूक्रेन की कोस्त्युक को भी हराया था।

दूसरी ओर, अमेरिका की जेसिका पेगुला ने उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में कोस्त्युक को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार के साथ कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब ग्रुप-1 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी के लिए कोको गॉफ और पेगुला के बीच मुकाबला होगा। पेगुला को अपने शुरुआती मुकाबले में रविवार को गॉफ के हाथों हार मिली थी। लेकिन मंगलवार को उन्होंने शानदार वापसी करते हुए कोस्त्युक को मात दी। जीत के बाद पेगुला ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रही हूं। कोको के खिलाफ मेरा मुकाबला काफी उच्च स्तर का था और आज का मैच भी शानदार रहा।" कोस्त्युक की खेल शैली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, "उनके खिलाफ खेलना काफी मुश्किल है, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगले पल क्या होने वाला है।

मप्र के भोपाल में 19 नवंबर से होगा एशियन महिला हॉकी का महासंग्राम, मंत्री सारंग ने लोगो और ट्रॉफी का किया अनावरण

एजेंसी, भोपाल



मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक पहली बार एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल-2026 का आयोजन होगा, जिसमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की छह शीर्ष टीमें हिस्सा लेंगी। प्रदेश के सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में ट्रॉफी के आधिकारिक लोगो और ट्रॉफी अनावरण के साथ ट्रॉफी टूर का शुभारंभ किया। मंत्री सारंग ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव और प्रतिष्ठा का विषय है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल पहली बार इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रही है। एशियन हॉकी फेडरेशन एवं हॉकी इंडिया के सहयोग से मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 19 से 28 नवंबर 2026 तक अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बरखेड़ा नाथू, भोपाल में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। लगभग पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले अत्याधुनिक हॉकी स्टेडियम में दर्शकों के लिए एंट्री फ्री रहेगी। वर्ल्ड रैंकिंग की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रथम चरण का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में एशिया की 6 शीर्ष महिला हॉकी टीमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की लगभग 150 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं।

बाली में शुरू हुई आईसीसी बोर्ड और समिति की बैठकें, क्रिकेट के भविष्य पर होगी चर्चा

एजेंसी, बाली



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बोर्ड और समितियों की बैठकें बुधवार से इंडोनेशिया के बाली में शुरू हो गईं। 11 से 15 नवंबर तक चलने वाले इन बैठकों के कार्यक्रम में दुनिया भर से आईसीसी बोर्ड और समिति के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। वर्ष 2026 की ये अंतिम बैठकें आईसीसी और आईबीसी बोर्ड की बैठकों के साथ संपन्न होंगी। इन बैठकों में क्रिकेट के भविष्य, प्रतियोगिताओं, प्रारूपों, व्यावसायिक स्थिरता और खेल के वैश्विक विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। आईसीसी की रणनीति के अनुरूप दुनिया भर में क्रिकेट के प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और खेल की लोकप्रियता को व्यापक बनाने के लिए सदस्य देशों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में फ्रेंचाइजी लीग समीक्षा समूह और प्रशासनिक व्यवस्था समीक्षा समिति की पहली सिफारिशों पर भी चर्चा होगी। इन दोनों समितियों का गठन जुलाई 2026 में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान किया गया था।

फ्रेंचाइजी लीग समीक्षा समूह का उद्देश्य मौजूदा आईसीसी मान्यता और नियमन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार करना है। इसके तहत फ्रेंचाइजी लीग की बढ़ती संख्या से पैदा हो रही नई चुनौतियों के बीच क्रिकेट के पारिस्थितिकी तंत्र को अधिक सुरक्षित और मजबूत बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। वहीं, प्रशासनिक व्यवस्था समीक्षा समिति आईसीसी के प्रशासनिक ढांचे की विस्तृत समीक्षा के बाद अपनी शुरुआती सिफारिशें पेश करेगी। बैठकों में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2027-29 और 2029-31 चक्र के मुकाबलों का प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके अलावा 2028 से 2035 तक होने वाले आईसीसी के सभी प्रमुख पुरुष आयोजनों के आयोजन की समय-सीमा को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कई क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर भी विचार किया जाएगा। आईसीसी विकास समिति ने इन आयोजनों के लिए क्वालीफिकेशन की ऐसी रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हर चरण में मुकाबलों की प्रतिस्पर्धात्मकता और महत्ता बढ़े। इसका विशेष लाभ उभरते हुए क्रिकेट देशों को मिलने की उम्मीद है। अफगानिस्तान की शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए गठित कार्यबल भी विकास पथ कार्यक्रम के अगले चरणों से जुड़े प्रस्ताव आईसीसी बोर्ड के सामने रखेगा। इसके साथ ही आईसीसी की निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) मान्यता कार्यक्रम पर भी मुख्य कार्यकारी समिति और आईसीसी बोर्ड में विचार किया जाएगा।

बिजनेस

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तूफानी तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी, नई दिल्ली



दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी के बाद आज खुले घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तूफानी तेजी का माहौल बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी के बीच आज भारतीय बाजार की शुरुआत शानदार बढ़त के साथ हुई। बाजार खुलते ही खरीदारों ने बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और रिटेल सेक्टर के दिग्गज शेयरों में चौतरफा लिवाली का जोर बना दिया।

इस जबरदस्त खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों की तेजी लगातार बनी रही। बाजार में लगातार जारी लिवाली के बीच सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.49 प्रतिशत और निफ्टी 50 सूचकांक 1.26 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 1,142.03 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की दमदार छलांग लगा कर 82,248.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफावसूली का मामूली दबाव बनने के कारण यह सूचकांक शुरुआती मिनटों में फिसल कर 81,969.91 अंक के निचले स्तर तक आया। इसके तुरंत बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जैसे दिग्गज शेयरों में आई बंपर तेजी से बाजार को बड़ा बूस्ट मिला। लगातार हो रही खरीदारी के दम पर सेंसेक्स उछल कर 82,520.40 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले सुबह 10:30 बजे का सत्र बीतने के बाद सेंसेक्स 1,211.25 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 82,317.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 ने भी आज 293.15 अंक यानी 1.17 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 25,337.80 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के मामूली झटके से यह सूचकांक फिसल कर 25,263.80 अंक के निचले स्तर तक गया। लेकिन कुछ देर बाद ही दिग्गज शेयरों में शुरू हुई जोरदार लिवाली के चलते निफ्टी 25,424.35 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 50 सूचकांक 314.85 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,359.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 3,046 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,471 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 575 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर दो शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और छह शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

आज सुबह के शुरुआती कारोबारी सत्र में स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टॉप गेनर्स की सूची में इंटरग्लोब एविएशन 4.47 प्रतिशत की तूफानी बढ़त के साथ 5,672.70 रुपये के भाव पर सबसे आगे बना हुआ था। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.83 प्रतिशत उछल कर 3,416.50 रुपये, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 2.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,065.75 रुपये, एक्सिस बैंक 2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,339.40 रुपये और ट्रेंट लिमिटेड 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,187 रुपये के स्तर पर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर, बाजार की इस जोरदार तेजी के बीच भी बिकवाली के दबाव में फंसे टॉप लूजर्स में केवल तीन दिग्गज कंपनियां ही शामिल रहीं। इनमें डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,376.80 रुपये के भाव पर सबसे आगे चल रहा था।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली



ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान महंगाई के ऊंचे आंकड़ों के कारण गिरावट के साथ बंद हुए थे। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स आज सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ दिखाई दिया। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है, जिसमें ज्यादातर प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी भी आज सुबह अच्छी बढ़त दिखा रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट पर बिकवाली का दबाव रहा। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहे। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा अगले महीने ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने और सख्त रुख अपनाने की चिंता बढ़ गई। इस दबाव के कारण मंगलवार को डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 157.86 अंक यानी 0.30 प्रतिशत गिर कर 52,231.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स भी 29.01 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,520.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 187.26 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूट कर 25,065.87 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स आज सुबह फिलहाल 103.09 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,334.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला रुख बना रहा। फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 77.20 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज करते हुए 8,310.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

इसी तरह जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स भी 80.26 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,347.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत, ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स में बिकवाली का दबाव रहा, जिसके चलते यह सूचकांक 31.28 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,751.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। ग्लोबल मार्केट के इन मिले-जुले संकेतों के बीच एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से छह के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। वहीं, तीन सूचकांक दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी आज सुबह 106.50 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,435 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कमोडिटी मार्केट में सोना-चांदी और क्रूड में तेजी का रुख, बेस मेटल सेगमेंट में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू कमोडिटी मार्केट (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज-एमसीएक्स) में आज शुरुआती सत्र के दौरान शानदार तेजी का माहौल बना हुआ है। भाई दूज के मौके पर आज सर्राफा बाजार में हाजिर सोने के भाव में गिरावट का रुख बनने के बावजूद कमोडिटी मार्केट में सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हरे निशान में कारोबार कर रही हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी हल्की रिकवरी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल सेगमेंट में आज मिला-जुला रुख देखने को मिल रहा है। सर्राफा बाजार की बात करें तो आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। शुरुआती कारोबार के बाद सुबह 11 बजे तक सोना वायदा 1,365 रुपये यानी लगभग 1 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता हुआ देखा गया। इसी तरह चांदी के भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई है।

भाई दूज के दिन फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज भाई दूज के दिन सोने के भाव में कमजोरी नजर आ रही है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह चमकीली धातु आज भी सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रही है। कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

फॉरेक्स मार्केट में भारतीय मुद्रा की बढ़त जारी, शुरुआती कारोबार में डॉलर समेत दूसरी प्रमुख मुद्राओं की तुलना में मजबूत हुआ रुपया

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार (फॉरेक्स मार्केट) में आज शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शानदार मजबूती दर्ज की है। घरेलू शेयर बाजार में आई तूफानी तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से मिल रहे मजबूत सपोर्ट के दम पर भारतीय करेंसी में यह उछाल देखने को मिल रहा है। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय रुपया पिछले बंद भाव 93.9400 के मुकाबले 0.2525 रुपये यानी 0.27 प्रतिशत मजबूत होकर 93.6875 प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज सुबह इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय रुपया 21 पैसे की अच्छी बढ़त के साथ 93.73 प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही आयातकों की सामान्य डॉलर मांग के चलते रुपया एक समय फिसल कर 93.8825 के निचले स्तर तक भी गया। लेकिन इसके तुरंत बाद विदेशी फंड्स की ओर से इक्विटी मार्केट में लगातार हो रहे डॉलर के इनफ्लो से रुपये ने शानदार वापसी की और यह मजबूत होकर 93.67 के इंट्रा-डे उच्च स्तर तक पहुंच गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।